





ASHA ARCHIVES

3146

श्री रावसि

श्री सातवा

॥ ॐ नमो भगवते ॥

॥ ॐ नमो भगवते ॥

॥ ॐ नमो भगवते ॥

॥ ॐ नमो भगवते ॥

॥ ॐ नमो भगवते ॥

॥ ॐ नमो भगवते ॥



समानादगमिरुयागामिनादाद ॥ रुथास्वनाशुपुईयाप्रोक्तानि ॥ ४८८ ॥
अहं अरुहमि ॥ ४८९ ॥

१३ श्रीगणेशाय नमः ॥ प्रलम्भयन्मात्मानं बालधीवृद्धिसिद्धयौ ॥ सौमस्वता
मृदुर्बुधैः प्रक्रियान्तातिविस्तृता ॥ अद्वा दं प्रियम्याजं नययूः ॥ द्ववालि
॥ प्रक्रियति ह्यकृत्स्नस्य दमोवर्कुनवः कथी ॥ नृणां वत्सलस्य वावहावा
यसंग्रहक ॥ ॥ अद्वा दं ॥ समाना ॥ अननप्रत्याहान ॥ यदृत्तयवद्भूय
विगच्छन् ॥ नृणां समानसङ्गावविधायन ॥ नृणां सुखं सुखसिद्धिं नृणां ॥ अथा
विवादितात्वात् ॥ विवदितात्वात् सुखसिद्धिं नृणां ॥ निनियमात् ॥ लोकि कथं यो गतिः
व्यक्तयः समयेमागताश्च ॥ अस्वदीर्घं नृणां ॥ सवर्गः ॥ एतं वा अस्वदीर्घं

अद्वा दं ॥ यवत्सर्वसर्वकुरु ॥ लाका दं अस्यासिद्धिविनिवृत्तिरनात्मा क
नृणां प्रकृत्वादि मङ्गला नृणां ॥ एकमात्रा अस्वः ॥ द्विमात्रा दीर्घः ॥ त्रिमात्रा नृ
नृणां ॥ यद्वा नृणां दीर्घमात्रं ॥ एतान् नृणां यद्वा कादिनां ॥ उद्वा नृणां यद्वा मा
उद्वा नृणां ॥ नीचे वनूदात्तः ॥ समवस्थात्वेन ॥ एते अङ्गे सन्ध्यादि ॥ एत
अस्वानसक्तिरुत्तमः ॥ अकावा दयः ॥ एतवत्वा नृणां कावा दयः ॥ उद्वा नृ
वा दयः ॥ अद्वा नृणां मित्रः ॥ अद्वा नृणां मित्रः ॥ अद्वा नृणां मित्रः ॥ अद्वा नृ
नात्मा वत्सवा ॥ एतद्वा नृणां मित्रः ॥ अद्वा नृणां मित्रः ॥ अद्वा नृणां मित्रः ॥ अद्वा नृ

२८८॥ यथा च कुरु मायुः ॥ प्रोक्तवानकः ॥ २८८ ॥

यि २

[illegible]

अनन्द विहङ्गादिषु सुखेन कथनं कृत्यादिः तद्गणनमाह ४५ ।

॥ कर्क पू० ॥ कर्क पू० ॥ ३ गिव आरूही ॥ गिव ही ॥

रुलीया लंगलीया व मनीयाऽऽद्योत्तम
यठरुली कर्क मधूक लणसीममन

दवीया दो दृष्टाया व कथं ॥ दललीया ॥ हलीया ॥ लंगललीया ॥ लाङली
या ॥ मनसलीया ॥ मनीया ॥ अघडाम् ॥ अधाम् ॥ यनत् अउलि ॥ यन
अलिं ॥ ॥ डं ॥ अवर्ण्डव (पुं यन सह डा को बारु वति ॥ गंगडदकं ॥
॥ गंगडदकं ॥ ॥ अग्व ॥ अवर्ण्डव (पुं यन सह अग्वरु वति ॥ गवअदि ॥
॥ गवदि ॥ कचिदाव ॥ अवर्ण्डव (पुं यन सह कचिदाव रु वति ॥ अग्वअर्ण
॥ अग्वअर्ण ॥ गीनअर्ण ॥ गीनार्ण ॥ ॥ अग्व ॥ अवर्ण्डव (पुं यन सह अग्व
रु वति ॥ गवडकाल ॥ गवल्काल ॥ बलथा ॥ सावर्ण वावकथं ॥ यविअर्णकथं ॥

मकारः कारो वसवः सः श्रीः ४१

ननु आह दयः॥

१. हा कृकात्र ४ वस्तुया उलथा ज्येव गव्याव्वयास्तदा। वदं ह्यविविधावन्त्ये मलकावविद्याजनाः

॥ पत्यकि॥ पत्यकि॥ हाह॥ काव॥ हाह॥ काव॥ ॥ उ॥ उ॥ अ॥ अ॥
 उ॥ का॥ ने॥ का॥ व॥ य॥ व॥ स॥ ह॥ ने॥ का॥ वा॥ रु॥ व॥ नि॥ ॥ ग॥ व॥ उ॥ वा॥ ॥ ग॥ व॥ वा॥ ॥ म॥ म॥ न॥ वा॥
 ॥ स॥ मे॥ वा॥ ॥ ग॥ व॥ ने॥ श्र॥ य॥ ॥ ग॥ व॥ श्र॥ य॥ ॥ ॥ उ॥ उ॥ उ॥ ॥ अ॥ व॥ न॥ उ॥ उ॥ का॥ व॥ डो॥ का॥
 ॥ अ॥ व॥ न॥ उ॥ उ॥ का॥ व॥ य॥ व॥ स॥ ह॥ डो॥ का॥ वा॥ रु॥ व॥ नि॥ ॥ ग॥ व॥ डो॥ द॥ न॥ ॥ ग॥ व॥ डो॥ द॥ न॥ ॥ ग॥ व॥ डो॥ न॥ त॥ ल॥ ॥ ग॥ व॥ डो॥
 न॥ त॥ ल॥ ॥ ॥ स्व॥ न॥ म॥ ॥ अ॥ न॥ स्व॥ न॥ त॥ ल॥ ॥ स्व॥ न॥ य॥ व॥ म॥ त॥ र्त्त॥ रु॥ व॥ नि॥ ॥ दी॥ र्त्त॥ ॥ दी॥ र्त्त॥
 य॥ मि॥ ह॥ ॥ इ॥ म॥ ॥ अ॥ न॥ य॥ ॥ इ॥ म॥ म॥ न॥ य॥ ॥ ॥ उ॥ उ॥ उ॥ ॥ अ॥ व॥ न॥ उ॥ उ॥ का॥ व॥ डो॥ का॥
 ॥ अ॥ व॥ न॥ उ॥ उ॥ का॥ व॥ य॥ व॥ स॥ ह॥ डो॥ का॥ वा॥ रु॥ व॥ नि॥ स॥ मा॥ स॥ नि॥ ॥ वि॥ च॥ डो॥ उ॥ ॥ वि॥ च॥ डो॥ उ॥ ॥ वि॥
 लो॥ ॥

अमीशाल॥ अम्यये॥ २०

श्री ४॥ स्फुल्ल ५॥ गु ४॥ स्फुल्ल ५॥ गु ४॥ समास ००॥ ति किं ॥ त वी ४॥ ॥
 ॥ ००॥ निखन सन्धि ४॥ ॥ * ॥ ॥ अथ प्रकृति काव उच्यते ॥ नामी अदसा ५॥ मी
 गद सन्धि नया प्राति ॥ अमी अदित्या ४॥ अदित्व ॥ ००॥ य उ च उ च य ॥ ००॥
 का न न ड का न न उ का न न अ ग दौ दित्व वर्तमानं सन्धि नया प्राति मनी
 वा दि व र्ण ॥ अनी अ ५॥ य द् अ ५॥ मा ल अ न य ॥ म नी वा दी ति किं ॥ म नी
 व नी द सी व ॥ द य नी वा ॥ ड नि या ग ४॥ अ का व ड का व नि या ग ४॥ व क स्व न
 अ सन्धि नया प्राति ॥ अ ए व म न्य स ॥ न अ ग स्वा त र्थ ॥ अ अ य हि ॥ ००॥

ऊम्यतीव । ऊयापतीव । सायापतीव ॥ २

子日詩經

५३३७४६

一

यवचयानां श्रमानिह्यस्य ॥ वित् मयं ॥ विन्मयं ॥ नत् मयं ॥ नन्मयं ॥ मृत्
मयं ॥ मृन्मयं ॥ ॥ चयाकृ ॥ चयादूतवस्य गकावस्य क्वावाहवनि ॥
॥ वाकम्ब ॥ वाकम्ब ॥ ॥ कृष्ण ॥ चयादूतवस्य हकावस्य उरावा
रुवनि ॥ यद्वर्गगययस्तद्वर्गगयगु (थरुवनि ॥ नत् हवि ॥ नद् हवि ॥
॥ नदहवि ॥ वाक् हवि ॥ वाग् हवि ॥ वाग् हवि ॥ ॥ स्तो ॥ स्तो ॥ स्तो ॥ स्तो
॥ सकावस्य नवर्गस्य सकावत्तवव (र्गत्तवथा (गग काववव (गोयथ
संस्थितरुवत ॥ सकावस्य गकाव ॥ नवर्गस्य चवर्ग ॥ कस्ववति ॥ कश्च

[illegible]

28

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ गी र्यनिः॥ गी र्यनिः॥ धू ४ यतिः॥ धू र्यनिः॥ धू र्यनिः॥ ॥ व ३ ॥ ब ह स म्व
न्यिना वि स र्ज नी य स्य ब ह र व स्य व य म ॥ या न ४ मू न ॥ या न व ग ॥ मू न ४ ग न ॥
मू न र्ज न ॥ ॥ विला या दी र्य अ ॥ ब ह स्य ब ह प म ला या रु व नि ॥ पृ व स्य च दी
र्य ॥ मू न ४ व म न ॥ मू ना व म न ॥ मू कि ४ मू र्या त्म ना रु नि ॥ मू की मू र्या त्म ना रु
नि ॥ ॥ से या द्व स ॥ स ग द्या द म ग द्या त्म व स्य वि स र्ज नी य स्य ला या रु व नि ॥
ह स य म ॥ स ४ व व नि ॥ स च व नि ॥ उ म्भ ४ ह स नि ॥ उ म्भ ह स नि ॥ ॥ से वा दि नि
सं दि ना ॥ से व द्या ग व थी वा म ॥ से व बा जा य भि छि व ॥ से व क (रु) म हा र्या ॥

श्री

गी सेयलीमामहावल॥ ॐ ह्यादीयादयूव (न सन्ध्यर्थ) ॥ ॥ चट्टकं लोकि
 कायहनददवद्वनवन्॥ समारुत्याददसावा मित्यादीनामदृष्टता॥
 ॥ कवित्यवृत्तिः कविदप्रवृत्तिः कविद्विरावाकविदन्यदव॥ विधिविः
 धार्तवद्वधसमीश्व चारुविधं वा द्रवकवदति॥ ॥ वल्लगमावल्लविय १२
 ययय शोवापमवल्लविकावनासो॥ धामाकदधमिगयनयागसुड
 यनयः कविधनिबूक॥ ॥ वल्लगमागवद्वदो सिंहवल्लविययय॥ १३
 भाउमदीविकावस्यानवल्लनागः यथादय॥ वल्लविकाव नगमस्यां धामा

ॐ निविसमसन्धि
 ॥ ॥ ॥ अथविरुकिविराचन॥ ॥ सादिधा॥ स्यादिस्यादिग्र॥ वि
 रुक्ककं यदी॥ गरुस्यादिविरुकिर्नामाया यन॥ अविरुकिनाम॥ विरुकि
 नदिर्नामावद्विर्नार्थवद्वद्वर्पनामायन॥ कुरुद्विगसमासाग्रयानि
 पदिकसंहारं नि कयित॥ ॥ गस्मान्॥ सि॥ ओ॥ ऊ॥ अ॥ म॥ उ॥ ग॥ स॥
 ॥ द॥ स्याम॥ हि॥ स॥ द॥ स्यामे॥ स्य॥ स॥ द॥ सि॥ स्याम॥ स्य॥ स॥ द॥ स॥ उ॥ स॥ अ॥ स॥
 ॥ दि॥ उ॥ स॥ स॥ य॥ ॥ ॥ ग॥ स्यान्त॥ म॥ य॥ वा॥ स्यादय॥ स॥ य॥ विरुक्कया रुवनि॥

॥ तपस्यार्थमात्रे कविविद्वदायां प्रथमे कवचनसि ॥ दवसि न्निहितं ॥
कावउच्चावगार्थ ॥ ॥ अविस्मर्य ॥ स काव उच्चावगार्थसिद्धिनीयाद ॥
रुवत्यधगावसयदाकव ॥ ॥ दव ॥ दित्वविद्वदायामो ॥ ॥ ओ ओ ओ ॥
॥ दवो ॥ वद्वन्विविद्वदायां वद्वन्ववत दव उच्चावगार्थसिद्धिनीयाद ॥
हायालाय ॥ प्रया उर्न उसीति वि (गमनं) ॥ दवे अस्मिन्निहितं ॥ दीर्घ
विसर्गो दवा ॥ ॥ अकावाङ्मसगारासूक कविद्वकव ॥ दवासशाया
कवस ॥ ॥ द्वितीये कवयन दव अस्मिन्निहितं ॥ ॥ अस्मगारावस्य ॥

कावसवनि
१३

॥ समानाद्वद्वन्ववत दव अस्मिन्निहितं ॥ ॥ दवम ॥ दवो
॥ ॥ वद्वन्ववत दव अस्मिन्निहितं ॥ ॥ गकाव ॥ गसीति वि (गमनं) ॥
॥ सान ॥ यूस ॥ यूलि गस्मानाद्वद्वन्ववत दव अस्मिन्निहितं ॥
॥ गमनं ॥ गस्मिन्निहितं ॥ यदा दव अस्मिन्निहितं ॥
॥ दवान ॥ ॥ द्वितीये कवयन दव अस्मिन्निहितं ॥ ॥ दन ॥ अकावाङ्मसगारासूक
॥ नारुवति ॥ अस्मिन्निहितं ॥ दवना ॥ ॥ अस्मिन्निहितं ॥ अकावस्य अस्मिन्निहितं ॥ रुका
॥ यव ॥ दवासाम ॥ ॥ दव ॥ अकावाङ्मसगारासूक कविद्वकव ॥ दवासशाया

रुवति ॥ अ० ॥ द व न स ० नि लि न ॥ द द्वि वि स र्क नी यो ॥ द वे ॥ अ का व
 स्य हि सि द्ध द स्य का वा व क य ॥ द व नि ॥ क (० रि ॥ ॥ च नु (० क व
 च न द व द ० नि लि न ॥ द का वा दि त्वा र्थ ॥ स र्व रु ॥ द अ क ॥ ॥ अ का
 वा न्य व स्य द ० स्य ग स्य अ ग ग मा रु व नि ॥ कि त्वा द न ॥ न अ ये ॥ दी र्घा ॥
 द वा य ॥ ॥ अ हि ॥ द वा त्या म ॥ ॥ न रि व द्ध त्व ॥ अ का व स्य त्व रु व ति ॥
 स का व रु का व व द्ध त्व स ति ॥ द व स्य ॥ ॥ य अ म्य क व व न द व द सि
 ० नि लि न ॥ ॥ द सि व न ॥ अ का वा त्य वा द सि व रु रु व ति ॥ द वा न ॥ द वा

स्या म ॥ द व स्य ॥ ॥ य अ क व व न द व द स ० नि लि न ॥ ॥ द स्य ॥ अ का
 वा न्य वा द स्य रु व ति ॥ द व स्य ॥ ॥ ड सि ॥ अ का व स्य ड मि प व न त्व रु
 व ति ॥ न अ य ॥ द व स्य ॥ ॥ न ड म ॥ स मा ना द रु व स्य मा नू ग ग मा रु
 व ति ॥ टि त्वा दा दो ॥ उ का व उ चा व न्त्त र्थ ॥ ॥ न मि ॥ न मि प व पूर्व स्य दी र्घा
 रु व ति ॥ दे वा ना ॥ ॥ स क म्य क द व न द व द सि ० नि लि न ॥ अ ० ॥ द
 व ॥ द व स्य ॥ ॥ कि त्वा त्व ॥ स क म्य ॥ क व ग्ग दि त्वा च य म्य दा मा द रु
 व स्य क न चि न् स र्व न क म्य स का व स्य य का वा द (० रु व ति ॥ द व स्य ॥ ० ॥

॥ श्रीमद्भागवत ॥ १२ ॥

रु॥ रुना॥ रुन्वा॥ रुनूना॥ रुनो॥ रुन्वा॥ रुनू॥ ॥ रुना॥ रु
रुनू॥ रुनानव॥ ॥ सविगदस्य रुद॥ स० ध॥ सविगदस्य स
व० ध० रुवनि॥ त्रिवाटिलाय॥ ॥ सखा॥ अ० ध० विनिविगयनदका
माधिविषय॥ रुसख॥ ॥ सखा॥ सविगदस्ये कावाद० गुरुवनि १२
॥ य० स० य० य० ॥ य० निदिष्टस्य द० रुद० रुद० रुद० ॥ ॥ अ० याद
० ॥ सखा० ॥ सखाय॥ दिववनस्या वा सुद० सि॥ सखाया॥ सखाय॥
॥ सखाय॥ सखाय॥ सखीन॥ ॥ सखिय० नीक॥ सखिपनिगदयादी

गमगमा रुवनि॥ द० द० दिय० व० ॥ दीर्घत्वान्नान रुवनि॥ सखा॥ प० ॥ अ०
ग० न० उ० म० नि० ॥ सखिना॥ प० नि० ॥ सखि० ॥ सखि० ॥ स० ॥ सखि
० ॥ सखि० ॥ ॥ स० ॥ सखिपनिगदया॥ अ० ग० म० रुवनि॥ द०
सिद० स० द० का० व० य० ॥ य० ॥ सखा० अ० स० नि० नि० ॥ ॥ अ० द० उ० ॥ अ०
का० का० त० य० न० स० द० सिद० स० द० का० व० स० उ० का० द० ग० रुवनि॥ ॥ स० ध०
० ॥ सखा० ॥ सखि० ॥ सखि० ॥ सखा० ॥ सखा० ॥ सखीना० ॥ ॥ स० स०
क० व० य० न० द० नो० ति० लो० का० व० द० स० सखि० प० लो० वा० नि० नि० ग० म० स० ॥ सखा० ॥ स

रुखी १

विष्णु ॥ ॥ यतिगणदस्य प्रथमा द्विदिनी यथा देवि गणद वत्प्रक्रिया
 ॥ हनीयादो सखिवंदक यः ॥ यतिवत्स मास एव सखिवत् वक्तव्यः
 ॥ गणदस मासाकस्य नादयारुवन्ति ॥ यजा यतिना ॥ यजा पनय ॥ य
 जा पन ॥ यजा पनी ॥ ॥ ॐ ह्यादि ॥ द्विगदानित्यं दिवयनाक ॥ ० ॥ २०
 ॥ दिउल्लिखितं ॥ त्यदा दशमस्यादो ॥ त्यदा दशमकात्रा रुवन्ति ॥
 ॥ स्यादो पन ॥ दो १ ॥ दोर्या ३ ॥ दया ४ ॥ २ ॥ ॥ द्विगदानित्यं वद्वयना
 क ॥ द्विजसुल्लिखितं ॥ ॥ यजाजसा ३ ॥ कात्रकनस्ययादग ॥ १ ॥ यय ४

नर

॥ गीन ॥ त्रिहि ॥ त्रिह्य २ ॥ ॥ उवयद ॥ द्विगदस्य प्रथमाद (गणरुवन्ति ॥
 ॥ कौमिपव ॥ दिदकस्य वक्तव्यः ॥ यया ॥ ॥ त्रिष्णु ॥ ॥ कौमिउरुग्यं रुह्यना
 त्यवथा उस्सगसाल्गुवन्ति ॥ कविगदानित्यं वद्वयनाक ॥ कविगः
 द्वायवथा उस्सगसाल्गुवक्तव्यः ॥ कनि ॥ १ ॥ कनिहि ॥ कनित्य ॥ २ ॥ क
 नीना ॥ कनिष्णु ॥ त्रिवृत्तार्थसम्प ॥ ॥ ॥ ॐ कात्राकनस्ययादग ॥ १ ॥ यय ४
 द ॥ ० ॥ यद्वा न विष्णु वीरवत् ॥ धनानी कात्रा कात्रया विष्णु वीरवत् ॥ स्व
 वपव ॥ सुग्री ४ ॥ सुग्रीयो ॥ सुग्रीय ४ ॥ रुसुग्री ४ ॥ रुसुग्रीयो ॥ रुसुग्रीय ४

॥ श्रीसागरसुनी ॥ २९ ॥

[illegible]

स्यामकस्ववस्यवयकाववकोनोरुवनः स्ववयवः ॥ वर्षरूप्यूनरूप्यनि
विकरुणदसूधीगद्योवर्कयित्वावायुहन्तादियविवन्ता ॥ सनान्या ॥ स
नान्यः ॥ रुसनानी ॥ सनान्य ॥ सनान्यो ॥ सनान्यः ॥ सनान्या ॥ सनानीत्य
॥ सनानीति ॥ ॐ न्यादि ॥ ॥ सनान्यादीनाम्वामानूदकव्यः ॥ सनानीनां
॥ ॥ ग्राह्यनियत्र ॥ ग्रावकान्तीगद्योवर्कवस्यद्वन्तामादः ॥ ग्राह्यवनि ॥ स
नान्या ॥ सनान्या ॥ सनानीषू ॥ ॥ एवंग्रामवाग्रणीपुरुषयः ॥ डका
वाक्ययवत्पुरुषयः ॥ यवत् ॥ यवत् ॥ यवत् ॥ दयवत् ॥ य

不夜天

[illegible]

५३५

हउ विरूपाक्षः॥ विरु॥ विरुत्वा॥ विरुत्वा॥ विरु॥ विरु॥ विरुत्वा॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अकारः॥ अकारः॥ अकारः॥ अकारः॥ अकारः॥ अकारः॥ ॥ अकारः॥ अकारः॥
 ॥ नृणां॥ नृणां॥ नृणां॥ नृणां॥ नृणां॥ नृणां॥ ॥ नृणां॥ नृणां॥
 ॥ सकारः॥ सकारः॥ सकारः॥ सकारः॥ सकारः॥ सकारः॥ ॥ सकारः॥ सकारः॥
 ॥ सि०॥ सि०॥ सि०॥ सि०॥ सि०॥ सि०॥ ॥ सि०॥ सि०॥
 ॥ नो॥ नो॥ नो॥ नो॥ नो॥ नो॥ ॥ नो॥ नो॥
 ॥ नृ॥ नृ॥ नृ॥ नृ॥ नृ॥ नृ॥ ॥ नृ॥ नृ॥

पृ. ५५

यत्तु क्षादकान्तेववा॥ दानायाताप्रगमावत्वेक्षोस्वमादयः॥ ० ॥
 ॥ उकावाकस्यापिकाक्षगद॥ काक्षगदस्य पञ्चस्वधिसूरप्रत्ययाकसे
 वनृपवक्या॥ काक्षा॥ काक्षामो॥ काक्षाम॥ ॥ अक्षिषिनिविणयत्तान् ॥
 ॥ रुकाक्षी॥ काक्षाम॥ काक्षामो॥ गतिरुप्रत्ययाकतालावाक॥ काक्षन॥ रु २३
 नीगातास्वमादो ह प्रत्ययाकतायावक्या॥ काक्ष॥ काक्षनो॥ काक्ष्या॥
 काक्ष्मि॥ काक्ष॥ काक्षव॥ काक्ष्या॥ काक्ष्य॥ काक्ष॥ काक्ष॥ काक्ष्या॥
 ॥ काक्ष्य॥ काक्ष॥ काक्ष॥ काक्ष॥ काक्ष॥ काक्ष्या॥ ॥ रुगाकनयस

गीयाविधिं सनिरु नूतमं गम कन हसादि खारु कैं हा वा नास्ति ॥ काष्ट वि ॥
॥ काष्टो ॥ काष्टा ॥ काष्टा ॥ काष्टा ॥ ॥ सुका वा ना ॥ वेदना ॥ का वा ना ॥
यसिद्रा ॥ ॥ उका वा ना ॥ युक्ति ॥ सुमे ॥ द ॥ ॥ वेदना ॥ वेदना ॥ सुका वा
द ॥ गुरु वनि ॥ सुका वरु का वा दो विरु को यन न ॥ सुमा ॥ स्व वा दो सर्वना
या द ॥ सुमा ॥ सुमाय ॥ सुमाय ॥ सुमाय ॥ सुमाय ॥ सुमाय ॥ सुमाय ॥ सुमा
स्यामि ह्यादि ॥ ॥ उका वा ना ॥ युक्ति ॥ गम ॥ गम ॥ द ॥ ॥ उका ॥ उका वा स्या का
वा द ॥ गुरु वनि ॥ यव सुयव य ॥ गम ॥ गम ॥ गम ॥ ॥ अमु गमि ॥ उका वा

ध्यात्वरुवनि॥ अमिगसिचयव॥ गं॥ गवो॥ गव॥ ॥ द्दुनरमानादु
 नस्यगस॥ गकागस्यनकावादग्ननरुवनि॥ गनूदुदसि॥ गन॥ ०॥
 ॥ गदा॥ गं॥ गस्या॥ गहि॥ गव॥ गस्या॥ गस्य॥ ॥ दस्यस्यकावलोच॥
 ॥ ग॥ गस्या॥ गस्य॥ ग॥ गवा॥ गवां॥ गवि॥ गवा॥ गस्य॥ ॥ २४
 वंशो गद॥ ॥ ओकावाक॥ युक्तिग॥ ग्लो गद॥ नस्यदसादावविगस्य॥
 ॥ स्वनादावादग॥ ग्लो॥ ग्लवो॥ ग्लव॥ द॥ ग्लो॥ ग्लव॥ ग्लवो॥ ग्लव॥
 ॥ ग्लवा॥ ग्लोवा॥ ग्लोहि॥ ग्लोवादि॥ ॥ ग्लोतिस्ववाका॥ युक्तिग॥ ॥

॥ अथ स्ववाक्ता ४ मूलिग ४ ॥ ॥ गुरु अकावाक ४ मूलिग ४ गंग ४ ॥ अथ
४ ॥ आवकास्य वस्य सत्तापारुवनि ॥ गंग ४ ॥ ॥ डी वी ॥ आवकास्य व डी ० ॥
कावमापयन ॥ अ ० ॥ गंग ४ ॥ गंग ४ ॥ ० ॥ धिवि ४ ॥ आवकास्य व धिवि
व रुवनि ॥ द गंग ४ ॥ द गंग ४ ॥ द गंग ४ ॥ अ वादीनां ॥ धो ज स्व ४ ॥ द अ म्व
॥ द अ क ॥ द अ ल ॥ गंग ४ ॥ गंग ४ ॥ गंग ४ ॥ ॥ दी स्व व ॥ आवकास्य व दी सा
४ य व या ४ व ल रुवनि ॥ अ या द ग ४ ॥ गंग या ॥ गंग स्या ॥ गंग नि ४ ॥ ० ॥
॥ दि गां य द ॥ आवकास्य व यां द द सि द स दि ० ॥ य नं य यि दा ग मा रु व ॥

ब्रह्मादीनां क्षोपनकरीरुवति

[illegible]

॥ ऊवा ॥ ऊवसो ॥ ऊव ॥ ऊवसः ॥ ऊवा ॥ ऊव ॥ ऊवसो ॥ ऊव ॥ ऊवसः ॥
 ॥ ऊव ॥ ऊवसो ॥ ऊव ॥ ऊवसः ॥ ऊवा ॥ ऊव ॥ ऊवसः ॥ ऊवा ॥ ऊवसो ॥ ऊव
 या ॥ वृथादि ॥ ॥ वृकामाकः स्त्रीलिङ्गम् वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥
 ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥
 ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥
 ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥
 ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥ वृद्धिः ॥

[illegible]

॥ हस प० सत्ताय ॥ हसाका दीवका चपवस्य सत्ताया रुवनि ॥ नदी ॥ न
 धो ॥ नद्य ॥ ॥ धो कस्व ॥ वीव (वृ) वृत्त्यावधाना ॥ म्रियां (धो) यम कस्व
 रुवनि ॥ कस्व विधान सामर्थ्य न गुन ॥ हनदि ॥ हनद्यो ॥ हनद्य ॥ न
 दी ॥ नद्यो ॥ नदी ॥ नद्या ॥ नदीत्या ॥ नदीहि ॥ ॥ दिनां मद्या ॥ म्रियामी
 दानाका दूकानाका चपवस्यं दिनां विवतानां अठागभा रुवनि ॥ नद्यो
 ॥ नदीत्या ॥ नदीत्य ॥ नद्या ॥ नदीत्या ॥ नदीत्य ॥ नद्या ॥ नद्या ॥ नद्या ॥ नदी
 नां ॥ नद्यां ॥ नद्या ॥ नदीयू ॥ ॥ वृ (गो) वीवा क्कनी कूमावी कि (गो) वी

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ सा न ह्वनी ॥ २५ ॥

三

× वचनाना १

वरुमानादादिर्नामं गमा रुवनि॥ ग्रिथे॥ ग्रियं॥ ग्रीत्यां॥ ग्रीत्यः॥ ग्रियाः॥
 ॥ ग्रियः॥ ग्रीत्यां॥ ग्रीत्यः॥ ग्रियाः॥ ग्रियः॥ ग्रियाः॥ अदीर्गविभक्तौ नूचक्य
 ॥ ग्रियां॥ ग्रीत्तां॥ ग्रियां॥ अङ्गमा रावश्चा मायरावः॥ ग्रियि॥ ग्रियाः॥
 ॥ ग्रीष्म॥ ॥ एर्वैदो धी यरुनया एनी वन्ताः॥ एर्वैरुणदो युगद्धयवधू
 ईवा दो ना न दी गद् वत प्रक्रिया॥ वधू॥ वध्वो॥ वध्वः॥ इवधू॥ इत्याः
 दि॥ अकारानामा रूग्ण दस्तस्य पिरुग्ण द वत प्रक्रिया॥ ॥ माना॥ मान
 वो॥ मानवः॥ इमानः॥ मानवे॥ मानवो॥ मारुः॥ गसी नि दी चर्त्त॥ स्वस्

गदमुकर्णदवत् ॥ श्रीलिंगत्वान्नत्वारुवावि (गम ॥) वेगदस्यसुवेगदवत्
 यक्रिया ॥ (गमगदमुयुर्ववत् ॥ नो गद्या (ले) गदवत् ॥ ॥ * ॥ ॥ वेतिस्वना
 नाः ॥ श्रीलिंग ॥ ॥ * ॥ ॥ अथस्ववाग्नाः नयूसकलिंग ॥ यदश्रुत् ॥
 ॥ ॥ गुरुकावाकः ॥ कूलगद ॥ गस्ययथमादितीयेकवदवत् ॥ ॥ अगा ॥ २८
 मा ॥ अकावाकान्नयूसकलिंगत्यवथा ॥ स्यमावमरुवत्यधोयव ॥ ॥ अम
 गेसावस्यत्यकावलाय ॥ अमाग्रहर्गलूक्यावत्यथ ॥ कूल ॥ ॥ वेतिमी ॥
 नयूसकलिंगत्यवउ ॥ वेति कावमाययत् ॥ कूल ॥ ॥ जगत्सा ॥ गि ॥ नयूस

सकलिंगत्यवथा ॥ जगत्सा ॥ गिर्कवति ॥ गकाव ॥ सर्वदगार्थ ॥ गुरुनि-
 सर्वस्यवकथ ॥ ॥ नमयम ॥ नयूसकस्यनूमागमारुवति (जेयव ॥
 ॥ यमयत्यादावाकस्यनरुवति ॥ मिदंत्यास्ववात्यवावकथ ॥ उकाव
 उच्चावन्नर्थ ॥ ॥ नायकाया ॥ नाकस्ययथायादीर्घवति ॥ ॥ वेतिव
 किंनयययसूनामिव ॥ कूलानि ॥ यूनवपि ॥ कूल ॥ कूल ॥ कूलानि ॥ कः
 लन ॥ ॥ गमदववत् ॥ ॥ ॥ पूर्वमूलहलपरुयुष्यकुरुकुरुम्वदय ॥
 ॥ गवेत्याद ॥ ॥ अन्त्यादेर्गलत्यवथा ॥ स्यमा ॥ गुरुवति ॥ सकाव ॥ सर्वद

अर्थः॥ अन्यत्॥ अन्य॥ अन्यानि॥ २॥ ह्यन्यत्॥ गर्भं यद्वत्॥ १॥
 ॥ अन्यत्तवत्॥ ॥ तवत्॥ कतवत्॥ कतमत॥ ॥ ॥ कावत्॥ शक्ति
 गदः॥ नयूँसकात्स्येमात्तुके॥ नयूँसकलिङ्गत्वनयाः॥ स्यमात्तुके
 वति॥ अस्ति॥ ॥ नयूँसकवृत्ते॥ धोवागु॥ वकवत्॥ ह्यस्ति॥ ह्यस्ति २॥
 ति॥ ॥ उक्ते॥ ह्यस्ति॥ नयूँसकवृत्ते॥ नयूँसकवृत्ते॥ नयूँसकवृत्ते॥
 थयदन्ते॥ माधदिनिर्वृत्तिगुणं॥ विगन्तं नयूँसकवृत्ते॥ यदाम्बु
 षः॥ ॥ नामिनः॥ स्वयं॥ नाम्यत्तस्य नयूँसकस्य नूमागमावति॥

१२

॥ स्वयं यव॥ नोम्यं नस्यं नयूँसकस्य॥ ०॥ ॥ मो॥ नयूँसकलिङ्गत्वनयाः॥
 कावत्तमापद्यते॥ अस्ति॥ अस्ति॥ २॥ ॥ अत्रास्ति॥ गसादो॥ अस्ति॥
 नां नूमागमावति॥ ॥ कावत्तस्य वाकावत्तवति॥ गसादो स्वयं यव॥ ०॥
 ॥ अस्ति॥ यः स्वयं यवकावत्तसादो॥ नाकस्य यथायातो यं अकावत्तसाया
 रुवति॥ गसादो स्वयं यव॥ गद्वि नवीयिनी कावत्त॥ मकावत्तकावत्तः
 स्यागद्वत्तस्य नरुवति॥ अस्ति॥ अस्ति॥ अस्ति॥ ४॥ अस्ति॥ अस्ति
 त्यां॥ अस्ति॥ ४॥ अस्ति॥ अस्ति॥ अस्ति॥ अस्ति॥ अस्ति॥

॥ (गम दूहं) ॥ (गम दूहो) ॥ (गम दूहः) ॥ (गम दूहः) ॥ रु कामादी दा द द द न नि य त्व क न
 आदि उ व स्य द का व स्य स रु व का व क न ॥ म रु उ वा ॥ (गम धू र्या) ॥ (गम धू रि
 ॥ ॐ ह्यादि ॥ (गम धू य सू ॐ गि स्ति न ॥ र व स व पा म सा ना मि ति कृ त्व ॥ किला
 त्थ ४ म ॐ नि य त्व ॥ क थ स र्या (गम दू ४) ॥ (गम धू रू ॥ ॥ म धू लि द ग द स्य रु
 द ४ ॥ ० ॥ द ४ ॥ अ ना द का व स्य द त्व रु व गि ॥ म स य व ना म्म य व स य द न
 च ॥ वा व सा न ॐ नि ट का व स्य उ का व ट का वो ॥ म धू लि ट ॥ म धू लि उ ॥ म धू लि
 हो ॥ म धू लि रु ॥ रु म धू लि ट ॥ रु म धू लि उ ॥ म धू लि रु मि र्या दि ॥ ॥ र व स व

३२

या ॥ अ सा ना मि नि ट का व ४ ॥ म धू लि सू ॥ ॥ दू हा दी ना च त्व द त्व वा ॥ दू हा
 दी ना धा रु ना ट त्व य त्व वा रु व ग ४ ॥ धा ना म स य व ना म्म य व स य द न च
 ॥ मि रु धू क ॥ मि रु धू गु ॥ मि रु धू रू ॥ मि रु धू उ ॥ मि रु दू हो ॥ मि रु दू रु ४ ॥ ॥
 ॥ मि रु दू हं ॥ मि रु दू हो ॥ मि रु दू रु ४ ॥ मि रु दू रु ४ ॥ मि रु धू र्या ॥ मि रु धू रि ४
 ॥ ॐ ह्यादि ॥ उ व ग त्व मू हा द य ४ ॥ ॥ व हा क य रु व ग दानि र्ण व दू व च ना
 न ४ ॥ ॥ च रु व शू म (मे च ॥ च रु व ग द स्या मा ग मा रु व गि ॥ य व सू य व
 यू (मे च ॥ व त्वा व ४ ॥ च रु व ४ ॥ च रु हि ४ ॥ च रु र्हि ४ ॥ २ ॥ ॥ व ४ स र्या या ४

॥ बहाम् सारं स्यात् ४ यवस्यामानुशगमारुवति ॥ तर्त्तदित्वं च ॥ च रुद्रा ॥ व रु
 धू ॥ प्रियश्च त्वावायस्ययस्यावोसो प्रियश्च त्वा ४ ॥ प्रियश्च त्वावो ॥ प्रियश्च त्वा
 व ४ ॥ वृत्त्यादि ॥ ॥ न जानानां बोद्धुं न शक्यं ॥ ॥ नायथाया वृत्तिर्दीर्घा ॥
 ॥ नामानां लायः ॥ नामानां कामस्यानागमयस्य लायः रुवति वसय
 दानं या ॥ वा ॥ वाजानो ॥ वाजान ॥ अथ विनिविणं सत्तद्वद्वान ॥ वा
 जान ॥ वाजानो ॥ अत्रापि ४ स्वयं युकादित्य कावलाय ४ ॥ स्त्रीयुक्तिः ४
 विनिन कामस्य युकाव ४ ॥ उ ॥ उ ॥ उ कामश्च काम स्यात् ॥ ग हारु वति ॥

३३

॥ वा ४ ॥ वा ४ ॥ लायः ॥ अत्र न सन्निविनिनियमादहीत्या त्वं न रुवति ॥
 ॥ वाजस्यां ॥ वाजहि ४ ॥ वृत्त्यादि ॥ ॥ वृत्त्या ४ ॥ वाहि ॥ वाजनि ॥ वा ४ ॥ वा ४
 सु ॥ एव यद्वनसूधर्मनस्य स्मन्प्ररुगय ४ ॥ अथ युकादिनिविणं स
 त्त्वात्तथा नास्ति ॥ यद्वन ४ ॥ यद्वना ॥ वृत्त्यादि ॥ ॥ ग्वनयूवन्मघवन्
 गदानां यत्र सूवाजन्गदवन्प्रक्रिया ॥ गसादो वृत्तिविणं स ४ ॥ ॥ ग्वद ४
 ॥ ग्वदर्वकावउत्तयावोनि ॥ गसादो स्वयं यत्र ॥ वृत्तिविणं कावय ॥ गुन ४ ॥
 ॥ गुना ॥ ग्वस्यां ॥ ग्वहि ४ ॥ यवन्गद्वरुवकावस्यास्वकनसवत्तदीर्घा ॥ य

न॥ न्यूना ॥ यवस्था ॥ यवस्थि ॥ यवस्थादि ॥ मद्यवनगदगुवकावस्थाव
कनउउ ॥ मद्यान ॥ मद्याना ॥ यथिनगदस्थरुदे ॥ ॥ यवस्था ॥ यवस्थि
॥ यवस्थ्यादिषूपवस्थयथादीनामिकावस्थाकावाद ॥ यवस्थि ॥ ॥
॥ यवस्थि ॥ यवस्थ्यादीनां यवस्थिरुवति ॥ सोपव ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥
॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ ॥ यवस्थि ॥ यवस्थ्यादीनां यवस्थिरुव
ति ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥
यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥ यवस्थि ॥

दस्य रु दः॥ ॥ नं गो सो ॥ न हन वृष न अर्य मन वृथ न मां गो सो
वा (भो य न ड प धा या दी ध र व नि ॥ दे वु ॥ द वि ने ॥ द वि ने ॥ ह द वि ने ॥
॥ द वि ने ॥ द वि ने ॥ द वि ने ॥ द वि ने ॥ द वि त्या मि त्या दि ॥ ॥ ए वं व द्म ह
॥ व द्म ह (लो ॥ व द्म ह ग ॥ ह व द्म न ॥ व द्म ह ग ॥ व द्म ह (लो ॥ ग सा दी त्व
त्सा य ४ स्व व वृ थ का व लो य ४ ॥ ॥ रु ना च ॥ रु क ङ्गा रु का व स्य घ त्व रु
व नि ॥ न का व क्रि नि व य व ॥ य सं या (ग न त्व नि ठ धा थ ४ ॥ व द्म च ४ ॥ व
द्म च ॥ व द्म ह र्या ॥ व द्म ह रि ४ ॥ ए वं ॥ अ र्य म ४ ॥ अ र्य म्ना ॥ अ र्य म न्या

मित्रादि॥ यृष्ण॥ यृष्ण॥ यृष्यामित्रादि॥ सखागदा॥ यश्चनप्रहृत्या
वद्रवयनामित्रिषुसूया॥ यश्चनडसूतिष्ठिक॥ ॥ जगन्मार्गक
॥ यकावनकाबान्कसखाया॥ यवयाऊगन्मार्गकवनि॥ ॥ लूकिने
गन्निमिहं॥ यश्च॥ २॥ यश्चि॥ यश्चि॥ २॥ ॥ य॥ ॥ यकावनका
बान्कसखाया॥ यवस्यामानूगमार्गकवनि॥ नायधायान्निदीय॥ २५
॥ नाम्नानालायशा॥ यश्चाना॥ यश्चसू॥ यवसफननवनदगनप्र
हृत्या॥ ॥ यृष्णगदा॥ यृष्णगदात्यवयाऊगन्मार्गकवनि॥

[illegible]

मान् ॥ ॥ अन्तोसा ॥ ॥ दमा ॥ नाद ॥ भरु वनि दोसा ॥ पयथा ॥ ॥ अन्
 न ॥ ॥ ॥ ॥ दम ॥ सका वरु का वय य व अका वा रु वनि कस्तस्य
 ॥ अहीत्यात्वं ॥ अस्यां ॥ ॥ किं किं ॥ ॥ दमद सारि किं सवरु व
 ति ॥ नरु का न स्या का व ॥ ० ॥ एहि वदुत्वं ॥ एहि ॥ अस्मि ॥ अस्यां ॥ एय ३५
 ॥ ॥ अस्मान् ॥ अस्यां ॥ एय ॥ अस्य ॥ अनथा ॥ एषां ॥ अस्मिन् ॥ अनथा ॥
 ॥ एषू ॥ ॥ किं स गदस्य त्यदा दष्ट व स्या दा विनि स द्वा श का व क न स द्वा
 गद व द्यु प न यं ॥ क ॥ को ॥ क ॥ क ॥ को ॥ कान् ॥ कन ॥ का र्यां ॥ के ॥ ॥

त्यादि ॥ धका वा न कस्त वृध ग द ॥ न स्य व स प दा न व ॥ आदि उ वा ना मि नि
 रु का व ॥ वा व सा न ॥ न त्व रु न ॥ न त्व रु द ॥ न त्व वृ धो ॥ न त्व वृ ध ॥ रु न त्व
 रु न ॥ रु न त्व रु द ॥ न त्व वृ धो ॥ न त्व वृ धो ॥ न त्व वृ ध ॥ न त्व वृ ध ॥ न त्व
 रु न्या मि त्या दि ॥ ॥ उ का वा न क ॥ स म्मा उ ग द ॥ रु ग व वा ज द ॥ य ॥ रु
 का वा न क स्य ग का वा न क स्य व का वा न क स्य व वा ज उं य उ स उ उ या ज द य य
 का वा रु व नि ॥ ध ना र्म स य व ना न्न य व स प दा न व ॥ य स्य य त्वं उ त्व नि य
 ध र्थ ॥ ॥ अउ ॥ य का व स्य उ त्वं रु व नि ॥ ध ना र्म स य व ना न्न य व स

यदाकव ॥ वावसान ॥ संमाद् ॥ संमाङ् ॥ संमाङी ॥ संमाङ् ॥ द संमाद् ॥
 ॥ द संमाङ् ॥ ॐ स्यादि ॥ एव विना जादय ॥ ॥ द कामाकस्य द न दय द
 एगद ग द ॥ न मां त्व दा द द विनि सर्व ग का व क न सर्व सर्वे ग द व दूषे
 न्नये ॥ ॥ स्त ॥ स्य दा द स्त का व स्य सत्वं रु व नि सो य न ॥ स्य ॥ स्यो ॥ स्य ॥
 ॥ स्य ॥ स्यो ॥ स्यान् ॥ स्य न स्या स्या ॥ स्ये भा स्य स्मे ॥ स्या स्या ॥ ॐ स्यादि ॥ स ॥ गो ॥
 न ॥ ॥ य ॥ यो ॥ य ॥ एष ॥ एनो ॥ एन ॥ ॥ ॐ द मन दा न्वा द (ग द्वि गो या द
 स्वेना वा व क य ॥ उ क स्य पुन वू कि व न्वा द ग ॥ ॥ एन ॥ एन ॥ एनो ॥ एनो ॥

७२

॥ एगान् ॥ एनान् ॥ एगत ॥ एनेन ॥ एगथा ॥ एनथा ॥ ल्यादि ॥ चकावाक ४
 गत्व पाश्चाद् ॥ मत्तं गत्वं च ॥ वावसान ॥ गत्व पाद् ॥ गत्व पाञ्च ॥ गत्व पाक्
 ॥ गत्व पाक्ष ॥ दृग् गत्व पाद् ॥ दृग् गत्व पाङ्ग ॥ ॥ ल्यादि ॥ थकावाकाऽग्निमथ
 गाद् ॥ वावसानल्लिङ्गिकावर्गाको ॥ अग्निमद् ॥ अग्निमन् ॥ अग्निमथे
 ॥ अग्निमथ ॥ ॥ ल्यादि ॥ चकावाक ४ यत्यच्चाद् ॥ ॥ अर्थे ४ ययिसूनूः
 स्वकथ्य ॥ यत्यन्वसिल्लिङ्गिक ॥ ॥ स्त्रुति ४ श्रुविनिबूलनश्चकाव ४
 ॥ संयोगमन्त्रस्यताप ॥ ॥ वा ४ कु ॥ चवर्गस्य कवर्गदेऽभिरुवनि ॥ धाता ४

34

॥ गकारात्तामवृत्तगद्यः ॥ मवृत् ॥ मवृद् ॥ मवृत्तो ॥ मवृत्तः ॥ ॐ स्वादि ॥ न
वमन्तिचित्प्रहृतयः ॥ तकारान्तउकारान्तवृत्तः ॥ मवृत्तः ॥ ॐ स्वादि ॥ न
नृत् ॥ उकारान्तवृत्तस्यप्रकारान्तवृत्तस्यचतुर्मागभारुवन्ति ॥ यंसि यं
सूपयय ॥ ॥ मवृत्तः ॥ धोदीर्घः ॥ गेव ॥ मवृत्तस्यप्रहृतस्यमवृत्तः
वृत्तस्यचदीर्घारुवन्ति ॥ यंयंसुधिवर्कितंयु ॥ गेवयय ॥ मवृत्तः ॥ मवृत्तो ॥
॥ मवृत्तः ॥ रुतवृत्तः ॥ मवृत्तः ॥ मवृत्तो ॥ मवृत्तः ॥ मवृत्तः ॥ ॐ स्वादि ॥ ०
॥ उकारान्तवृत्तः ॥ मवृत्तः ॥ मवृत्तः ॥ मवृत्तो ॥ मवृत्तः ॥ मवृत्तः ॥ ॐ स्वादि ॥ ०

यथायादीर्घा रुवति॥ ^{१२} ध्रुवजिने सो यव॥ रुवान्॥ रुवन्तो॥ रुवन्तः॥ रु
 रुवन॥ रुवन्त॥ रुवन्तो॥ रुवन्तः॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ यकावान् रुवन्तः॥
 रुगदेस्यन्मागसन् वन्दीधिरुवति॥ रुवन॥ रुवन्तो॥ रुवन्तः॥
 ॥ यव॥ यवन॥ यवन्तो॥ यवन्तः॥ रु यवन॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ गजावान्
 विगुगदः॥ यव॥ रुवन्ता॥ ॥ वावसान॥ विट्॥ विठ्॥ विष्णो॥ विगः॥
 ॥ रुविट्॥ रुविठ्॥ ॐ ह्यादि॥ ० ॥ यकावान् यवन्तः॥ यवन्तः॥
 नः॥ स्वि॥ सूखन्तः॥ ॥ रुगदः॥ यव॥ वावसान॥ यव॥ यव॥

३९

॥ यवः॥ यवः॥ २ ॥ ॥ यवः॥ ॐ निनूट्॥ यवनामि ॐ निस्त्रि॥ ॥ यवः॥
 ॥ रुकावस्यन्तर्त्त रुवति॥ नामि यव॥ यवन्तः॥ यवन्तः॥ कवित्य दान् कव
 यनीया॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥
 नरु रुवति यव सपदान् कव॥ दा॥ दा यो॥ दा यवः॥ रुदा॥ दा यो॥ दा यो॥
 ॥ गसादीनाम् गवावकथा॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा यवः॥ दा
 य॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ सह यवनिधान सपदान् कव दीधिविकथः॥ सह॥ स
 ह यो॥ सह यवः॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ सकावान् रुगदः॥ ॥ यवः॥ रुदा॥ यवः॥

संगदस्य पञ्चसूदाद (ग) रुवति ॥ दकावा र्थाद गार्थ ॥ उकावान्
 विधानार्थ ॥ यं स्त्रामित्यु स्या गन्तव्यलाप ॥ यं मंगलं निष्ठि
 न ॥ ॥ विमानुस ॥ समदना (धो दीर्घ ॥) (मेव ॥) स्या गन्तव्यलाप ॥
 ॥ यमान् ॥ यमांसो ॥ यमांस ॥ ह यमान् ॥ यमांस ॥ यमांसो ॥ यमांस
 ॥ यमांस ॥ यमांसित्यादि ॥ ॥ अस्तु वयं यमांस ॥ अस्तु वयं निव
 दाने कवयस्यात्मना वदन्तामस्तु वयं यमांस संगदस्य कगगमा रुवति
 ॥ सुपियवे ॥ ॥ दकावा र्था ॥ स्या गन्तव्यलाप ॥ सुपियवे ॥

40

॥ धागासयवेनामन्यनसयदान्वा ॥ अकाव उच्यते ॥ अर्थ ॥ अर्त्त ॥ कषसंथा
 गद ॥ यं ॥ ॥ एव विद्वान् ॥ विद्वसो ॥ विद्वसि ॥ विद्वसि ॥ विद्वसि ॥
 ॥ ॥ वसाव उ ॥ वसा ॥ समन्वीवकाव उच्यते ॥ अर्त्त ॥ गसा दोस्व नयन ॥
 ॥ गद्विगन्तीपिन्नीकाव ॥ विद्व ॥ विद्व ॥ वसाविस ॥ विद्व ॥ विद्वि
 ॥ विद्व ॥ ॥ ॥ ॥ एव गच्छि वसुपुरुष ॥ गसा दोस्व नयन वकावस्य
 उच्यते ॥ वकाव निमित्त कस्य ॥ ॥ यगमनस्क ॥ गस्क ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सुववसंगदगु अत्वसा ॥ साविनि दीर्घ ॥ सुवया ॥ सुववसो ॥ सुवव

स॥ रुसूवव॥ सूववसं॥ सूववसो॥ सूववस॥ सूववसा॥ सार्विस
ग्रे॥ रुव॥ सूववाम्यां॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ एवंचदुससुगद॥ ॥ उगनस
गदसो रुद॥ उगनसो॥ उगनसुनूदंगसुनूतदसुनू ह्यन्यास
वथुं रुवनि॥ उित्वादिनाय॥ उगना॥ उगनसो॥ उगनस॥ ॥ उग
नसो॥ ओताकतादकतातावावकाद्या॥ रुउगन॥ रुउगनन॥ रुउग
न॥ रुउगनसो॥ रुउगनस॥ ॥ अदसुगदस्य रुद॥ ह्यदादद्विनि
सर्वगाकाव॥ अदसिन्निस्त्रि॥ ०॥ सोस॥ अदसादकावस्य सोयवः

सर्वं रुवति॥ ॥सो॥ अदस॥ सो का वा द (ग) रु वति॥ असी॥ दि व व न अ
दो नि छि न॥ ॥ द स्य म॥ ॥ मा दू॥ उ य उ य उ॥ अद सो म का वा ल्य न
स्य उ स्व स्य उ स्व उ का वा रु वति॥ दी प्य स्य व दी प्य रु वति॥ अमू॥ ॥ व दू व
व त स र्वा दि त्वा ऊ सी॥ अ॥ ॥ अम॥ नि छि न॥ ॥ ए री व दू त्वा॥ व दू व व
न स न्य द स ए का व स्य॥ का वा द (ग) रु वति॥ असी॥ अमू॥ अमू॥ अमू॥
न॥ स त्व उ त्व व क र्ण॥ ॥ अ॥ मू न द्रा त्य व द्वा ना रु वति॥ अमि र्या॥ ॥ ७॥
॥ ठा ना म्मि र्या॥ अमू ना॥ दि व व न अ ह्री त्या त्वं॥ य य अ न्मा दू का व॥ अमू॥

[illegible][illegible]

गुणदया मिहयनसुखं ह्यगावा दलो रुवन् ॥ अकावयमकावयन् ॥
 ॥ गगनरुवा विद्यान्तरुदनि ॥ ॥ गिमु ॥ २ ॥ गिसुहि ॥ गिसुह्य ॥ २ ॥ चनसे ॥
 ॥ २ ॥ चनसुहि ॥ चनसुह्य ॥ २ ॥ ॥ नगिसुचनसुगदयान्तिमिदीय ॥
 ॥ कुन्दसिरुवा ॥ गिसुत्त ॥ गिसुत्त ॥ चनसुत्त ॥ चनसुत्त ॥ गिसुत्त ॥
 ॥ चनसुत्त ॥ ॥ चनकागिगुणद ॥ ॥ चनविहस ॥ चनवि. कावाका
 चया दीयोरुवनि ॥ चनवकावयाहसयवया ॥ गी ॥ गिबो ॥ गिज ॥
 ॥ हगी ॥ ह्यादि ॥ ॥ चनयूनधूनादय ॥ चनकानक ॥ समिधुगद ॥

॥ नत्वं दत्वं च ॥ समिन् ॥ समिद् ॥ समिधो ॥ समिधः ॥ दसमिदि ह्यादि ॥ ७ ॥
 ॥ रुकावा नः क कुरु ग दः ॥ क कूप् ॥ क कूव ॥ क कूरी ॥ क कूरु ॥ द क कू
 य ॥ द क कूव ॥ ॐ ह्यादि ॥ ॥ दकावा नः क कूरु दयः ॥ न या ह्य दा द द व ह्या
 दा वि नि सर्वेण का वः ॥ रुन् नि सर्वं ॥ अत्वं च ॥ आव न क्रिया ॥ अकावा ना
 नाम्नः ॥ क्रिया म्व रुमाना दय्य ह्यथ रु व नि ॥ य का वः ॥ सिला यार्थः ॥ स क व
 दीर्घः ॥ सद नि दीर्घत्वं क न मु लि णं सर्वेण द व दूय न्त्यो ॥ ह्या ॥ ह्य ॥ ह्यः ॥
 ॥ सा ॥ न ॥ ना ॥ नां ॥ न ॥ ना ॥ नया ॥ नाया ॥ नाहिः ॥ न ह्यो ॥ ना ह्यो ॥ ना ह्यः ॥ ॐ ह्या

दि॥नर्व॥या॥या॥या॥या॥न॥न॥न॥न॥नर्वकि॥सगद॥का॥क॥का॥
 ॥ॐ॥य॥यि॥या॥ॐ॥द॥स॥ग॥द॥स्य॥मि॥थामि॥र्य॥रु॥व॥मि॥सि॥स॥दि॥न॥स्य॥ॐ॥य॥
 ॥ॐ॥म॥ॐ॥मा॥॥अ॥न॥दो॥सा॥अ॥न॥या॥आ॥र्या॥आ॥रि॥व॥का॥वा॥क॥स्व॥
 य॥ग॥द॥॥या॥॥क॥वि॥नि॥क॥र्त्त॥॥त्व॥का॥त्व॥ग॥॥ॐ॥त्या॥दि॥॥॥न॥व॥च॥व॥वा॥व॥य॥
 रु॥न॥य॥॥॥अ॥य॥ग॥दा॥नि॥र्य॥व॥द्व॥व॥न॥क॥॥स्त्री॥लि॥ग॥॥अ॥य॥उ॥स॥ॐ॥मि॥
 ति॥न॥॥न॥म॥म॥द॥न॥ॐ॥मि॥दी॥र्य॥॥आ॥य॥॥प॥व॥स्वि॥नि॥वि॥(ग॥म॥न॥ग॥॥अ॥य॥॥
 ॥हि॥द॥या॥॥अ॥या॥दी॥ना॥रु॥का॥व॥य॥व॥द॥र्त्त॥रु॥व॥मि॥॥अ॥रि॥॥अ॥र्य॥॥अ॥या॥॥

४४

॥अ॥य॥॥॥ग॥का॥वा॥का॥वि॥ग॥ग॥द॥॥दि॥न॥म॥क॥॥दि॥न॥द॥न॥स्य॥ग॥म॥ग॥ॐ॥
 त्या॥दी॥ना॥व॥स॥प॥दा॥क॥य॥क॥र्त्त॥रु॥व॥मि॥॥दि॥के॥॥दि॥ग॥॥दि॥(ने॥॥दि॥ग॥॥रु॥दि॥
 का॥॥द॥दि॥ग॥॥दि॥ग॥॥दि॥(ने॥॥दि॥ग॥॥दि॥ग॥॥दि॥ग्या॥॥दि॥रि॥॥॥अ॥का॥वा॥
 के॥स्वि॥म॥ग॥द॥॥अ॥उ॥ॐ॥मि॥उ॥र्त्त॥॥वा॥व॥सा॥न॥ॐ॥मि॥रु॥का॥व॥उ॥का॥मो॥॥त्वि॥रु॥॥
 ॥त्वि॥उ॥॥त्वि॥ओ॥॥त्वि॥य॥॥रु॥त्वि॥रु॥॥त्वि॥र्य॥॥त्वि॥ओ॥॥त्वि॥य॥॥त्वि॥या॥॥त्वि॥श्या॥मि॥
 त्या॥दि॥॥॥अ॥गि॥य॥ग॥द॥स्य॥स॥रु॥य॥ग॥द॥व॥न॥य॥कि॥या॥॥अ॥गी॥॥अ॥गि॥यो॥
 ॥अ॥गि॥य॥॥ॐ॥त्या॥दि॥॥॥स्त्री॥लि॥ग॥स्या॥द॥न॥ग॥द॥स्य॥सो॥न॥वि॥(ग॥म॥॥दि॥व॥

蘇子瞻詩

चनादो नैव त्वं कुरु ॥ आवत ४ म्रियामित्या यदी च त्वं विरुक्कि कार्यं च ॥
॥ यश्चानुमादू न्निदी दीर्घं च ॥ असे ॥ अमू ॥ अमू ४ ॥ अमूं ॥ अमूं ॥ अमूं
४ ॥ अमूया ॥ अमूयां ॥ अमूलि ४ ॥ अमूथे ॥ अमूयां ॥ अमूथ्य ४ ॥ अमू
थ्या ४ ॥ अमूयां ॥ अमूथ्य ४ ॥ अमूथ्या ४ ॥ अमूथ्या ४ ॥ अमूथ्यां ॥ अमूथ्यां ॥ अमू
थ्या ४ ॥ अमूथ्य ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ निरुसाकाश्चुलिं ग ४ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
॥ अथ रुसाका नैव सिकलिं ग ४ ॥ अथ रुसाका नैव सिकलिं ग ४ ॥
॥ नयसिकास्य मालं क ॥ वा ४ ॥ वावी ॥ वावि ॥ २ ॥ अयमन्ति विनिधय ॥

नम्ररुवति॥वावा॥वार्यामित्यादि॥॥चरुवगदरुचरुनाम्(गो)वः
 त्यास॥चत्वावि॥चत्वेरुवि॥चत्वरि॥नित्यादि॥॥नकावाका॥हनगद
 ४॥॥अ॥४॥४॥अ॥हनगदस्यनकावस्यसकावाद(ग)रुवति॥वस
 यदान्कया॥साविंसग४॥स्यमावूक्॥अ॥४॥४॥मी॥वदो४॥अ॥४॥अ॥
 हनी॥अ॥हानि॥२॥अ॥४॥अ॥हात्या॥अ॥हारि४॥अ॥४॥अ॥हात्यामिः
 त्यादि॥॥नकावाका॥वक्त्रनगद४॥वक्त्र॥वक्त्रनी॥वक्त्रानि॥२॥उय
 वर्मन्वर्मन्कर्मन्प्ररुनय४॥नाकाददका॥दसिदि॥(ग)वोवैः

लायः॥ यवमद्यामन् यवमद्यामानि॥ सर्वानिरुक्तानि॥ सर्वरुक्ताः
नि॥ स्य दानेदीनास्य माल्किङ्कन टबर्त्तन रुदणि॥ स्यन॥ स्य॥ स्या
नि॥ नन॥ न॥ नानि॥ यननय॥ यानि॥ एतन॥ एन॥ एनानि॥ किं॥ क॥ का
नि॥ गेर्ष्यैर्वृत्त॥ ॥ अनेदीर्घश्च॥ प्रत्येक॥ पनीवी॥ प्रत्यवि॥ ॐ स्वा ५३
दि॥ ॥ नकावाको जगन्नगदश॥ जगन्॥ जगनी॥ जगनि॥ २॥ जगता॥
॥ जगझासिखादि॥ महन॥ महनी॥ महद्दहनुम्समहन॥ धो दीर्घः
गेयनि॥ दीर्घत्व॥ निविषय॥ महानि॥ २॥ ॐ स्वादि॥ एवं सकावा

कालकजमययसव च स पुरुषयः॥ ययः॥ ययसी॥ ययसि॥ २॥ यय
 सा॥ ॐ त्र्योदि॥ अदसः॥ स्यामात्कि कृगं स॥ द्विसर्गः॥ अदः॥ द्विवया
 दोः॥ मत्वं कृगं मत्वं॥ अम॥ अमूनि॥ (गर्भयूवगं॥ ७॥ ॐ॥ ७॥
 ॥ ॐ निरुत्तान्ना न पूरुत्तान्ना॥ ७॥ ॐ॥ ७॥ अथ ययमदस्मदास्य
 नृयं नि नृयं॥ ॥ गथाश्रवायलिङ्गत्वादिष्वपिलिङ्गयसमानं नृ
 यं॥ ॥ त्वमहंसिना॥ ययमदस्मदासि सदिगयाः॥ त्वं अहं॥ ॐ त्र्योदि
 दः॥ अहं॥ ययमदस्मदासि सदिगयाः॥ त्वं अहं॥ ॥ ययमदस्मदासि सदिगयाः॥ त्वं अहं॥

दस्मदाद्विवचनयययवश्रावन्त्यनावादलोहवग॥ श्रीमो॥ यु
ष्मदस्मदा॥ यवउओआमरुवनि॥ युवां॥ आवां॥ ॥ यूर्यवयंउ
सा॥ उसासहिनयायूष्मदस्मदायूर्यवयं॥ रयगावादलोहव
ग॥ यूर्य॥ वयं॥ ॥ त्वन्मदकत्वं॥ यूष्मदस्मदास्त्वन्मन्॥ रय
गावादलोहवग॥ एकत्वेगम्यमान॥ ॥ आम्हा॥ यूष्मदस्मदा
स्त्वन्मन्॥ रुवनि॥ अमिसकावहिसिवयव॥ त्वां॥ मां॥ युवाम्॥ आ
वाम्॥ स्यदादद्ववत्वंकनगसनिदीर्घत्वं॥ गसानावकव्य॥ ॥ यु

प्मान्। अस्मान्॥ ॥ त्वन्मदाद (गकगंरवकाय४॥ ॥ प्रगोद्या४॥ यूष्म
 दस्मदा४॥ रुवन्त्वरुवनि॥ दादि०॥ ल्यनया४॥ यनया४॥ ०॥ अयादग
 ४॥ त्वया॥ मया॥ यूवास्या॥ आवास्या॥ यूष्महि॥ अस्माहि॥ ७॥
 ॥ रुत्यं मर्कं रुया॥ रुसदिनयार्थ्य दस्मदा मुख्यं मर्कं ल्यग
 वाद (गो) रुवग४॥ रुत्यं॥ मर्कं॥ यूवास्या॥ आवास्या॥ ॥ ल्यसं ग्ने
 म॥ यूष्मदस्मदा४॥ यवा ल्यगसत्यसरुवनि॥ गकावा रुकावादि ल्वः
 व्याद ल्यर्थ४॥ ननात्वेत्वनरुवग४॥ यूष्मत्य॥ अस्मत्य॥ ॥ रुसि ल्य

सा ४ गुरु ४ ॥ यूष्मदस्मदा ४ यं च म्यादसित्य सा ४ गुरु रुवति ॥ गकाव ४ सर्वोद
 गार्थ ४ ॥ उकाव उच्चाव नार्थ ४ ॥ त्वत् ॥ मत् ॥ यूवात्या ० ॥ आवात्या ० ॥ यूष्मत्
 ॥ अस्मत् ॥ ॥ तपममदसा ॥ दसासदि नया यूष्मदस्मदास्तव समन्त्य
 तावाद (गोरुवत् ४) तव ॥ मम ॥ यूवया ४ ॥ आवया ४ ॥ ॥ सर्वोदित्वास्तव
 ॥ ॥ सामाक ॥ यूष्मदस्मदा ४ यव ४ साम् आकं रुवति ॥ यूष्माकं ॥ अस्मा
 कं ॥ त्वयि ॥ मयि ॥ यूवया ४ ॥ आवया ४ ॥ यूष्मास् ॥ अस्मास् ॥ ॥ ० ॥
 ॥ अथ नया ताद गवि (गष विधि ४) ॥ यूष्मदस्मदा ४ षष्ठी चतुर्थी चि

५६

नीयारिस्तु भवन्ति वस्तु नमो ॥ यूष्मदस्मदायै अस्तु नामी आद गुरु वक्ति
 ॥ काद गयो ४ षष्ठी चतुर्थी चि तायासदि गयो ४ ॥ गुरु कवचनन सदृशं मरु
 वग ४ ॥ द्विवचनन वानो ॥ वद्वचनन वस्तु नमो ॥ ॥ ० ॥ ॥ स्वामी नमो
 समायाग ४ स्वामी नमो सा ० पुनर्गता ४ नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 य ॥ ॥ ॥ स्वामी नमो सज्जहास ४ दृष्टानो दानयायेता ॥ राजा वीं दास्यते दानं
 दानं नमो मधुस्तद नमो ॥ २ ॥ दवा वीं मवता द्विष्टु नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 वीं वलवाजा स्वामी नमो सज्जहास ॥ ३ ॥ नमो वीं वद्विष्टु नमो नमो नमो नमो नमो नमो

५ पादाविक्रिं

५५३१

सूक्तान् ।

[illegible]

हनामंगवदासास्तिनाउल्लंनमानमः

॥ आवयोर्युवयोश्चैव हरिर्मासवरक्षतु ॥ ८ ॥

सादय०॥ ॥वादिहिश्र॥वादिहिवयिथा॥गनेनंश्रुदः॥रुवन्ति॥वादि
न्रियान०॥वादिनवययानियानसंज्ञारुवन्ति॥॥च॥वा॥ह॥श्रुदः॥व॥व
वै॥नूनं॥यथक॥विना॥नाना॥स्वस्ति॥श्रुति॥दाया॥नकै॥मृषा॥मिथ्या॥
॥मिथस॥श्रुथ॥श्रुथ॥कस॥स्वस॥उच्चैस॥नीचैस॥स्वद॥श्रुद॥यान
व॥यूनव॥रुयस॥श्रुद॥स्त्रिन्॥उत्त॥सद॥अन॥श्रुद॥अन॥श्रुद॥
॥नमस॥श्रुत्॥कन॥॥श्रुमाननायनिमध॥वृष॥किल॥रवत्॥
॥वै॥श्रुवान्॥रुग॥श्रुत्॥साकै॥सार्द्ध॥यत्॥गत्॥गग॥श्रुत्॥वत्॥

[illegible]

मानवन्धस्त्रियामीष्यस्यथारुवन्ति॥षववाकी॥टक्वृद्वी॥उगमसः
नी॥अरुवन्ती॥यचकी॥ॐत्यादि॥॥नदाद॥नदादग्नेजगन्मियामी
ष्यस्यथारुवन्ति॥नदी॥गोत्री॥गंगंमी॥गमसनी॥वगुर्था॥येवसी॥पी
ववी॥गव्वी॥ॐत्यादि॥॥ॐद्वादशुनीयच॥ॐद्वादग्नेजगन्मियामी
नीष्यस्यथारुवन्ति॥ॐद्वादी॥रुवानी॥बूडादी॥॥ॐप्समाहावगु
दय॥गयी॥॥यूथा॥गव॥गुडी॥गदकी॥वकावा॥ज्ञायालिकोदीन॥
॥जानवथाधंसधध॥जानिवाविनाश्रयकावापधादकावाकान्मियाः

मीयुख्यथारुवनि॥ मयी॥ महिमी॥ गुरुमी॥ हंसी॥ ककुटी॥ वाम्बनी॥
 मयकायायधयदलन॥ दलिया॥ विष्णु॥ यथेमयथावाचिना॥ गन्त्री
 पवकय॥ कुमावी॥ किष्णमी॥ कलली॥ परुगय॥ यथेमयुग्रद
 लदद्वा॥ सुविवा॥ अग्रदलद्विगु॥ ॥ स्वांगद्वी॥ स्वांगवाचिना ५३
 वासुधायाम्युख्यथारुवनि॥ सुमुखी॥ सुगन्धी॥ गन्धी॥ वाग्रदलन
 पद्मवदना॥ कल्याण॥ काञ्च॥ किशलयकन॥ मन्त्रवदुजा॥ सुदुसुखा
 दोन॥ रुदिकानादकवीपवकय॥ अंगुली॥ अंगुलि॥ धूली॥ धूलि

॥ आङी॥ आङि॥ अकवितिविगयलन॥ कनि॥ रुनि॥ ॥ निचमवाय
 ॥ मन्त्रादगन्त्रमिधायाम्युख्यथारुवनि॥ निकावादेगय॥ मनायी॥
 ॥ दयाकपायी॥ वकावात्मनायी॥ मनावीमनू॥ अग्नरुय्या॥ अग्न
 यी॥ कुगितायी॥ ॥ पत्न्यादयः गद्यानिपात्यन्॥ पत्नी॥ अरुवती॥
 ॥ अर्द्धजवनी॥ अग्निव्री॥ यवनी॥ यनीद्यादयः॥ यनीवी॥ उदीवी॥ दाव
 गद्यानिर्यवद्ववनाक॥ पुन्निग॥ दावा॥ दावान॥ दावे॥ दावय
 ॥ २॥ दावाना॥ दावयू॥ ॥ दीर्घना॥ उकावाकाहुनवाचिनावासुधायः

४॥ ॥ विना सहन मरण निद्रा बल स्वाभ्यादिकिञ्च ॥ एतेव विद्यागदिनी
याश विरुक्तयारु वनि ॥ विना पाप सर्वदुर्लभि ॥ अन्त बलद्वितीकिं
डीविगन ॥ अन्त बलत्वमिमधून्त्यादि ॥ यदाद्वायं ॥ ॥ सहसदृशीसा
कंसाई समयागहगीया ॥ सहगिथल गतागुनू ॥ सदृगल्लेगुमे ५१
गुन ॥ साकनयनार्यां ह्लादना ॥ साई धनिरिद्ध ॥ साधू ॥ समवेद
लदितागुनू ॥ नमः स्वस्ति स्वाहा स्वधा ॥ अलम्बयद्याग ॥ यगुथी ॥
॥ नमानावायल्लय ॥ स्वनिवाह ॥ सामाय स्वाहा ॥ पितृस्यः स्वधा ॥ अलम्ब

ला १
नामलाय ॥ वधठिद्राय ॥ सगयागयवमी ॥ अत ह्ना नाने मूकि ॥ अन्त्याः
गृहादिद्राव ॥ निद्राविल्लखी ॥ निद्राविल्ल कियागुनजा निरिः समूदाया
त्यथक्क वलं निद्राविल्ल गगुखी ॥ कियापनाल्ल रगवदावाधक ॥ अष्टः
॥ गवां कृष्णगेः सम्यन्तदीना ॥ एतयां दगियः गूबकम ॥ ॥ स्वाभ्या
दियाग यखी सफंमीव ॥ गवां स्वामी ॥ गवामधियनिः ॥ गमय स्वामी
गमय धियनिः ॥ ॥ कर्तृकार्ये यावकादो कनिषधी ॥ कर्तृकार्ये यव
धीरु वनि ॥ कादिवर्जिन कदकगदप्रयुष्टमान ॥ वासस्य कनिः ॥ राम

सादस्वनी ॥१५८॥

नस्यप्रवर्त॥ ॥स्मवनीवकार्यषष्ठी॥ मागु४स्मवनि॥ मागनेस्मवति॥ ॥
॥दुर्गाहनीयापंचमीचवकव्या॥ अनित्य४गदृ४॥ कनकत्वन॥ कनक
त्वान॥ ॥रुयदुर्गापंचमी॥ बोवादिहनि॥ यात्रादुस्यनि॥ विद्युत्तया
गाच्चकिन४॥ ॥षष्ठीदुर्गापुयाग॥ कस्यदुर्गाविर्यकन्या॥ ॥दुर्गा
दहनीया॥ निर्ययुग्मनयश्रनि॥ ससावमसावनयश्रनि॥ ॥शनाः
दुर्विकाव४॥ शनागनादिनाविकाबालद्वन॥ तस्मादंगभरणीयाविरु
किर्द्वनि॥ शुद्धाकान४॥ यादनतवजि४॥ कर्तुनवधिव४॥ ॥जनिः

कर्तुं ४ पुनः ॥ जायमानस्य कार्यं स्थापानमपादानसंज्ञं रुवति
 नमः ॥ गङ्गापादानयंवमी ॥ यस्मात्पुजाय जायते ॥ नत्सद्वृत्तिः ॥ ० ॥
 ॥ आदादियागव ॥ योऽप्यादेति पूजाद्वृत्तिदव ॥ ॥ गदध्ववृत्ती
 चवकया ॥ ॥ सयिमायश्च नैधरु नमधम्मसयिर्म ॥ धम्ममादा
 यमधवी धनं दानाय रुकया ॥ ॥ कुड्यादियागव ॥ इह वीर्यम्
 सूर्यस्तथ द्रुदस्यागपध विस्महि ॥ एतं कुड्यादय ॥ ॥ कुमाय कुड्या
 नि ॥ मिशयद्रुयनि ॥ गुणवर्गसूर्यनि ॥ ॥ कक्षाययंवमी चवकया

॥ दम्भं न्यूनं ॥ दम्भं मातृ कथं न ह्यर्थं ॥ असना न्यूनं ॥ ७ ॥
 ॥ निमित्तात्कर्मयोगस्य सीयवक्या ॥ ॥ दम्भं निधीयते न ह्यर्थं ॥
 ॥ दन्ति कृत्तव्यं ॥ कर्णयुग्ममनीन्दुनि सीमिपूष्पवकीद्वयं ॥ ७ ॥
 ॥ विषयव ॥ नक्तं वरुणं ॥ वक्षीस्य कर्मो वानादव ॥ वदनां काणनां ॥
 न (अत्र) ॥ वदसूसाधूषू वदस्वपिस्वयमनाथयास्य साधूसा (नदी) ॥
 ॥ वदस्व साधूषू निवाक्यत्वं पियं स्वयमनाथयाति साधूसा (नदी) ॥
 ॥ मागापिग नूदना ॥ यवज्जुनियुग ॥ ॥ ॥ ॥ अन्त्याकं प्रथमा ॥

५२

॥ यदि दं कार्यं तदा दन्य नाद्यानं न कर्माथ कं रुवनि ॥ न दा प्रथमा प्रयाक
 या ॥ घट ॥ कियत ॥ पट ॥ काय ॥ ॥ कन्दसिंहादि ॥ सर्वं ॥ दक्षिण
 नि ॥ यूनरु वक्षस्य नि ॥ वज्रं न्यूनं ॥ वज्रं निर्विषं ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ नूनि काव कप्रक्रिया ॥ ॥ ॥ ॥ अथार्थवद्विभक्ति विनिष्ठा नाथ
 दानां समासा निवृत्त्यं ॥ ० ॥ समासश्चान्वयनाम्ना ॥ नाम्नामन्वयथा
 यत्वं सख्यव समासारुवनि ॥ वगद्याहृदि न पि ॥ नगराया पूम्बस्य
 त्यादोनरुवनि ॥ सवमविध ॥ अथ यी रावरुत्पूम्बा दं दं वद्वी

दिः कर्म धानादिगुणानि ॥ पूर्वपदयुधानां १ युगीरावः ॥ ७ ॥

दिगुणतत्त्वबोधोपपदयुधानां ॥ ० ॥ बहुवीहिवन्त्यपदयुधानां ॥ ० ॥

॥ दन्दकर्मधानोपपदयुधानां ॥ विद्वद्बोधिवन्त्यपदयुधानां ॥

॥ नैवान् ॥ नैकयद्यमेकस्वयमेकविरुक्ति कर्त्तव्यसमासप्रयाजनं ॥ ५०

॥ अधिष्ठातृनिष्ठिगं ॥ मृगदादिनीत्येकवचनं ॥ मृगसंस्थितसंस्थित

रुवनीनिविग्रहः ॥ अन्वयथाग्राधपदसमर्थकः ॥ पदसमूहायाः

विग्रहावाग्यमिनियावत् ॥ कर्त्तव्यसमासप्रययस्य पूर्वनिपातावक

यः ॥ ॥ पूर्वपदयुधानां १ युगीरावः ॥ अन्वयपूर्वपदसंस्थितान्वयः ॥ साय

यीरावसंज्ञकः ॥ समासारुवति ॥ ० ॥ तिसमाससंज्ञायाम् ॥ ॥ समासप्र

त्ययथा ॥ समासवर्तमानायाविरुक्तः ॥ प्रत्ययवपबलरुवति ॥ ० ॥

॥ ० ॥ स्वभात्तुक् ॥ नामसंज्ञायां स्यादिविरुक्तिः ॥ अधिष्ठातृनिष्ठिगं

॥ ॥ सनयुसकं ॥ साययीरावानयुसकलिङ्गारुवति ॥ नयुसकत्वा

द्वस्त्वर्थः ॥ ॥ अन्वययीरावान् ॥ अन्वययीरावात्प्रवस्यविरुक्तत्वरुव

ति ॥ अधिष्ठातृदकार्यः ॥ वायमतिकान्तसतिविकृतं ॥ नावमतिकान्त

मतिनूतनं ॥ इत्थादं गमयन् दवात्मिका नोको वक्तव्यं ॥ ॥ यथाऽसा
दृष्टं ॥ यथा गताऽसादृष्टं वर्तमानं समस्य गं ॥ गतिमनति कस्य कनो
नितियथा गति ॥ ॥ अन्तःसमनं ॥ अकावाकादष्टयीरा वात्यवस्यावि
रुक्क वक्तव्यं ॥ अन्तःसमनं यित्वा ॥ कृष्णस्य समीपं उपकृष्णं वर्तते ॥ उ
पकृष्णं यत् ॥ ॥ वाताश्वाः ॥ गतिन्त्यनया वसिष्ठवति ॥ उपकृष्णं क
नं ॥ उपकृष्णं न कनं ॥ उपकृष्णं ददि ॥ उपकृष्णं दानय ॥ अन्तःसमनं
विगम्यन्तःपंचम्या अन्तःसमनं ॥ उपकृष्णं दगं ॥ उपकृष्णं निधदि ॥

३१

उपकृष्णं निधदि ॥ ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥
यथाऽसादृष्टं वर्तमानं अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥
मासा रुवति ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥
मन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥
त्यन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥
॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥
दानं ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥ अन्तःसमनं यत् ॥

X ना॥समाप्तमिति न०५॥कानाद०८॥लवति॥नाकादिवर्द्ध॥४॥

(गो०३॥ अ०३॥ कविदमायें शकस्य यमत्वं॥ आदिगानि॥ रुतपूर्व॥
 ॥समासकविदेकपद्यंतत्वरु०॥ गववत्॥ अमुवत्॥ निनयन॥ ० ॥
 ॥पानस्यवा॥ सूवायायानं॥ सूवायानं॥ ॥नञि॥ नञिपूर्वपदसन्ति ग
 त्यनृषत्तकः॥ समासारुवति॥ नवाक्कल॥ अवाक्कल॥ ॥ना॥ समा
 ससन्तिन॥ अ॥ नाद॥ गुरुवति॥ नाकादिवर्ज॥ ॥अनृषत्त॥ समाससन्ति
 न॥ अ॥ नाद॥ गुरुवति॥ स्वयंयव॥ अ॥ अद॥ न॥ अ॥ धर्मविवृद्धा॥ धर्म
 ॥प्रद॥ रा॥ अ॥ प्रद॥ मि॥ गद॥ न॥ गदिवृद्धगदरा॥ वयून॥ अ॥ वरु॥ ॥ ७ ॥

५२॥

॥ वा (थं दं दं ॥ स मू च यान्वा च यान्वा न न व यान्वा ग स मा हा वा अ थं ॥ ग रु च्च व र्ग र्ग र्ग
च रु उ स्त्र नि य त्थ क म क म क क्रिया रि स म्ब (न्ध स मू च य स मा सा ना कि ॥ ० ॥
॥ व टा रि दा म ट ग्ग अ न य नि क म म क्रिया द य स म्ब (न्ध ॥ न्वा व य व स मा
सा ना कि ॥ य न स्य न स म्ब (न्ध ॥ न न न व यान्वा ग स मा हा व व यान्वा (थं दं दं ॥
स मा सा रु व ति ॥ द द्द अ ल्प स्त्र न प्र धान का वा का वा ना ना पूर्व नि या ना व
क य ॥ प द्द य गु य य प द्द य ॥ उ का थ ना म प्र या ग ॥ अग्नि य मा न
अग्नी मा न ॥ रु का व रु अ य रु रु (यो ॥ म्दी च पू व प्र थ म्दी पू व

4/2

॥ धवगद्यदि वधधवगद्यदि ॥ दवगाद्यद्य पूर्वपदस्य दीर्घावकथं
 ॥ वकथं प्रत्यय आगमूलत्वात् कविदवगाद्यद्यपि अग्निमात्राविरा
 दी पूर्वपदस्य दीर्घत्वं न रुवनि ॥ ॥ अग्निश्च सामश्च ॥ अग्नीधमो ॥
 ॥ नृद्वयं दृढस्य निश्च ॥ नृद्वयं दृढस्य गी ॥ नृद्वयं दृढस्य गी ॥ ॥ अन्धः
 ॥ १॥ सा मा दीर्घावकथं ॥ ॥ नृद्वयं दृढस्य गी ॥ ॥ अन्धः
 वा वा समादाय वकथं ॥ गगनं कृगं य पलागं य गगनं कृगं य पलागं ॥
 ॥ गगनं कृगं य पलागं ॥ ॥ अन्धा दीर्घावकथं य पूर्वपदस्य संगमभा

५३

वकथं ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥
 गुह्यं ॥ ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥
 ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥
 वकथं ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥
 दीर्घस्य योरुवनि ॥ ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥
 ग्रामं ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥
 वधधवगद्यदि ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ अन्धः ॥ ॥ अन्धः ॥

द्वितीयार्थः ॥ अन्यथार्थः प्रथमार्थः समासः स बहुव्रीहिसंज्ञकः
 समासकृत्वनि ॥ बहुधनस्य सो बहुधनः ॥ अस्ति धनः ॥ यस्य
 प्रथमस्यैकदशविंशत्यलं गतया यशस्वान्नसंगतुलसंविज्ञा
 नबहुव्रीहिः ॥ तस्यैकदशस्य सलम्बकर्म ॥ सुवनं कीर्तयस्य ३४
 ससुवनकीर्तिः ॥ ॥ बहुव्रीहौ विंशत्यलं संकर्मन्तयाः पूर्वनिपा
 नादकर्म ॥ चर्कपात्रेयस्य सचक्रपात्रिः ॥ ॥ यजामध्यायस्य
 क् ॥ यजामध्याः गद्यावद्व्रीहौ वसूतगमाकृत्वति ॥ सुदुप्रजा

यस्य सः सुप्रजाः॥ दृष्टा मधायस्य सदम्भधाः॥ ॥ धर्मादजः॥ गमरुना
धर्मायस्य सः सुधर्मो॥ नृपवती रात्र्यायस्य सकृन् वक्रार्थः॥ ॥ अन्या
र्थः॥ लीलिंगस्यान्यार्थं वर्तमानस्य कस्त्वारुवति॥ ॥ यंवद्वा॥ समाससमा
नाधिकबले पूर्वस्य लीलादस्य यंवद्धारुवति॥ यंवद्धारुवति॥ पूर्व्वेहा
वादीयानिवृत्तिः॥ वाग्रदण्डकृत्यानीषियन्त्यादीनारुवति॥ ॥ गमः
गमगदस्यान्यार्थं वर्तमानस्य कस्त्वारुवति॥ यंवग्मवायस्य सर्यय
शुः॥ संख्यासूत्राद्यादिपूर्वस्य पादगदस्यालया वक्रार्थः॥ सहस्रपादाः

समाससगि ट अट क ळ ल्य न प्रत्यया रुवनि ॥ ३५ सु ३५ ह्या ३५ वायुस्य ळ वयं दी यं स स ॥
 यस्य स सदस्य पा न ॥ सु ॥ रु नो पा दी यस्य स सु पा न ॥ वायु पा न ॥
 ॥ सा दो स्व व प न य दा ळ श्व व क य ॥ दिय द ॥ दिय दा ॥ दिय ह्यो मि
 त्यादि ॥ ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥ ट उ का ॥
 ॥ क का न सु व दू वी हो स का मा निय मो म न ॥ ॥ उ का व सु लू वू धा ह्य ॥ ॥
 अ का वा द द उ च न ॥ उ का व सु व दू वी हो क का व ॥ स र्व ना म न ॥ ॥ ३५
 ॥ समाससगि ॥ ट अट क ळ ल्य न प्रत्यया रुवनि ॥ ॥ ना वा ॥ ना न स
 प द स्य ट ल या रु व नि ॥ य का व स्व व प न ॥ वायु रु न ल्क चि न रु व

नि ॥ उ य धा या ला य थ ॥ अ का म ध्य म ध्या क ॥ क वी न बा ज ॥ क वि बा ज ॥
 ॥ ट का मा नू व ध ळ व थ ॥ क वि बा ज ॥ वा क्क म न थ वा क्क न सी ॥ द दि न
 स्यां दि गि प न्का ॥ द दि न य थ ॥ अ हा ना र्ग ॥ दि ग ॥ य व य ॥ व ह वा बा
 जा ना य स्य नि ग र्था सा व दू वा जा न ग नी ॥ ॥ अ गु टि ला य क न ॥ अ व
 न ॥ सु या मि त्या य ॥ व ह वा ॥ क रु ना य स्य स व दू क र्क का या ग ॥ बा र्ग
 पू ॥ बा ज पू ॥ ॥ क र्म धा व य सु त्या थ ॥ प द द य रु त्या थ न का
 थ नि ष्ट स गि क र्म धा व य ॥ समास रु व नि ॥ नी ल व न दू ल्य ल व नि नी

लास्यलं॥ न काया सोलगावनि व कलंगा॥ पूमांशो को किल (अनि यं
 स्को किल॥ यूंसः ख यमं या गभकस्या ला या व क य॥ ॥ नान्नश्च क
 गासमास॥ यादव्यसंनस्य नान्नश्च क द नं न स रु म मा स रु त्पू न
 धारु वनि॥ य रु क्षा वा द॥ यु वा द॥ कृत् क वा गी नि कृ म् कान॥ स
 रु दः सा दि॥ स मा स स नि स रु दी ना सा दि रु व नि॥ यू रु व स रु व
 रु न॥ स यू रु॥ स रु स म नि व सां स धि स मि नि व य॥ स ध्य द॥ स म्भ द
 ॥ नि र्भ द॥ ॥ कृत्ति नं म द र्थ या॥ का रु त्पू न्ध क दा द य॥ कृत्ति

मरुतः ॥ ४ ॥ कृत्ति नं म द र्थ या॥ का रु त्पू न्ध क दा द य॥ कृत्ति
 ना (थे न द न्नी॥ वी म द (थे क द्दु र्म॥ का र्ण॥ क वा र्ण॥ यू नः का ल व न्नी॥ ॥
 ॥ यू न्ध वा॥ का यू न्ध॥ क यू न्ध॥ ॥ द न्ध द र्णां या ठ न॥ या
 उ ग॥ या रा॥ द रु द ग धा सू य न्ना सू उ रु व य दा द रु र्ब॥ ॥ रु रु स्य नि॥
 ॥ म रु थि सो वी थ व (थ नि॥ म रु थ व॥ यो थ रु मि थ या वा रु सी॥ आः
 रु नि ग (न र्थ॥ ॥ न न्ध रु द रु द रु द ग ॥ क र्थ किय नं न्ध रु द रु द॥
 आ रु नी नि सि द्ध॥ ग दा का न्ध मू य ल रु द न्ध सा व न्ध रु द रु द वि धा
 न म रु नि न्ध ग (न रु द रु द रु द ग ॥ ॥ अ रु क रु वि न्ध॥ वा वि रु स मा स
 समा ना वि क न (न दि वा या वा द न ॥ ५

कदन्तद्विगपिविरुक्कवल्लरुवनि॥ क^{त्वा}कौन्मुक॥ कौका^{म्}क^{म्}॥ अस्
 यानिन्स्यस्यस्यानि॥ ॥ उवसिर्वासा॥ कदिस्यक॥ क^{त्वा}कालधावा
 यौयुकि॥ दि^{त्वा}जद^{त्वा}॥ यश्चगादवल्^{त्वा}यादि॥ ॥ ग्मकयार्थिवादी
 नाम्मध्ययदलायावकय॥ ग्मकप्रिय॥ पार्थिव॥ ग्मकयार्थिव॥ ३१
 ॥ दवयूजकावाक्क^{त्वा}॥ दववाक्क^{त्वा}॥ एका^{त्वा}र्थनिष्ठत्वसगि^{त्वा}कविरु
 क्क^{त्वा}कं यदवाच्यत्वं समानाधिकव्यमित्यर्थ॥ दवानां प्रियवृत्ति
 मूर्त्त॥ अ^{त्वा}न^{त्वा}द^{त्वा}॥ द^{त्वा}दसमासकविदादियदस्यलापारुवनि॥

माणवविर्भावः

॥ अकावाच्चिकत्यवृत्तिकविर्॥ मागावपिगावपिग^{त्वा}॥ अग्रप्रग्रगु
 वग्रग्रगु^{त्वा}॥ इदिगावपुग्रग्रगु^{त्वा}॥ ॥ अ^{त्वा}ली^{त्वा}इ^{त्वा}॥ द^{त्वा}दसमास
 पूर्वयदस्य अकावस्याकावा^{त्वा}रुवनि॥ मागापिग^{त्वा}॥ ॥ द^{त्वा}दस
 दीदित्वया॥ वल्^{त्वा}ग्रमग^{त्वा}॥ वल्^{त्वा}सुंग्रमग^{त्वा}॥ ॥ वेयधिकव^{त्वा}
 यद्वीहोमध्ययदलायश्च॥ ॥ किन्तार्थनिष्ठत्वसगि^{त्वा}रिन्तविरुक्क^{त्वा}
 कं यदवाच्यत्वं वेयाधिकव^{त्वा}॥ ॥ क^{त्वा}मूदस्यग^{त्वा}वल्^{त्वा}वग^{त्वा}॥ अ^{त्वा}य
 त्यसक^{त्वा}मूदग^{त्वा}न्नि॥ उययदग^{त्वा}न्नि^{त्वा}दि^{त्वा}कावावक^{त्वा}॥ द^{त्वा}सस्यग^{त्वा}म

वल्^{त्वा}ग्रमग^{त्वा} वल्^{त्वा}ग्रमग^{त्वा}

[illegible]

द्विजं वगीयं ॥ ॥ कावका न किय यूक ॥ कावका दयते प्रत्ययारुवन्ति ॥
 किय यूक कर्तविकस्मिन् ॥ चारि (धय) ॥ कूकूमनवकं वसुं कूकूममीम
 थुवायाग्नगतामाथून ॥ ग्रामं रुवाग्रम्य ॥ धूर्ववदतीति (धो) वय ॥
 धूर्य ॥ ॥ कर्तुं अका ॥ कर्त्तुं नन्दीयन् कर्त्तुं त्यक्तं प्रत्ययारुवन्ति ॥
 ॥ रुवाग्र (ध) यनित्वं चैषां वे कलियन् ॥ कर्त्तुं रुव ॥ कर्त्तुं रुव ॥ कर्त्तुं
 रुव ॥ ग्रामादी गतस्तु रुवाग्रावाग्रमील ॥ ग्राम्य ॥ सध्वीचिन ॥ समी
 चीन ॥ निवर्त्तन ॥ ॥ यलायय ॥ कविश्चकावलायोरुवन्ति ॥ तद्विर्त्तय

१ निर्मादृष्ट आद

सं० ५७४२ सम० ५७४२

तर्कलवः १३ लुकयः २ लुडयः ३ पुष्पायाः ४ लवः १४१ न वृत्तलवः १४२ वदलवः १४३
नगः १४४ कन्यायाः १४५ कोनीनः १४६ पोषीनः १४७ ल्यावाः १४८ कुरुवः १४९ रु
रियः १५० दारुः १५१ गुडियः १५२ लुडियः १५३ आदिकः १५४ ग्मदिकः १५५ वेदंरुवाः
वेदिकीक्रियाः १५६ नाकिः १५७ ॥ ल्यनो ॥ किमादः १५८ न्यादः १५९ रुवादः १६० (थंज
त्यनोऽथल्योऽरुवतः १६१ कुरुत्यः १६२ कुरुत्यः १६३ नुरुत्यः १६४ अथननः १६५ ११
॥ सदाननः १६६ कुरुनः १६७ ॥ यनूयवाविचिवादित्यसुनः १६८ रुवाः १६९ (थंज
त्यः १७० यननः १७१ ननप्रत्ययाः १७२ रुवतिः १७३ यननः १७४ विदः १७५ ननः १७६ यवावि
ननः १७७ ॥ स्वाः १७८ थिः १७९ उकाः १८० प्रत्ययाः १८१ स्वाः १८२ थिरुवतिः १८३ दवदः १८४ रुवः
सदा लवः
कुरुलवः १८५ कुरुलवः १८६ नुरुलवः १८७ अथलवः १८८ सदा लवः १८९ विनीलवः १९०
विनीलवः १९१ कुरुलवः १९२ कुरुलवः १९३ कुरुलवः १९४ कुरुलवः १९५ कुरुलवः १९६ कुरुलवः १९७ कुरुलवः १९८ कुरुलवः १९९ कुरुलवः २००

देवदत्तिकः। चत्वारिंशद्वर्षाश्चतुर्विंशत्येव। आनन्दवयोम॥ ॥ अने नः
यायूष्मदस्मदास्तवकादि॥ अनीनया॥ प्रत्यया॥ यवयोयूष्मदस्मदास्त
वकसमकयूष्माकस्माकच्छ्रित्यावा द(ग)रुवति॥ तावकी॥ मानकी॥
॥ तावकीन॥ मानकीन॥ यूवया वावया॥ यूष्मा कनस्माकम्वा॥ ओष्मा
क॥ अस्माक॥ ओष्मा कीन॥ अस्मा कीन॥ ॥ वल्लुख्य॥ तुल्यसादृश्य
(र्थवन्प्रत्ययारुवति॥ वद्युवन्मुखी॥ घटवन्॥ पटवन्॥ ॥ रावेतत्व
यम॥ गदस्यपदलिनिमित्तरावस्तस्मिन्नावर्थतत्त्वयमच्छ्रित्यावा

नमः शिवाय ॥ साह ननु त्यो यत ननु त्यो ॥ २

अनस्येति १२ सूर्यगत्याव ४३ विद्वत् १२ गव ४३ समनस ४ गव ४२ नृप ४१ गव ४१

यारुवकि ॥ वाक्कनस्य को वाक्कनगा ॥ समाहावगावगुल्य ॥ किं गा ॥
 ॥ ऊनगा ॥ गारुस्यनित्यं किं लिङ्गत्वादाय ॥ वाक्कनत्वं ॥ वाक्कन्य ॥ सि
 मनस्य ॥ सोराय ॥ वेदस्य ॥ ॥ कर्मस्यपियं वक्कय ॥ वाक्क
 नस्य कर्म वाक्कन्य ॥ वाक्कन्य ॥ वाक्कन्य ॥ वाक्कन्य ॥ वाक्कन्य ॥ वाक्कन्य ॥
 ॥ लादिगादुदिमन ॥ लादिगादुदिमन ॥ लादिगादुदिमन ॥ लादिगादुदिमन ॥
 ॥ सवकि ॥ लादिनिमा ॥ अनिमा ॥ ॥ अनिमा ॥ अनिमा ॥ अनिमा ॥ अनिमा ॥
 मलिचयं नारुवकि ॥ पृथु ॥ पृथिमा ॥ ॥ वहारुवन् निविग्रह ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

४ द्वितीयं । स्यात्कस्यलाघटः । अथास्तीति नाम्ना । ५ अथास्तीति नाम्ना । ६ अथास्तीति नाम्ना ।
७ अथास्तीति नाम्ना । ८ अथास्तीति नाम्ना । ९ अथास्तीति नाम्ना ।

॥ वहा लोथारु व वहा ॥ वहा नू रु वं व्या मि म ना दी ना मि का व स्य लाः
 थारु व नि ॥ वहा ॥ स्त्राने रु वा द ग ॥ ह मा ॥ अ स्य (थ म रुं प्र स्य थ
 रु व नि ॥ अ स्य स्मि न्वा मु र्य स्मि न्ने (थ ॥ उ का वा नू म्बि ध ना थ ॥ अ त्व
 सा ॥ सा ॥ (स म मान ॥ श्री मान ॥ ग म म नी ॥ श्री म नी ॥ ॥ अ न्द्र को म त्व (थ ॥
 ॥ वे ऊ य न्क ॥ सा यि क ॥ ॥ सा न्ना य धा द व ति नो ॥ म का वा ना न्म का
 या य धा द का वा ना द का या य धा द व ति नो प्र स्य थो रु व न ॥ अ स्य (थ
 ॥ रु वा नू रु व ॥ द उ ॥ द य द नू रु मि ॥ किं वा न ॥ ग मी ॥ ॥ ग ठि द

[illegible]

अतिगयनलघुः अतिगयनपापः॥

धीयसी। पापीयसी॥ लचिष्ठः॥ पापिष्ठः॥ ॥ उर्वदविष्टमनीयसू
गवादि कृत्वा यथ॥ लुविमयियय (ग्रह दीर्घलघादीनां यथाक्रमं
यग्रदाद्यबलघातं स्थनं आदगस्यः॥ कृत्वा यथ॥ ॥ अतिगयन
दीर्घसंस्थ आदगः॥ आयान्॥ ॥ अतिगयनगुर्ननीयान्॥ गविः
ष्ठः॥ गुर्वारुवागविमा॥ प्रमा॥ प्रष्ठः॥ प्रयान्॥ लुविष्ठः॥ लुवीय
न॥ ॥ लीलाया आगदादीयसः॥ आगदात्यनस्य लीयसू लीकाव
स्येलाया रुवनि॥ आयान्॥ प्रष्ठः॥ दीर्घगदस्य दादादणकनवनि

१७

अतिगयनलघुः

२ अक्षरः १० वः॥ ३ नादितादृष्टिनिमित्तः॥ अतिगयनप्रमा॥ अतिगयनप्रमा॥
अतिगयनलघुः २

अतिगयनदङ् ॥ २

वकथी॥ अतिगयनदीर्घादाधीयान्॥ दाचिष्ठः॥ ॥ यगस्य (ग्रहादणक
न॥ अतिगयनयगस्यः॥ प्रयान्॥ प्रष्ठः॥ ॥ वहाविष्टयिष्ठः॥ लुयान्॥ लु
यिष्ठः॥ प्रत्ययल्लकावः॥ सयकावसदिगावकथः॥ लुयर्थः॥ ॥ किमाद्य
यादाख्यानाच्चनवममयावावकथः॥ कूगलुवायवमान्वः॥ कूगलुमा
नवासावकृत्वं॥ उच्चैरुवागमयनि॥ यवनिगवां॥ यवनिगमां॥ य
० निगवां॥ य० निगमां॥ ॥ यविना (लदघ्रादयः॥ जानूदघ्नजलं॥
॥ यवयमां॥ गिवादयसं॥ दधार्चकनाचैकस्यनिर्द्वाव (लकिमादि

यवयविना नगिनय विमानं १

अतिगयनलघुः अतिगयनदङ् ॥ २

स्थाअस्थानिकनि॥ ॥३॥ ॥रुदिनद्विगयक्रिया॥ ॥३॥ ॥७॥
 ॥अथात्मानपुत्रियानिबूयन्॥ ० ॥ धागावग्नमानावयत्ययधनाः
 ह्या॥ ॥त्वादि॥ रुसलायामित्यादिगदाधारासंज्ञारुवनि॥ सच
 विविधः॥ आत्मनयदी॥ यवस्मेयदी॥ उरुययदीयनि॥ ॥आदनूदा
 रुदिनः॥ अनूदाकृतादिगद्यधनावादिह्यत्मनयदंरुवनि॥ ॥
 स्वविननडरु॥ ॥रु॥ स्वविननयधनावरुआत्मनयदयवस्मेयः
 देरुवतः॥ आत्मगदियरुहलमात्मनयदं॥ यवगमिवरुपनस्मे
 नि

यंदययाकथा॥ अन्वर्थान्॥ ॥यवगान्यन्॥ पूर्वकनिमिरुविधनाः
 दन्यस्माद्वागावयवस्मेयंदरुवनि॥ नचयवस्मेयदानि॥ निवादीनाम
 दगसरेवकानामाद्यानिनववचनानि यवस्मेयदसंज्ञकानिरुवकि
 ॥ ॥यवाआत्मनयदानि॥ यवानिनववचनानिआत्मनयदसंज्ञका
 निरुवकि॥ ॥वरुमान्॥ निप्॥ गस्॥ अन्कि॥ सिप्॥ थस्॥ थ॥ मिप्॥
 ॥वस्॥ मस्॥ ०॥ ग॥ आत्॥ अन्॥ स॥ आ॥ थ॥ ध॥ व॥ व॥ म॥ ०॥
 ॥याववपविसमायक्रियापलदिगद्यवरुमान्कस्मिन्वरुमान्अ

किः धयति वा दयः प्रत्ययारुवन्ति ॥ अस्य निवा दः यानि नीयान्ति डि
नि संहिता ॥ ॥ नाम्नि च यस्मिन् दिवा स्मदि च रागेः प्रथम मध्य भारुमोः ॥
नामादिषु प्रथम द्वयसु रिहिरागेः द्वय प्रत्ययारुवन्ति ॥ नाम्नि प्रथ
ममाने च गदा दप्रथममाने पि प्रथमः पूर्व्यारुवन्ति ॥ यस्मिन् दिवा
मस्तुथे वा स्मद्युक्तमः ॥ ॥ कर्त्तुं विषयः ॥ ये पदस्ते पदं कर्त्तुं विरुवन्ति
॥ च गदा दा स्मनयदमपि ॥ न गुरुत्वे नः स्मात्प्रवस्मपदिनाः विक्रव
नाहि वा दया या मन्तः ॥ ॥ नृपे कृत्य विवदायां प्रथम पूर्व्ये कवचनः

रुनिष्कृतिरिति ॥ यकावः पितृकार्यार्थः ॥ ॥ अथ कर्तुं वि॥ धागावप्यस्य
आरुवति ॥ कर्तुं विविहितं यस्यादियुदियर्थं नृपवर्गः ॥ यकावाः द्वि
कवत्तुदहायनार्थः ॥ ॥ गुलः ॥ धागावप्यस्य नृपवर्गः नृपव
नि ॥ अथादः ॥ ॥ रुवति ॥ द्वित्वविवहायार्थं नृपवर्गः ॥ अथि
रुदिदिर् ॥ यकावर्गगादिर्कवविहायान्यप्रत्ययादिर्लङ्कारुवति ॥ द्वि
त्यस्य ॥ किमिदं निवयवधामागन्तुं नृपवर्गः ॥ अथैवर्ग्यित्वा ॥ कर्तुं
द्विर्वचनात्तुसिपवत्तुगुलः रुवति ॥ नगादित्वात्तुसिगुलप्रतिषेधपि

३२१

[illegible][illegible]

वय॥ अमय॥ ॥ गां॥ आगां॥ अगां॥ स्व॥ आ॥ अं॥ ध्वं॥ वेय॥ आवहेय॥ आ
 महेय॥ ॥ अयाययार्थना॥ आगी॥ यनम्यदागं॥ सनं॥ वा॥ अवनयवर्त
 ने॥ गरुडवादय॥ यययारुवन्ति॥ ॥ अं॥ सं॥ हानाद्॥ ॥ ॥ अ॥ अ॥ अ॥ ५०
 निधिवावक॥ य॥ रुवन्तु॥ रुवन्ता॥ रुवन्ता॥ रुवन्ता॥ रुवन्तु॥ ७॥ अ॥ अ॥ अ॥
 कावाद्रुवन्त्य॥ रुवन्ति॥ रुव॥ रुवन्ता॥ रुवन्ता॥ रुवन्ता॥ रुवन्ता॥ रुवन्ता॥
 ॥ रुवावा॥ रुवास॥ ॥ आय॥ यमानरुवन्तु॥ रुवान्॥ अ॥ अ॥ यनाथा॥ य॥ ग॥ रुव
 सीम्या॥ ॥ अ॥ न॥ ध॥ न॥ नी॥ न॥ दि॥ य॥ गां॥ अ॥ न॥ सि॥ य॥ गं॥ न॥ अ॥ मि॥ य॥ व॥

॥ ३

म॥ ॥ गन॥ आगां॥ अगां॥ अ॥ स॥ आ॥ अं॥ ध्वं॥ व॥ दि॥ म॥ दि॥ ॥ अ॥ गी॥ ग
 या॥ न॥ य॥ म॥ द॥ य॥ द॥ व॥ क॥ य॥ व॥ द॥ ग॥ मि॥ न्या॥ ॥ य॥ थ॥ म॥ य॥ म॥ द॥ य॥ ॥ सा॥ ॥ य॥
 न॥ न॥ रु॥ गो॥ न॥ य॥ न॥ न॥ अ॥ न॥ य॥ रु॥ व॥ अ॥ न॥ य॥ न॥ न॥ ॥ ॥ ॥ व॥ सं॥ हानाद्॥ न॥ मि
 न्न॥ नी॥ न॥ काल॥ दि॥ वा॥ द॥ य॥ य॥ य॥ य॥ य॥ रु॥ व॥ न्ति॥ ॥ दि॥ सि॥ मि॥ न्ति॥ य॥ न॥ य॥ मि॥ का॥ व॥ ड
 वा॥ व॥ न॥ थ॥ ग॥ न॥ न॥ का॥ व॥ न्ति॥ व॥ न॥ न॥ य॥ क॥ रु॥ नी॥ नि॥ वि॥ ग॥ अ॥ न॥ थ॥ वा॥ व॥ सा॥ न॥
 द॥ का॥ व॥ स्य॥ न॥ का॥ व॥ ॥ ॥ दि॥ वा॥ वा॥ व॥ दि॥ वा॥ दो॥ प॥ व॥ धा॥ ना॥ व॥ अ॥ ग॥ मा॥ रु॥ व॥ न्ति॥
 ॥ अ॥ रु॥ व॥ न्ति॥ अ॥ रु॥ व॥ नां॥ अ॥ रु॥ व॥ न्ति॥ अ॥ रु॥ व॥ ॥ अ॥ रु॥ व॥ न्ति॥ अ॥ रु॥ व॥ न्ति॥ अ॥ रु॥

वी॥ अरुवाय॥ अरुवाम॥ ॥ अरुवेत्त्वत्युगुन्त्यादि॥ ॥ अधवदो॥ ॥
 ॥ अकार्मि आत्मन यदार्थ॥ तन्तुयवानि न ववचनानि पूर्वदेवादिपु
 थाग॥ अधन॥ ॥ आदाय॥ अकार्मात्यवस्य आन आध सम्वन्धि न
 आकारस्य॥ काराद अरुवनि॥ अधन॥ अधनं॥ अधस॥ अधथ॥ ६१
 धरथ॥ अध॥ अधवह॥ अधमह॥ ॥ धर्मादधन अदावा अमित्या
 दि॥ विधि संतावनथावीणादीनि न ववचनानि याच्यानि॥ अधन॥ अध
 यागा॥ अधवन्॥ अधथा॥ अधयाथा॥ अधध्वं॥ अधय॥ अधवहि॥ अध

[illegible]

दध॥॥दीदया॥दीदध॥दीदय॥दीदवहि॥दीदमहि॥॥दी
 दगा॥॥दीदगा॥दीदगा॥॥दीदस्व॥दीदध॥॥दीदगा॥॥दीदगा॥॥
 दीदगा॥दीदध॥॥दीदध॥॥दीदध॥॥दीदध॥॥दीदध॥॥दीदध॥॥
 ॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥
 वउरुययदार्थ॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥यववयव॥॥
 वनि॥॥यवसि॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥
 यव॥॥यवगा॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥यवय॥॥

६२

मा॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 ॥यवनि॥॥यवव॥॥यवव॥॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 ॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 य॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 ॥यव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 ॥यव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 ॥यव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥
 ॥यव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥यवव॥॥

[illegible][illegible]

नि॥ किन्तु॥ उवाच॥ गुरुवनि॥ ॥ नृधामा॥ विकवत्तस्यना द्रुमि वि॥ गुरुवत्त
 वत्तुया वियुवोरुवग॥ स्वव पय॥ अत कत्तवस्या संयाग पूर्वस्य रुथो
 रुवग॥ वृवान॥ वृवग॥ वृत्तादि॥ आत्मन पदपि॥ ॥ वृव आह
 ययं वानां॥ वृव उरुव वानि वा दीनां यं वानां न प अरु स उ स थ प ६५
 अथ स वृत्तं यं वा द गुरुवनि॥ वृव आह अदं गुरुवनि॥ लको
 वा द द्वा र्थ॥ आह॥ आह उ॥ आह॥ ॥ न॥ थ॥ थका व प वृव वा ह
 का व स्य न का वा द गुरुवनि॥ आत्थ॥ आह थ॥ वृवी मि॥ वृव॥ वृम॥

म
 ५

॥ विधिसंज्ञावनथा॥ वृयान॥ वृयानां॥ वृय॥ वृत्तादि॥ ॥ वृवीन॥ वृ
 वीयानां॥ वृवीवन॥ वृत्तादि॥ ॥ वृवीरु॥ वृगादा॥ वृगां॥ वृवन्तु॥ वृदि॥
 ॥ वृगादा॥ वृगां॥ वृगे॥ वृवादि॥ वृवाय॥ वृवाम॥ ॥ वृगां॥ वृवगां॥ वृवगां॥
 ॥ अ वृवीरु॥ अ वृगां॥ अ वृवन॥ अ वृवी॥ वृत्तादि॥ अ वृग॥ अ वृवानी॥
 ॥ अ वृवन॥ अ वृथ॥ वृत्तादि॥ ॥ वृदानी लुग्वि कवत्तस्यापि रुहा र्था
 दिगत्तस्य विगव॥ ॥ वृदानी दनथा॥ ॥ का दर्दि॥ वृत्तादि नृधामा
 इरुवस्या य लुग्वि वनि॥ सगितस्मि नृधामा य दि वृवनं॥ ॥ सत्तव आदि

दिवदि॥सखवशायावयवादिबूकादिर्वनि॥ ॥कृ॥यू॥यू॥यू॥यू॥
 नि॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥क॥
 वरु॥थ॥रु॥वनि॥ ॥म॥य॥न॥ड॥व॥य॥या॥य॥यू॥यू॥यू॥यू॥यू॥यू॥
 वा॥य॥या॥य॥रु॥वनि॥ ॥क॥मा॥न॥क॥म॥न॥व॥व॥न॥न॥म॥र॥ध॥य॥र॥न॥न॥ड॥ड॥द॥ग॥वा॥ ॥६॥
 ख॥द॥क॥०॥थ॥न॥न॥च॥ट॥न॥क॥य॥रु॥वनि॥ ॥इ॥ह॥नि॥ ॥इ॥ह॥न॥ ॥ ॥द॥ ॥दि॥बू॥का॥
 इ॥ह॥न॥स॥या॥क॥रु॥थ॥न॥स॥या॥इ॥वनि॥ ॥न॥न॥य॥थ॥व॥रु॥थ॥न॥य॥न॥य॥न॥य॥न॥य॥न॥य॥न॥
 इ॥ह॥न॥न॥व॥अ॥वि॥ष॥य॥व॥का॥व॥या॥य॥थ॥रु॥थ॥न॥य॥न॥य॥न॥य॥न॥य॥न॥य॥न॥

य॥य॥व॥का॥व॥या॥ ॥इ॥ह॥नि॥ ॥इ॥ह॥नि॥ ॥इ॥ह॥थ॥ ॥इ॥ह॥थ॥ ॥इ॥ह॥मि॥ ॥ ॥उ॥व॥
 मा॥व॥रु॥थ॥ ॥य॥य॥य॥म॥य॥य॥न॥उ॥का॥व॥स॥य॥व॥मा॥ ॥य॥व॥या॥व॥रु॥थ॥या॥रु॥व॥
 नि॥ ॥क॥वि॥द॥न॥य॥ग॥यि॥ ॥इ॥ह॥व॥ ॥इ॥ह॥ ॥इ॥ह॥म॥ ॥इ॥ह॥ ॥ ॥इ॥ह॥या॥न॥ ॥
 ॥इ॥ह॥या॥न॥ ॥इ॥ह॥यू॥ ॥रु॥थ॥दि॥ ॥ ॥क॥रु॥दि॥सि॥नि॥वा॥दि॥वि॥थो॥वा॥व॥क॥य॥
 ॥अ॥ग्नि॥इ॥रु॥ ॥इ॥ह॥नि॥या॥नि॥नी॥या॥न॥लि॥ट॥ ॥ ॥इ॥ह॥गु॥ ॥इ॥ह॥ग॥वा॥ ॥इ॥ह॥
 ग॥ ॥इ॥ह॥गु॥ ॥इ॥ह॥ग॥वा॥इ॥ह॥न॥स॥य॥इ॥वि॥व॥क॥य॥ ॥इ॥ह॥वि॥ ॥इ॥ह॥ग॥वा॥ ॥इ॥ह॥
 ग॥ ॥इ॥ह॥ग॥ ॥इ॥ह॥वा॥नि॥ ॥इ॥ह॥वा॥व॥ ॥इ॥ह॥वा॥म॥ ॥ ॥अ॥इ॥ह॥ग॥ ॥अ॥इ॥ह॥ग॥ ॥

॥ अं॥ अमृतं स ॥ दिव्यं कादं रूपाय नमः सुरुवति ॥ गुणवा द(गो) ॥ अहं इह
वृ॥ अहं इह विद्यादि ॥ ॥ उहादगो ॥ उकाव आत्मन पदार्थ ॥
॥ उकाव उति कायार्थ ॥ हा नं निस्ति ॥ दिव्य च नादि पूर्ववत् ॥ ७ ॥
॥ अहं ॥ अहं सन्धिना दीर्घस्य उहं रुवति ॥ ॥ अहं निस्ति ॥ अहं ८०
अहं सन्धिना दीर्घस्य उहादगो मादमानं नमः अहं सन्धिना दीर्घस्य कावम्यः
कावद(गो) रुवति ॥ निस्ति ॥ ॥ अहं सन्धिना दीर्घस्य उहादगो मादमानं नमः अहं सन्धिना दीर्घस्य कावम्यः
दिव्यं कादं रूपाय नमः सुरुवति ॥ दिव्यं च नादि पूर्ववत् ॥ ७ ॥

दिनिहसयन॥ जिहीन॥ जिहान॥ जिहम॥ जिहीय॥ जिहाथ॥ जिहीध्व॥
 ॥ जिह॥ जिहीवह॥ जिहीमह॥ ॥ जिहीन॥ जिहीयान॥ जिहीवन॥ जिही
 थ॥ जिहीयाथ॥ जिहीध्व॥ जिहीय॥ जिहीवहि॥ जिहीमहि॥ ॥ विध्व
 नय॥ जिहीना॥ जिहाना॥ जिहना॥ जिहीध्व॥ न्यादि॥ ॥ अजिहीन॥
 ॥ अजिहाना॥ अजिहम॥ अजिहीथ॥ न्यादि॥ ॥ अनघनन॥ उहा
 कथा॥ दिव्वनादियूव्वव॥ उहानि॥ उहीन॥ उहनि॥ उहसि॥ उ
 हीथ॥ उहीय॥ उहामि॥ उहीव॥ उहीम॥ ॥ अमालाय॥ उहा

नय्यादादावालापावकय ॥ उद्यान ॥ उद्याना ॥ उद्युविद्यादि ॥ ७ ॥
 ॥ उहाउ ॥ उहीगादा ॥ उहीगा ॥ उहेउ ॥ ॥ उहीही ॥ उहीही ॥
 ॥ उही ॥ उहीनही पववा ॥ कावनी कावयुरुवनि ॥ उहिहि ॥ उहीहि
 ॥ उहाहि ॥ उहीगादा ॥ उहीन ॥ उहीन ॥ ॥ अउहाग ॥ अउहीगा ॥ उ
 र्यालसु ॥ अमिपवअ कावसालापाववनि ॥ अउद ॥ अर्यादि ॥
 ॥ उदा ॥ उदान ॥ उकावउरुयपदार्थ ॥ उकावाउत्कार्यार्थ ॥ दाः
 नि ॥ उगिनि ॥ विवचनादियुववन् ॥ उस्व ॥ ददानि ॥ दाद ॥ दि

५५

वृत्तदत्तवस्यदादवाकावस्यलापाववनिदिनियन् ॥ दरु ॥ ददति ॥ द
 दासि ॥ दत्क ॥ दत्क ॥ ददामि ॥ दद ॥ दद ॥ ॥ दद्याग ॥ दद्यागा ॥ द
 द्यु ॥ द्यादि ॥ ॥ ददाउ ॥ ददादा ॥ ददा ॥ ददउ ॥ ॥ दाही ॥ दादीना
 होयवपूर्वदकावस्यलापाववनि ॥ अगावाकावस्यवप्रकाव ॥ दहि
 ॥ ददादा ॥ ददे ॥ दद ॥ ददानि ॥ ददावा ॥ ददाम ॥ अददाग ॥ अददा ॥
 ॥ अददविद्यादि ॥ ॥ अस्मनपदयिपूर्ववदाकावलाये ॥ ददा ॥ द
 दान ॥ ददन ॥ दद ॥ ददाथ ॥ ॥ ददीन ॥ ददीयाना ॥ ददीवन् ॥ ददी

[illegible]

अविजिगीषावावहावयूनिमृतिमदमादस्वप्नकानिगतिषु॥ उक्तावन्
 द्विकन्याथ॥ दिवतिपुं० तिस्ति॥ ॥ दे० द० द० ॥ दि० द० द० ॥
 पुन्यसारवनि॥ वरु० व० य० व० ॥ अ० पा० य० द० ॥ अ० वि० ह० स० नि० दी०
 ॥ दी० य० नि० ॥ दी० य० न० ॥ दी० य० नि० ॥ दी० य० सि० ॥ दी० य० थ० ॥ दी० य० थ० ॥ दी० य०
 मि० ॥ दी० य० व० ॥ दी० य० म० ॥ ॥ दी० य० न० ॥ दी० य० न० ॥ दी० य० य० ॥ ०० र्यादि॥
 ॥ दी० य० तु० ॥ दी० य० ता० ॥ दी० य० ता० ॥ दी० य० तु० ॥ दी० य० ॥ ०० र्यादि॥ ॥ अ० दी० य०
 न० ॥ अ० दी० य० ता० ॥ अ० दी० य० ता० ॥ ०० र्यादि॥ ० ॥ अ० अ० अ० अ० य० ॥ अ० अ० अ० अ०

सु० ॥ ध्यानावादे वर्तमानस्यैष कावचकावचाऽसु कावचकावचो रुवतः ॥
 ॥ स्वादन्तः ॥ स्वादन्तः अन्तः प्रत्यया रुवति ॥ यदुष्णं यदव्युष्णं ॥ यागहिय
 यागः ॥ ॥ यादश्च तथा तोमूनमां ॥ यादव्युष्णं स गन्तव्यं वां स्वादी
 नां नमादीनां यस्य कावचकावचास्तोयूर्ध्वं राविनां वव यकावचका
 वोरुवतः ॥ तथा तस्य वनिमिहं यूससः ॥ ॥ नृपः ॥ विक्रमस्य न
 यत्ययस्य उयत्ययस्य चरुः ॥ रुवति ॥ पिति यव ॥ अरि यः ॥ जाति
 ॥ सामं सामयाजी ॥ सुनूतः ॥ दिवचनस्य दित्वा नृगुः ॥ रुति ॥ सुनूति ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

रुवनि॥दिनिविकर्कोयवत॥कूबूत॥कूर्धनि॥कवाचि॥कूबूध॥कूबूय॥
॥कवामि॥॥क॥अ॥नित्यविमोन्मत्तायावकथ॥कूर्ध॥कूर्म॥॥क॥
॥अ॥अ॥इ॥ह॥न॥ह्याकावस्यल्लयारुवाने॥यकावयव॥कूर्धनि॥कूर्ध
गां॥कूर्ध॥॥ह्यादि॥कवोरु॥कवूगादा॥कवूगां॥कूर्धनु॥कवू॥कवूगादा
कवूनी॥कवूग॥कववाचि॥कववाव॥कववाम॥॥अ॥कवान॥अ॥कवूगां॥अ॥
कूर्धनित्यादि॥॥अ॥रु॥न॥यदयि॥कवूग॥कूर्धग॥कूर्धन॥कूर्धनी॥क॥
चीन॥कूर्धीयानि॥कूर्धीवन्॥कूर्धीय॥॥कवूगां॥कूर्धगां॥कूर्धगां॥॥अ॥

[illegible]

लीथ॥ कीलीथ॥ कीलमि॥ कीलीव॥ कीलीन॥ ॥ कीलीयान॥ कीलीयागां॥ की
लीयू॥ कीलरु॥ कीलीनादा॥ कीलीगां॥ कीलनु॥ कीलीहो॥ वृत्त्यादि॥ ००॥
॥ अकीलन॥ अकीलीगां॥ अकीलन॥ अकीलन॥ वृत्त्यादि॥ ॥ आत्मनयद
पि॥ कीलीन॥ कीलन॥ कीलन॥ कीलीन॥ कीलीयागां॥ कीलीवन॥ कीलीः
गां॥ कीलगां॥ कीलगां॥ कीलीय॥ अकीलन॥ वृत्त्यादि॥ ॥ ग्रहउपादान
॥ यहाँ किदिनिव॥ ग्रहका वशक श्रयध्वग्नयचयक उडु प्रश्नदीर्घाकि
दिनिचसंयसान्तरुवति॥ बहस्यप्रकाश॥ गटक्रानि॥ गटकीन॥ गटक्रानि॥

॥ गृह्णामि ॥ श्री नमो वन्द्यय ॥ ॥ हमादानही ॥ हमाकान्कादमर्त्तननप्रत्य
 या रुवति ॥ होयन ॥ नना ॥ अन्निहस्तिक ॥ गृहाज ॥ न्यादि ॥ ॥ यष
 पूषी ॥ यूपानि ॥ यूपीन ॥ यूपुक्ति ॥ यूपीयान् ॥ यूपानु ॥ यूपीगादो ॥
 यूपीगां ॥ यूपानु ॥ यूपान ॥ यूपीगादो ॥ यूपीन ॥ यूपीन ॥ अयूप ॥
 न ॥ न्यादि ॥ ॥ मूषस्तय ॥ मूपानि ॥ मूपीयान् ॥ मूपानु ॥ मूपीगा
 दो ॥ मूपीगां ॥ मूपानु ॥ मूपान ॥ मूपीगादो ॥ ॥ अमूपान् ॥ अमूपीगां
 ॥ अमूपान् ॥ न्यादि ॥ सर्वगकर्तृविप्रत्ययादष्टया ॥ नचविरुक्तिः

[illegible]

पूर्वकिंयुपवनः॥ ककावागुदप्रतिषेधार्थः॥ कावस्येकत्वादकववन
 मव॥ वद्ववनं॥ प्रथमपूर्वस्य॥ रुयनरुवना॥ नधनधम्मि
 के॥ अस्यनसहि॥ गीदयकिंयुयदवकय॥ गयनगूदना॥ ॥स
 कर्मकापिकदाविनसकर्मकनामनूरुवनि॥ ॥उपस(नदीधत्वा)र्थे॥
 वलादन्यगनीयन॥ विदनादावसंज्ञक॥ पुनीदावपुलाववन॥ ॥स
 खमनूरुयनस्वानिना॥ ॥यनुकर्मसायदांक्रियामादृशसकर्मः
 का॥ यदृशक्रियन॥ त्वंदृश्वीक्रियसनागेर्विनागे॥ सखदंक्रिय॥०॥

॥अयकि॥ अकावस्यविदाद(नरुवनि॥ अकावप्रत्यययकिवयव॥ दका
 वायवधनार्थः॥ ननदीधत्तिनिदृति॥ ॥मृदप्रानत्याग॥ मियन॥०॥
 ॥दगनो॥ दानमादियन॥ ॥दृशदवने॥ क्रियनधनंवीवनी॥ ॥य॥
 ॥ययनपूर्वस्यदीधत्तिवनि॥ विजृययन॥ नृदिकाश्रीयन॥ दूयनअन
 वको॥ ॥दोदवि॥ दादनाकावस्यकावाद(नरुवनि॥ द्दिनियव॥ वद
 विदअदादीयनधनं॥ निधायनधनंरुमो॥ ॥अधदधननया
 यनया॥ धायन॥ मादमानमीयन॥ ॥कोगेवेनद॥ संधदनाजः

यदि। ननागर्नकावस्यवाश्वरुवति।

अभिज्ञानम् ॥ ३

मा॥ संध्यं दवा नं धातुना आत्वं रु वति ॥ अग्नयि विषय ॥ कायन ॥ गमय
न ॥ वायन ॥ ॥ गमन नूक वने ॥ गमयन ॥ उदा कल्याण ॥ दीयन ॥ या
यान ॥ पीयन ॥ स्वगति निवृत्ते ॥ स्वीयन ॥ गनाते न्नी वायं ॥ गायन ॥ ग
न्यन ॥ ॥ गुणैः किं सञ्जायते ॥ अग्नयि विषयस्य धाता ॥ अवा नान्क
संजागम दद्यु गुणैः रु वति ॥ क्वयि न किदि नि य य व ॥ ॥ अग्नो ॥ अयन ॥
॥ अस्म विना यां ॥ स्मयन ॥ ॥ यत्कर्म गुण संजागमत्क र्त्तृत्वन विवद
न सकर्म कर्त्ता ॥ गजयन दवा दाह वनं ॥ पयन उदन स्वयमव ॥ ॥

25

[illegible]

॥ यथा ॥ नय ॥ अगुस ॥ उस् ॥ थय ॥ अथूस् ॥ अ ॥ नय ॥ व ॥ म ॥ ॥ ५ ॥ आ
न ॥ ० ॥ ब ॥ स ॥ आ ॥ थ ॥ धे ॥ १ ॥ वह ॥ मह ॥ ० ॥ धा ॥ न ॥ प ॥ वा ॥ द ॥ अ ॥ नी ॥ र्ण ॥ का ॥ ल
न ॥ वा ॥ द ॥ य ॥ पु ॥ त्य ॥ या ॥ रु ॥ व ॥ नि ॥ ॥ १ ॥ घा ॥ सं ॥ झ ॥ लि ॥ ट ॥ न ॥ का ॥ बा ॥ द ॥ इ ॥ थ ॥ ॥ प ॥ का ॥ व ॥
पि ॥ का ॥ र्था ॥ र्थ ॥ ॥ दि ॥ श्व ॥ न ॥ वा ॥ दि ॥ सं ॥ था ॥ ग ॥ धा ॥ ना ॥ दि ॥ वि ॥ च ॥ न ॥ रु ॥ व ॥ नि ॥ ॥ ० ॥ ॥ २ ॥
॥ अ ॥ रा ॥ कृ ॥ दी ॥ पूर्व ॥ स्थ ॥ अ ॥ का ॥ व ॥ स्त ॥ रु ॥ ण ॥ द ॥ स्त ॥ व ॥ अ ॥ का ॥ बा ॥ रु ॥ व ॥ नि ॥ न ॥ वा ॥ दो
स ॥ नि ॥ ॥ इ ॥ स्व ॥ ॥ ऊ ॥ वे ॥ व ॥ पा ॥ ० ॥ नि ॥ व ॥ का ॥ व ॥ ॥ ॥ नु ॥ वा ॥ वू ॥ क ॥ नु ॥ वा ॥ वू ॥ ग ॥ ग ॥ मा ॥ रु
व ॥ नि ॥ न ॥ दो ॥ स ॥ नि ॥ ॥ व ॥ रु ॥ व ॥ व ॥ रु ॥ व ॥ रु ॥ ॥ व ॥ रु ॥ वू ॥ ॥ का ॥ द ॥ ध ॥ द ॥ ॥ क

[illegible]

यः सटः कित्वावकः ॥ धाताः सवस्यथययवज्जुं रुवति ॥ किन्वा
 दत्तपूर्वलापो ॥ यविथा ॥ ययविथा ॥ ययक् ॥ ययथ ॥ यय ॥ ७ ॥
 ॥ नवृत्तमावाति दक ॥ नगादिकत्थनवृद्धिः ॥ ययावा ॥ ययय ॥
 ॥ यविवा ॥ यविम ॥ ॥ आत्मनयदपिलायादि पूर्ववत् ॥ यय ॥ यया
 न ॥ यविन ॥ यविथ ॥ ययाथ ॥ अगुसटां हलादनिवकः ॥ यवि
 टव ॥ यय ॥ यविग्रह ॥ यविमह ॥ ॥ नः पूर्वसम्बन्धिनज्जको वस्य
 को वा दः सरुवति ॥ कृदाथ ॥ चकृन् निमिग ॥ ॥ धाताः जसि

२६

नः ॥ धाताः रस्यरुहस्यनामिनः वृद्धि र्नुवति ॥ जिनितितिवयव ॥ चकाव ॥
 ॥ चकृत् ॥ चकृ ॥ चकथ ॥ चकथ ॥ चक ॥ चकाव ॥ चकम ॥ चकव ॥ च
 कस ॥ वामावाथ चकाव ॥ ॥ आत्मनयदपि ॥ चक ॥ चकाग ॥ चकिन ॥
 ॥ चकिथ ॥ चकाथ ॥ ॥ नामिनावरुन् (धटः) नाम्यकाङ्गावरुनस्य
 थकावस्यदत्तं रुवति ॥ चकृन् सम्बन्धिनानिरुवति ॥ चकृद्व ॥ चक ॥ च
 कवह ॥ चकमह ॥ ॥ असुरुवि ॥ आस ॥ आसु ॥ आसू ॥ आसि
 थ ॥ आसथ ॥ आस ॥ आस ॥ आसिव ॥ आसिम ॥ ॥ कासदि प्रत्यया

दामकृत्तरूपवः॥ कासादङ्गाः॥ प्रत्ययान्ताच्चत्तौ यवश्चाभ्युत्थयारु
 वगि॥ सवदङ्गस रूपवः॥ प्रथाकृष्टः॥ ॥ कासदङ्गः कृत्सायां॥ अ
 कावाः॥ अत्कायां॥ कासां चक॥ कासांचिका॥ कासांचिकि॥ कासामा
 स॥ कासांवरुव॥ ० ॥ चकासदीको॥ चकासांचका॥ चकासांचकुरु॥ ७७
 ॥ चकासांचकुविस्थादि॥ ॥ जागृनिडादय॥ अङ्गुअभ्युत्थयस्य दङ्गवि
 धिअस्थानयतिविक्कं वागनदित्तिगं नगुन॥ जागमांचका॥ जागमांच
 कुरु॥ जागमांचकुविस्थादि॥ जागमांचरुव॥ उधंचक॥ उधंचका॥

॥ प्रध्वं चक्रि च ॥ विदहानं ॥ अकार उच्चारणार्थः ॥ ॥ अमि विदन्त गुल ॥ ० ॥
॥ अमि यत्र विदग्धं जन रुवनि ॥ विदं वि कार ॥ अमि वि दग्धं गुल ॥ विदा
मास ॥ विदां वरुव ॥ ॥ ॐ ह दग्धं ॥ ॐ ह वि क ॥ ॥ उ ह वि त क ॥ उ हां
व क ॥ ॥ ॐ ह वि का सा दय ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ अरु ना यु ल्य जान स्य अरु
सनि वृ प्तं ॥ ॥ अ कार स्य वरु वनि द्वि ति व य न ॥ वि की र्पा अ कार ॥
॥ वि की र्पा अरु रु ॥ पू र्ण याम्ब रु व ॥ ॥ व र्ण व र्ण न ॥ वृ ना दग्धं ॥ वृ
ना दग्धं न गृह्य यारु वनि ॥ व र्ण याम्ब रु व ॥ व र्ण याम्ब रु व रु ॥ व

पूर्व्याम्बरुवृन्निद्यादि॥ ॥ श्रीकृष्णकीर्त्तनकानामाम्बावक्त्राय॥ श्रीकृष्ण
 रुच्य॥ श्रीगणेश॥ दिव्यनिदिद्विर्त्वं॥ कृत्स्नं निद्रस्वत्वं॥ मरुतां जवचयांति
 वकाव॥ गुल॥ ॥ गम्य॥ आमागमय॥ ॥ विरुयाय॥ काव॥ इदवाय॥
 काव॥ विरुयाय॥ विरुयु॥ विरुयिथ॥ विरुथ॥ विरुयथु॥ विरुय
 ॥ विरुयाय॥ विरुय॥ विरुयिवा॥ विरुयिम॥ ॥ इदवाव॥ नानथाव॥ संथा
 गयुर्वस्थानकस्ववस्य धामावृत्तस्य अनपि विषयस्ववचनवकाव
 नरुवनि॥ किमु॥ उवादग्भरुवनि॥ इदवाव॥ इदवृत्तिव्यादि॥ विरु

वचिकाव॥ विरुवाचिकुरु॥ विरुवाचिकुं॥ वराव॥ वप्रुरु॥ वक्रुविस्था
दि॥ ॥ डिद्रयाश्चकाव॥ डिद्राय॥ डिद्रियंरु॥ डिद्रियू॥ डिद्रयिथ॥ डि
द्रथ॥ नृत्त्यादि॥ ॥ डिउय॥ सयनादथाङ्गिर्नि॥ सयस्ययनवादीयय
नङ्गाङ्गीर्निवाद(गभरुवति॥ डिग्मय॥ डिग्युरु॥ डिग्यूरु॥ डिगयिथ॥ डि
ग्मथ॥ डिग्मय॥ डिगय॥ डिग्यिव॥ डिग्यिम॥ ॥ वेखिर्यापद्रवयाबल्यका
लयिनादिर्वक्य॥ सूफाहंकिलविललाय॥ लयरुज(न॥ विल्लयिथ॥
विल्लयु॥ नाहंकलिगंडगमम॥ गमास्त्वव॥ गमहनजनवनद्यसन्त्य

गवामयधायालायाकवनि॥स्ववकिदिनियव॥ ॥गमूसृपुगतो॥८का
मालित्कार्यार्थ॥उगमम॥उगममु॥उगमू॥उगमिथ॥उगन्क॥उ
गमथ॥उगम॥उगमम॥उगम॥उगमिवा॥उगमिम॥उगममागम्या
दहिनादिगं॥ ॥हनदिंसागत्या॥हनद्वन्निस्सुदिनकस्यह
न॥यवस्यहस्यद्यन्निवकथंउकनिमिरातावपि॥ ॥मूमाङ्गनाक
ऊललायलोललन्नीमूवाम्हाउविलासहृद्ग॥उगरुयगोदीतनू
पुनता॥उद्यानकंसकिलवासुदव॥ ॥उद्युगु॥उद्यु॥उद्यः

वराहवाल्मीकीयसुतवाक्यद्वयानुहितं लघुद्वयस्य विरहदण्डशिलाश्चिक्कददसानन

[illegible]

स्य अकारवति॥ किंतिदिनिवपय॥ उदुगु॥ उदु॥ उद्यसिथ॥ उ
 दथु॥ उद॥ ॥ नूत्यादि॥ आगानु॥ आकारानाङ्गाः पदानय
 रुवति॥ ॥ तित्वादिनाय॥ तित्कवर्णविनायिन्पसिद्ध॥ तित्कवर्ण
 नायुगितियुग्यावृत्त्यर्थल्लय॥ ० ॥ ददोदाननृदादाता ययोय १०२
 यमूदायून॥ तस्को प्रीतस्तदास्तान धनं हित्वा वनययो॥ ॥ आता
 नपि॥ अविद्यमाना युत्यथायुसाः नपुनस्मिन् किंतिस्व वयवः
 कावस्यलाया रुवति॥ ददुगु॥ ददु॥ ददिथ॥ ददाथ॥ ददथु॥ दद॥

॥ ददो॥ ददिव॥ ददिम॥ ॥ दद॥ ददानं॥ ददिव॥ नूत्यादि॥ ॥ आगतिनि
 वृत्ति॥ त्वाङ्गिस्ति॥ अदिदिर्वचनं॥ नगसात्तवया॥ दिर्वचनकृत्य
 त्पूर्ववृत्त्यनस्य सादृक्त्वात्तवया॥ गित्यक्त॥ नगसा॥ कस्वयथादग
 य॥ तस्को॥ तस्तुगु॥ तस्तु॥ तस्तिथ॥ तस्ताथ॥ नूत्यादि॥ ॥ यायाय
 (न॥ ययो॥ ययगु॥ ययु॥ ययिथ॥ ययाथ॥ नूत्यादि॥ नू (गोय॥
 ॥ आदं॥ अ॥ स्त॥ द्वि॥ पूर्वहसादि॥ (गम॥ पूर्वस्यादिहस॥ गि
 यनं अत्याल्लयनं॥ सस्ती॥ सस्तुगु॥ सस्तु॥ सस्तिथ॥ सस्ताथ॥ नूत्या

[illegible]

॥ न व स य सान न संहारु वनि ॥ स स्व न स्य स य सान न ॥ ऊ स्व स्य ऊ स्य दी
 र्घ स्य व दी र्घ ॥ स व (रु दी र्घ ॥ वी ऊ रु ॥ वी रु ॥ व य जि थ ॥ वृ ग य ना
 जा द ॥ म ॥ व य रु ॥ वी ऊ थू ॥ वी ऊ ॥ व या ऊ ॥ व य ऊ ॥ वी जि व ॥ वी जि
 म ॥ ॥ अ स्म न य द पि ॥ वी ऊ ॥ वी जा न ॥ वी जि न ॥ वी जि म ॥ व या दि ॥ ॥
 ॥ व व य नि रु म (न ॥ उ वा व ॥ उ व रु ॥ उ वू ॥ उ व यि थ ॥ वा ॥ वू ॥ उ व
 वू ॥ उ य थू ॥ उ व ॥ उ वा व ॥ उ व व ॥ उ वि व ॥ उ वि म ॥ ॥ वू (शे व वि न
 य पि ॥ वू (शे धा न ॥ व वि न द (म रु व नि ॥ स्म न यि वि म य ॥ उ व ॥ उ वा न

॥ उचिब ॥ उचिष ॥ ॥ शिष्यपण्य ॥ सूखाय ॥ सूष्यपण्य ॥ सूष्यपण्य ॥ सूष्य
यिथ ॥ सूष्यपण्य ॥ ॐ स्वादि ॥ सूखायसूखसर्वसखा ॥ ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी
नां पूर्वस्य नृमागमा रुवनि ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ ॥ नृगण्णी ॥
दाविष्यत्वं ॥ विष्यत्वं ॥ व्यान (ग) विष्वक् रुगवान् ॥ व्यानगण ॥ व्यानगिन् ॥ १०५
॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥
॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥ नृगण्णी ॥

[illegible]

दिव॥ उगृदिम॥ ॥ अ० सखन॥ दिर्वचनादियुर्ववत्॥ सन्निव्यायस्त्राह
 न॥ स० ॥ सन्निव्यायगु॥ सन्निव्यायगु॥ सन्निव्यायिथ॥ ॥ व० ग० सुसना
 न॥ ॥ व० अ० व० य० न० पि॥ व० अ० आ० न० न० पि० वि० य० व० य० आ० द० ग० रु० व० नि०
 ॥ दि० य० नि० दि० त्वी॥ पूर्व० स० स० प्र० स० न० न० ॥ दि० नी० य० स० य० ज० य० व० न० न० मि० त्वी० १०५
 दि॥ ॥ उ० वा० य॥ उ० य० गु॥ उ० य० ॥ उ० व० यि० थ॥ ॥ य० ध० न० उ० न॥ वि० द्या० ध॥
 वि० वि० ध० गु॥ वि० वि० धू॥ वि० द्या० मि० थ॥ ग० अ० र्द्ध॥ वि० द्या० द्वा॥ ॥ य० क० र्द्धी० य० सा० यी॥
 ॥ य० य० क॥ य० य० क० गु॥ य० य० क० ॥ य० य० क्ति० थ॥ य० य० क॥ य० य० क० र्द्धी० थ॥ य०

य० क० ॥ य० य० क॥ य० य० क्ति० व॥ य० य० क्ति० स॥ ॥ स० य० आ० ग० न० कि० त्वी॥ स० य० आ० ग० इ० रु॥
 व० स० य० न० वा० द० कि० त्वी० न० रु० व० नि॥ ॥ ह० यो० न॥ य० न० य० आ० त्ति० द० म० ध० मे० क० व० च॥
 ना० क० ना० नि० या० त्ति० क॥ ॥ य० यी० स० व० क० द० लू० नी० दि० न० द० न० मे० य० आ० न० व० त्ति० नि० रु॥
 ना० स० ना० इ० ना॥ वि० गृ० य० व० क० न० मू० वि० दि० आ० व० ली॥ य० न्त्त० म० स० वा० र्द्ध० म० मे० ह० नि०
 ग० दि० व॥ ७ ॥ ॥ आ० गी० ठ॥ या० न॥ या० र्द्धी॥ या० स० स॥ या० स॥ या० र्द्धी॥ या० र्द्धी॥
 ॥ या० र्द्धी॥ या० र्द्धी॥ या० र्द्धी॥ ॥ सी० र्द्धी॥ सी० य० र्द्धी॥ सी० व० ने॥ सी० र्द्धी० स॥ सी० य० र्द्धी॥
 ॥ सी० र्द्धी॥ सी० य॥ सी० व० दि॥ सी० म० दि॥ ॥ ध० ना० ना० नि० वि० या० द० दे० य० रु० व० नि॥

॥ अङ्गीर्त्तिदिक्ष्यानिनीयात् ॥ ह्यान् ॥ ह्यास्तं ॥ ह्यासू ॥ ह्यासू ॥ ह्यासू ॥ ह्यासू ॥
 ॥ ह्यास्तं ॥ ह्यास्तं ॥ ह्यास्तं ॥ ह्यास्तं ॥ ह्यास्तं ॥ ॥ सग्रीमान् ह्यास्तं ॥
 ॥ जीव्यान् ध्यान् ॥ अकाव उच्चीरन् ॥ ॥ गन्गव दङ्गी व्याह्वान् ॥
 ॥ दूदा दूदान् ॥ ॥ दादन् ॥ दद्यान् ॥ ध्यान् ॥ ययान् ॥ गयान् ॥ ॥ यादाः
 ॥ यादादो यव अकाव स्य विदो दे ॥ अरु वन्ति ॥ क्रियान् ॥ क्रियास्तं ॥ क्रि
 यासू ॥ ॥ ह्यादि ॥ ॥ कश्म मङ्गल स्तु ॥ क्रियासू ॥ कथ्यन् ॥ कथ्यन् ॥ कथ्यन् ॥
 कश्म ॥ आत्मन यदपि ॥ कथीष्ट ॥ कथीयास्तं ॥ कथीवन् ॥ कथीष्ट ॥

॥ कृषीयाह्वा ॥ कृषीद्व ॥ कृषीय ॥ कृषीवहि ॥ कृषीमहि ॥ ॥ विष्णुस्तु मंग
लं वः कृषीष्ट ॥ ॥ ७४ ॥ अकारस्य सिस्थानि गः यवया गुल्लने रुवनि
॥ येषीष्ट ॥ स्तृषीष्ट ॥ ॥ श्वस्तु न ॥ गा ॥ गावो ॥ गावसु ॥ गासि ॥ गास्तु ॥
॥ गास्तु ॥ गासि ॥ गास्तु ॥ गास्तु ॥ ॥ गा ॥ गावो ॥ गावसु ॥ गासि ॥ गास्तु ॥
॥ गा ॥ गावो ॥ गावसु ॥ गासि ॥ गास्तु ॥ ॥ ७५ ॥ अकारस्य सिस्थानि गः यवया गुल्लने रुवनि ॥
॥ लिट् ॥ निर्वेषां घातिनीयानां ॥ ॥ सिसगासीस्य यामिट् ॥ धाता ॥ यव
यां सिसगासीस्य यल् ह्यनं यां मिठागमा रुवनि ॥ ॥ रुविगा ॥ रुवितावो

॥ सकावयव ॥ स्वयिविषय ॥ ॥ यञ्जन ॥ यञ्जन ॥ यञ्जन ॥ यञ्जस ॥ यञ्ज (ध
 ॥ यञ्ज (ध ॥ यञ्ज ॥ यञ्ज वद ॥ यञ्ज मद ॥ ॥ हनृगम ॥ स्य पु ॥ हनृद
 म ॥ अकारानागम ॥ स्य पु ॥ गगमा रुवनि ॥ हनियनि ॥ हनियन ॥
 ॥ हनियनि ॥ हनियसि ॥ हनियथ ॥ हनियथ ॥ हनियामि ॥ हनियाव ॥ १०६
 ॥ हनियाम ॥ ॥ सक्तानयि ॥ सकावस्यन कारुवनि ॥ सकावयव ॥
 ॥ अकार उच्चारणार्थ ॥ वसनिवास ॥ वस्यनि ॥ वस्यन ॥ ॥ दहुरुस्मी
 कबल ॥ ॥ दादय ॥ आदि उवादिनामित्यादिनां धकार ॥ कर्त्तव्यत्व ॥

॥ धन्यनि ॥ ॥ दूहयपूर्व ॥ ॥ धन्यनि ॥ ॥ उयधयालया ॥ धमावयध
 यानामिनालया ॥ रुवनि ॥ रुस्यनि ॥ क्तिदिबदिधा कबल ॥ रुस्य
 नि ॥ ॥ रुदयथन ॥ गस्यनि ॥ विधूसिद्धो ॥ विधूगनो ॥ विधूगसुमा ॥
 स्यवश्याजमसुसमानैवप ॥ आदय ॥ स्त ॥ धमावा दोवर्तमानया ॥
 यकावतकावया ॥ सकावनकावोरुवन ॥ सस्यनि ॥ गयियग ॥ दास्यनि
 ॥ वस्यन ॥ दास्यन ॥ ॥ डाहाकल्याण ॥ दास्यनि ॥ स्नायनि ॥ स्नायन ॥ ॥
 ॥ गुय ॥ गय ॥ ॥ गयियनि ॥ यदुयादिगर्हविमायन ॥ सायनि ॥ रु

ऊयावत्तयवदावयाः॥ अकानस्वविनडरुयपदार्थः॥ काञ्चनि॥ काञ्च
 न॥ ॐ स्वादि॥ ० ॥ स्यप्रक्रियातिक्रम॥ क्रियायाञ्चक्रमकृन्त्यिदेउ
 व्यादनिय्यस्यसिद्धिवादिपत्रः॥ स्यप्रत्ययार्थवनि॥ अरुविषयन॥ अ
 रुविषयन॥ अरुविषयन॥ ॥ कचिरुनपि॥ लुदिनिसिद्धिपादिनीयानां॥ १०६
 ॥ यदि सूचिः॥ सूचिः॥ अरुविषयन॥ नदासूचिदमरुविषयन॥ अरुवि
 रुवान्ययान्मिष्यन्॥ ॥ कलदीको॥ अयञ्च रुवान्ययान्मिष्यन्॥ यादलिः
 यन्॥ ॥ गङ्गाको॥ अरुनिष्य रुवान्ययान्मिष्यन्॥ ॐ स्वादि॥ ० ॥ रुगसि

४॥ आचार्यगमाङ्ककालसिप्रत्ययार्थवनि॥ दिवादिपत्रः॥ ॐ कावः॥ सिद्धावि
 निविण्मन्त्रार्थः॥ एषां सङ्कल्लुदिनियादिनीयानां॥ ७ ॥ दिवादावन्॥ अ
 रुसङ्कल्लुनिष्ठिः॥ ॥ दादः॥ य॥ यपवस्मेपदपत्रदाधस्काङ्कल्लुवि
 वगिर्यः॥ पत्रस्यसर्लायार्थवनि॥ ननुनः॥ अरुदृष्टिः॥ अरुगः॥ सिला
 पस्ववद्वकथः॥ अरुवन्॥ अरुः॥ अरुगः॥ अरुगः॥ अरुवः॥ अरुवः॥
 ॥ अरुमः॥ अदानः॥ अदानां॥ स्याविदः॥ सकावाकादिदः॥ अरुवस्यानड
 सुरुवनि॥ ३ स्यात्तापः॥ अदः॥ अदाः॥ अदानः॥ अदानः॥ अदाः॥ अदाव

॥ अदाम ॥ अक्षान् ॥ अस्मान् ॥ वृत्तगो ॥ न का व उच्चा व नार्थः ॥ वृत्तसिलाय
गव क द्यः ॥ अग्नान् ॥ वृत्त्यादि ॥ ॥ मादः ॥ मागद प्रयुधमानः ॥ दालाया
रुवनि ॥ चटय द्यायां ॥ माघटिष्ट ॥ ॥ ध्ववसलयिः ॥ माघटिध्वी ॥ अ
वसाग्नः साध्वर्ष ॥ माग्नगर्विगमदिर्न ॥ स्मथा ॥ गपि वृत्तुनि ॥ एवसा ॥ ११०
स्यरुन् ॥ वर्तमानार्थया ॥ अपि अस्मथा ॥ गरुता ॥ वर्तमानार्थया ॥ अ
स्मदावीगः ॥ य ऊरि स्मयुधिष्ठिरः ॥ ॥ लिख्य ॥ य प व स्मै पद य व सिल
रुवनि ॥ लिखा द दृष्टिः ॥ अकार्यगुन्निष्ठिर्ग ॥ ॥ सः ॥ सिगदात्यवसाः ॥

[illegible]

हसीत॥ जागृनिद्रादय॥ अजागवीर॥ वमउद्वमन॥ अवमीर॥ अयग
 नी॥ ओयीर॥ वयविरुसमस्त॥ अययीर॥ कषविलसनी॥ ला
 पाद्रुखाअस॥ द्रुखादुरुवस्यसलपारुवति॥ ससपव॥ अकन॥ अ
 कयागां॥ अकषन॥ अकथ॥ अकथाथ॥ अकध्व॥ अकषि॥ अ १११
 कषदि॥ अकषमदि॥ अदिता॥ अधिन॥ अधिमानां॥ अधिषता॥ ०॥
 ॥ अद्यादि॥ ॥ अद्वययन॥ अद्विवागीसो॥ अद्यगीर॥ स्वनाद॥
 ॥ अद्येष्ट॥ अद्येष्टानां॥ अद्येष्टन॥ अद्येष्टा॥ अद्येष्टाथ॥ अद्येष्ट

ध्व॥ अद्येष्टदसलपारुवक॥ अद्येष्टि॥ अद्येष्टि॥ अद्येष्टदि॥ अद्येष्ट
 मदि॥ ॥ अद्येष्ट॥ सिपुलयादिकपूर्ववत॥ वद्वि॥ ॥ अद्येष्टम॥
 ॥ अद्येष्टमथ॥ अद्येष्टिसन्तान्निहिता॥ अद्येष्टीति॥ अद्येष्टुरुवस्यस
 लपारुवति॥ ससपव॥ वधमववधेन॥ गम॥ नथ॥ अद्येष्ट॥
 ॥ अद्येष्टानां॥ अद्येष्टादि॥ अद्येष्टक॥ अद्येष्टानां॥ अद्येष्टन॥ अद्येष्टा॥ ०॥
 ॥ अद्येष्टवा॥ अद्येष्टध्व॥ अद्येष्टि॥ अद्येष्टदि॥ अद्येष्टमदि॥ अद्येष्टीन॥
 ॥ अद्येष्टाकां॥ अद्येष्टाक॥ ॥ अद्येष्टीयायां॥ अद्येष्टीन॥ अद्येष्टी॥ अद्येष्टी

विद॥ अवाक॥ अवय॥ अवाप्सीत्॥ अवाकां॥ अवाप्सू॥ ॥ वरुपाः
 यन॥ अवादीत्॥ अंसेनं॥ हाद॥ असात्॥ ग(थ)द॥ दूरिद॥ दि
 टालायादीद्ये॥ सहिवेहावादवर्तस्य॥ अवाटं॥ अवाक॥ अवा
 दी॥ अवादी॥ अवादी॥ अवादी॥ अवादी॥ अवादी॥ असादिगिकि॥ ११२
 ॥ उषिष्ट॥ अगयिष्ट॥ ॥ विनावा॥ ॥ विनावा॥ विनावा॥ विनावा॥ विनावा॥
 ॥ दिवादिपन॥ मनयवाद॥ अन्धन्॥ अन्धन्॥ अन्धन्॥ अन्धन्॥ अन्धन्॥
 ॥ ०॥ अनितानामिवत्॥ अनितानामिवत्॥ अनितानामिवत्॥ अनितानामिवत्॥

नसिपुत्यमयवद्विहवनि॥ अनीत्सीत्॥ अन्दी॥ अनीत्सीत्॥ अनीत्सी
 ॥ अनीदी॥ अनीदी॥ अनीदी॥ अनीदी॥ अनीदी॥ अनीदी॥ ॥ द्विदिनदध
 कव(न)॥ अचिदन्॥ अचिदन्॥ अचिदन्॥ अचिदन्॥ अचिदन्॥ अचिदन्॥
 अचिदन्॥ ॥ ददददवन्॥ ददददवन्॥ अनितानामिवत्॥ अदवीन्॥ अ
 सवीन्॥ नाकमनित्य॥ अदगीन्॥ नाकमनित्य॥ ददददवन्॥ ददददवन्॥
 यनवावावनि॥ ॥ अदादीन्॥ अदादीन्॥ अदादीन्॥ ॥ स्यगसं
 स्यगसं॥ अस्यादीन्॥ ॥ मृगमृगन्॥ अस्यादीन्॥ यवास्यादीन्॥ य

नामास्ती॥यनासाइ॥ ॥सिस्मा॥उयधायउ॥अनरुवति॥सिस्मावनिदा॥
 पयया॥अनिरु॥अरुत्सागा॥अरुत्सग॥अनिदावितिकि॥ ॥दशुव
 र्तिन॥अवर्तिय॥अवर्तियगा॥अवर्तियग॥ ॥लित्युमादद॥८काब
 ००॥त्यस्यसलिट्॥लितिंगाद्विता॥यमादश्वदयस्यारुवति॥दिवादियव
 क॥सैनयवाद॥अगमन्॥अस्ययन्॥अयूषन्॥अयून्॥ ॥दवच
 नूमागमावकथ॥ ॥अवाचन्॥अवाचन्॥अवाचन्॥अवाच॥
 दि॥ ॥हसयानासक्॥हकावाकासकाकाकात्यकावाकादगिवर्जिता

११३

नस्ययधदविद्यमानदादिवादियवन्॥सकपत्यथारुवति॥सैनयवाद॥
 ॥दहप्रयुन॥अधूदन्॥ ॥लिहअस्वादन्॥अलिहन्॥ ॥विश्वप्रवग
 न॥कगमवाजादीनां॥अर्त्त॥अर्त्त॥कम॥याविदन्॥याविदन्॥याविद
 न॥ ॥कथवित्तत्वन॥अकदन्॥अकदन्॥अकदन्॥
 ॥अथरावकर्म॥अथरावकर्म॥अथरावकर्म॥अथरावकर्म॥
 मादात्मनेयदानिययुयुक्॥सूत्रमनूवह्व॥दवदलन॥अनूवह्वान्॥
 ॥अनूवह्ववि॥अनूवह्ववि॥अनूवह्ववि॥अनूवह्ववि॥अनूवह्व

अथरावकर्म॥

वि॥ अनुवह विवह॥ अनुवह विमह॥ ॥ यच॥ यचान॥ यचिच॥ नन॥ म
नहान॥ मन॥ दद॥ सस॥ ॥ हंसविलासया॥ (लेभेह र्वदय॥ जग
॥ मभ॥ ॥ स्वनाकानादिनग्रहदृग्गवरावकर्मज॥ ॥ सिसनासिस्ययामीनि
दावकंय॥ अगिमिसीष्टदय॥ नित्वावृद्धि॥ सूत्रमनूराविषीष्टरुवगा॥ ११४
॥ अनुराविषीयास्त॥ अनुराविषीवन॥ अनुराविषीष्टा॥ अनुराविषीया
स्था॥ अनुराविषीद्धी॥ अनुराविषीय॥ अनुराविषीवदि॥ अनुराविषीम
दि॥ ॥ नित्वाकाव॥ अनुराविषीष्ट॥ गायिषीष्ट॥ गायिषीष्ट॥ दवदरुन॥

॥ कालिषीष्ट ॥ कृषीष्ट ॥ ॐ न्यादि ॥ ॥ ग्वस्तन ॥ अनूराविना ॥ अनूरुविना ॥
॥ ॐ न्यादि ॥ ॥ स्यपि ॥ अनूराविष्यत ॥ अनूरुविष्यत ॥ क्रियातिक्रम ॥ अ
नूराविष्यत त्वया तत्त्वयदा ॥ अष्टमं ॥ कृतं पि ॥ ॐ न नन्य कलेवि ॥ धना
स्तनिकर्तु वक्ति ॥ १॥ ॥ अथ राविकर्मनिच ॥ ॐ न्यथारुवति ॥ सवयवाद ॥
॥ गकावावृद्धार्थ ॥ ॥ लाप ॥ ॐ न सन्निधा ॥ ग्वतनालाथारुवति ॥ अनूवः
राविरुवा रुवता ॥ द्विवचनादीचनिदिट् पूर्ववत् ॥ अनूराविष्यातां ॥ अ
नूराविष्यत ॥ अनूराविष्टा ॥ अनूराविषाथा ॥ ॥ ध्वचसत्त्वयि ॥ अनूराः

विधं॥अन्वराविद्धं॥अन्वराविमि॥अन्वराविषदि॥अन्वराविष्मदि॥०॥
॥वद्वय॥अन्वरुविषगां॥अन्वरुविषन॥०॥आदि॥निमादयपूर्व॥निवा
कावि॥अरुवि॥अवाचि॥अरुविषागां॥अरुविषन॥अरुवषगां॥अरुपा
चि॥अयदागां॥अरुजि॥अरुदागां॥धृश्रुधाव(न)॥निवपूर्व॥निब ११५
आवि॥निवधविषागां॥निवधविषन॥निवधषागां॥॥पदगता॥प
निपूर्व॥पह्ययप्तागां॥०॥रुनगद॥अरुलि॥अरुनिषागां॥अ
वावदि॥अपाचि॥अवादिषागां॥सरश्चसर्पित्ववकथ॥अनउपः

आयाञ्तिवृद्धिः॥ अग्रदि॥ अग्रदियानां॥ अग्रदिवत॥ अन्त्यादि॥ ॥ नीञ्
 यायन॥ निवयूर्ध्व॥ निवन्मयि॥ निवन्मयियानां॥ ॥ अनायूक॥ अकानाने
 स्य धागायूगममारुवति॥ क्षितियव॥ अदायि॥ अपायि॥ अस्त्रायि॥ अस्त्रा
 यि॥ नियूर्ध्व॥ न्यधायि॥ न्यधायियानां॥ न्यधायिवत॥ अन्त्यादि॥ ॥ यद
 गतो॥ ॥ यदाद॥ कर्तृथ्यपीन्वकव्य॥ उदयादि॥ वृध् अववाधनं॥
 ॥ अवाधि॥ ॥ यधसंहनने॥ अयाधि॥ अऊनि॥ अवधि॥ ऊनिवध्या
 न्वृद्धिः॥ ०॥ अन्तर्नाय्ययाकृत्यस्तिवादथायायक॥ अनिगयहस

दयद्विष्ट॥ हसादङ्गना वनिगयर्थयद्वपुस्यथारुवनि॥ नस्मिन्धामा
 दिव्येन॥ ॥ यदि॥ यदि सति पूर्वस्येनामिनागुभरुवनि॥ वारुय
 ल्लिङ्गि॥ सधामु॥ यदादिप्रत्ययाकः गदाधामुसङ्गारुवनि॥ ध
 तुत्वादिवादयः॥ रुकावानुवध्वादात्मनयदी॥ अयककवि॥ अदं
 त्यकाबलायः॥ ॥ अतिगयनरुवनीतिवारुयन॥ वारुयन॥ वारुयः
 न॥ वारुयस॥ वारुयध॥ वारुयध्व॥ वारुय॥ वारुयावह॥ वारुया
 मह॥ रुडपावनस्यवहानयाः॥ वारुयन॥ रुर्वरुपालः॥ ॥ मूहव

१७६

वित्य॥ मामूयन॥ ललिङ्गन॥ जादूयन॥ वविघन॥ अगः॥ पूर्वस्याका
 नस्याकावादः॥ गुरुवनि॥ ॥ यव॥ पापयन॥ य० यकायवाचि॥
 ॥ अगल्लिदीर्घ॥ पापयन॥ पापध्वन॥ पापध्वनां॥ अयापध्वन
 ॥ ॥ स्वनादावगदीनयिद्वकयः॥ ॥ स्वनादः॥ यवः॥ स्वनादङ्गना
 ॥ यनादिगीयावयवादिबूकः॥ सस्वनादिरुवनि॥ ॥ अगगगो॥ अग
 यनध्वनः॥ ॥ अगगगन॥ अगगगन॥ ॥ दुर्लभ॥ अगगगन॥ ॥ दुर्लभ
 नूयन॥ ॥ नवदवाः॥ स्यात्तदययदि॥ ॥ ॥ गम्लस्युगन॥ ॥ अग

नो॥ ॥ गु (अहिसं) या ग धा वि नि गु ल ॥ अ वा र्य न ॥ ॥ अ म उ य नि क
 ॥ अ मा न स्य उ पा दी नां अ य र्व स्य नू मा ग मा रु व नि ॥ य दि स नि ॥ उ
 ग म्य न ॥ रु व ग ॥ ॥ नू ग म ग स ॥ अ मू व न (न) ॥ व द्रु म्य न ॥ ॥ रु न
 हिं सा ग ल्या ॥ उ र्द न्य न ॥ आ द गि नां ॥ आ द (ग) नि दि श्य न ॥ ० ॥ रु न हिं ॥ ११०
 सा यां धी ॥ धी धी य न ल् गि स्ति न ॥ पू र्व स्य रु सा दि ॥ (ग) य ॥ ल् गि न का
 व ला य ॥ कू रु अ वि नि स का व ॥ अ रु नां उ य व पा ल् गि स का व स्य उ
 का व ॥ य दि स नि गु ल ॥ उ धी य न ॥ ॥ उ य उ ल्य द्य का यां वा वि ॥ उ

उ य न ॥ उ अ य न ॥ ॥ द रु रु स्मी क न (न) ॥ द न्द अ न ॥ उ रु मे थू न ॥ उ अ
 स्य न ॥ दं ग दं ग न ॥ ना ला य ॥ धा ना वू प धा या रु न स्य न का व स्य ला या
 रु व नि ॥ हि नि रु स य न ॥ द न्द अ न म ग क ॥ ॥ रु रु आ म द न ॥ व रु
 अ न ॥ म रु रु न्की ॥ न वू नि त्या दि ॥ ॥ व न रु ला नू च य न स्या स्य ॥ व न रु
 ला द्वा ना य दि पू र्व स्य नू मां ग म मा रु व नि ॥ य का व स्या स्य उ दा द ग ॥ ॥
 ॥ वा वि रु स ॥ व व ग नि रु द्वा न या ॥ रु ल नि ष्य रु ॥ य अ र्य न ॥ यं रु स्य
 न ॥ ॥ नू न ग म वि द य ॥ ली का व ली ठि ला य थ ॥ दि व व न ॥ व ॥ पू र्व

सम्बन्धिनः ॥ नीलद्वयधस्य ॥ यद्वयदस्य धागा र्यदियत्र पूर्वस्य नीलगम
रुवनि ॥ व४ ॥ ननीलस्य ननट ॥ ॥ वरुवरुन ॥ वनीवस्य नवारुसुवि
रु ॥ यदस्य सुध्वसुर्ववृत्तं संकशयनस्कन्दायदिसनियुर्वस्य नीलग
मावकथ्य ॥ यदगनी ॥ नित्यं च ॥ उययुर्व ॥ ॥ दनायनीययन ॥ नद्यद ११८
न ॥ ॥ सुध्वसुर्ववृत्तं संकशयनस्कन्दायदिसनियुर्वस्य नीलग
॥ वं वृगनी ॥ वनीवस्य न ॥ रुद्रसुध्व ॥ यनन ॥ वनीयस्य न ॥ ॥ कस
दिं साया ॥ वनीकस्य न ॥ यरुयनन ॥ यनीयस्य न ॥ वनीस्कन्दायन ॥ ॥

॥ अथादि ॥ ॥ स्कंदिवगतिः ॥ भयलयाः ॥ ॥ वनूवंध ॥ नगगत्त्वया ॥ यु
कशुकवले ॥ कयनं निस्ति ॥ ॥ मनाविः ॥ अकावाकस्यविश्रुदः ॥
रुवति ॥ यदि सति यच्च अदिर्वचनी ॥ किं कियं निस्ति ॥ पूर्वस्य रु
सादिः ॥ गषः ॥ निवकावलायः ॥ वूर्त्तगुल्यः ॥ यन्निदीयः ॥ अग्निग
यनकवानातिचक्रियत ॥ ॥ रुद्रवले ॥ उद्गीयत ॥ वृष्टवले ॥ वर्व
यत ॥ मृदुयालयाग ॥ मसीयत ॥ दादविनीकावकनदिर्वचनी ॥ दाद
न ॥ ददीयत ॥ यपीयत ॥ द्यागन्धियादान ॥ ॥ द्याध्वनी ॥ द्याध्वनी

कु॥ पायकादा॥ पायन्धि॥ अयायक॥ अयायग॥ अयायवीर॥ ॐ
 सादि॥ ॥ वदद्यकायावावि॥ अनिगयनवदनीनिवावदीति॥ वा
 वलि॥ वावरु॥ वावदनि॥ वावद्यात॥ वावदीतु॥ वावरु॥ वावरा
 दा॥ वावरु॥ वावदनु॥ वावद्धि॥ ०॥ अवावरु॥ अवावद्॥ अवाव १२०
 दीत॥ ॥ घटचस्याया॥ समपूर्व॥ संजाद्यदीति॥ संजाद्यद्धि॥ सं
 जाद्येद॥ संजाद्यदनि॥ संजाद्यद्यात॥ संजाद्यदीतु॥ संजाद्यद्द॥ सं
 जाद्यददा॥ संजाद्यद्द॥ संजाद्यदनु॥ संजाद्यद्धि॥ ॥ समजाद्यद्द॥ सं

मजाद्यद्द॥ समजाद्यदीत॥ ॥ रुसकाया॥ यदि॥ यदियवपूर्वम्यन
 मिनातु॥ रुवनि॥ संवारुवीति॥ संवारुनि॥ संवारुयात॥ संवा
 रातु॥ संवारुवीतु॥ संवारुगा॥ संवारुवतु॥ संवारुहि॥ समवारु
 वीत॥ समवारुत॥ समवारुद्द॥ समवारुगा॥ समवारुव॥ सम
 वारुवी॥ समवारु॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ शुक्लकवली॥ अकावाकाना
 मृदयधानाचिपूर्वस्ययद्दत्तकिसतिबुक्कविकुवीकुआगमावक
 व्या॥ ॥ चर्वनीनि॥ चर्विकनीनि॥ चर्वीकनीनि॥ चर्वेहि॥ चर्विकहि॥ च

नीकर्त्ति॥चर्कग॥चविक्रग॥चनीकग॥चर्कति॥चविक्रति॥चनीकति॥
॥चर्कनीषि॥चत्रिकनीषि॥चनीकनीषि॥चर्कषि॥चत्रिकषि॥चनीक
षि॥चर्कथ॥चविक्रथ॥चनीकथ॥चर्कथ॥चविक्रथ॥चनीक
थ॥चर्कनीमि॥चत्रिकनीमि॥चनीकनीमि॥चर्कमि॥चत्रिकमि॥च
नीकमि॥चर्कव॥चत्रिकव॥चनीकव॥चर्कम॥चत्रिकम॥
चनीकम॥॥विषि॥चर्कया॥चविक्रया॥चनीकया॥चर्क
या॥चविक्रया॥चनीकया॥चर्कयू॥चत्रिकयू॥चनीकयू

[illegible]

गान्॥ चनीकगान्॥ चर्कनं॥ चविकनं॥ चनीकनं॥ चर्कन॥ चविकन॥ चनीक
 न॥ चर्कनानि॥ चविकनानि॥ चनीकना नि॥ चर्कनाव॥ चविकनाव॥ च
 नीकनाव॥ चर्कनाम॥ चविकनाम॥ चनीकनाम॥ ॥ अनयनन॥ अच
 र्कनीन॥ अचविकनीन॥ अचनीकनीन॥ अचर्क॥ अचविक॥ अचनीक॥
 ॥ अचर्कनां॥ अचविकनां॥ अचनीकनां॥ अचर्कवृ॥ अचविकवृ॥ अचनीकवृ॥
 अचनीकवृ॥ अचर्कनी॥ अचविकनी॥ अचनीकनी॥ अचर्क॥ अच
 विक॥ अचनीक॥ अचर्कनं॥ अचविकनं॥ अचनीकनं॥ अचर्कन॥

122

॥ अचविकन॥ अचनीकन॥ अचर्कनी॥ अचविकनी॥ अचनीकनी॥ अचर्कव॥
 ॥ अचविकव॥ अचनीकव॥ अचर्कम॥ अचविकम॥ अचनीकम॥ ॥ वरु
 वरुन॥ वरुनिपुल्लिखित॥ अनिगयहसादयदद्विष्टयदपुल्लय॥ दिष्ट
 ॥ वरुनिपुल्लिखित॥ व॥ वरुनिपुल्लिखित॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वनीवृ
 नीति॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वनीवृ
 ॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वनीवृनीति॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वनीवृनीति॥
 ॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वनीवृनीति॥ वरुनीति॥ वरुनीति॥ वनीवृनीति॥ वरु

मीमि॥वनिवृमीमि॥वनीवृमीमि॥वर्वत्मि॥वनिवत्मि॥वनीवत्मि॥वर्वत्त्वः॥
॥वनिवत्त्वः॥वनीवत्त्वः॥वर्वत्स्मः॥वनिवत्स्मः॥वनीवत्स्मः॥॥वि॥धो॥
॥वर्वत्स्याः॥वनिवत्स्याः॥वनीवत्स्याः॥वर्वत्स्यातां॥वनिवत्स्यातां॥वनीवत्
स्यातां॥वर्वत्स्युः॥वनिवत्स्युः॥वनीवत्स्युः॥वर्वत्स्याः॥वनिवत्स्याः॥वनी
वत्स्याः॥वर्वत्स्यानं॥वनिवत्स्यानं॥वनीवत्स्यानं॥वर्वत्स्यात॥वनिवत्स्यात॥व
नीवत्स्यात॥वर्वत्स्याी॥वनिवत्स्याी॥वनीवत्स्याी॥वर्वत्स्याव॥वनिवत्स्याव॥व
नीवत्स्याव॥वर्वत्स्याम॥वनिवत्स्याम॥वनीवत्स्याम॥॥वर्वत्नीतु॥वनिवृ

गीर्णु॥ वनीवृतागु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥
 ॥ वनीवर्णु॥ वा॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥
 गु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥
 दा॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥
 ॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥
 गावा॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ववर्णु॥ वनिवर्णु॥
 निवर्णु॥ वनीवर्णु॥ ० ॥ नास्तस्य॥ वहादूरस्य कावस्येवेलाः

शीयति निश्चयमूपाधायः॥ यूरीयतः॥ यूरीयन्ति॥ यूरीयन्॥ यूरीयतां
 ॥ यूरीययः॥ यूरीयतु॥ यूरीयताद्वा॥ यूरीयतां॥ यूरीयन्तु॥ अयूरी
 यन्॥ अयूरीयतां॥ अयूरीयन्॥ रिदू॥ यासादीयति कदा॥ ७ ॥
 ॥ रुससायां॥ वृद्धायामात्मनः॥ धनानि दद्यात्॥ आत्मनः॥ स १२५
 यत्यथारुवति॥ सयन्स्वसंवीधिनीदिश्व॥ सायदित्वी॥ इस्ववृत्तिः
 स्वत्वं॥ अयानां उववया॥ वृत्तिवकायः॥ रुविनुमिच्छति॥ वूरुयति
 ॥ वूरुयन्॥ वूरुयन्तु॥ अयूरुयन्॥ ॥ वृ३स॥ उय्यअय्यवृत्तस्माद्व

[illegible]

॥ इह सति ॥ इह सन् ॥ इह सन्तु ॥ अइह सन् ॥ ॥ वृणु ॥ वृणु सति ॥ वृणु
 सन् ॥ वृणु सन्तु ॥ अ वृणु सन् ॥ ॥ यः स ॥ ॐ अ अ यः ॥ अ का नः पूर्व ॐ
 का नः रु वति स य व ॥ गु नः ॥ यु क्त्य (अन्य गु सा नः) ॥ ॐ द अ ध्या य नः ॥
 ॥ ॐ द ग म ॥ ॐ द ग म ॥ ग मा द (अ रु वति स य व) ॥ अधि जि गे सति ॥ स य स ॥ २६
 या दे न्य गु प्र क्त्य (अ धा त्व (अ गु नः) ॥ अ प्र धान रु वति न न का ष न यः ॥
 कः मि त मि क्त नी नि पा क स्य प्रा धान्य न वि का या का ष सं व र्ध यति ॥ ॥ द व
 द रु ॥ अ द न य च नि गु न नः ॥ गु न नि पा र्गु ण ल च का ष य अ मि श्र य न निः

गु न नि उ च्य क दू र्ध्व ॥ ॥ का ष न यि य द नि ॥ यि य द रु ॥ यि य द रु ॥ अ यि
 य द रु ॥ पा पा न ॥ यि पा स नि ॥ यि पा स रु ॥ यि पा स रु ॥ अ यि पा स रु ॥ ० ॥
 ॥ त्य उ व यो हा नो ॥ पूर्व स्य रु सा दि (ग यः ॥ अः कः ॥ त्व स व यो ॥ चि ल
 यः ॥ क ष स थो ग दः ॥ नि त्य द नि ॥ नि त्य द रु ॥ नि त्य द रु ॥ अ नि त्य द रु
 ॥ ० ॥ व व य वि रा ष (नः) ॥ वि व द नि ॥ वि व द रु ॥ वि व द रु ॥ अ वि व द रु ॥
 ॥ प वी स दू य ॥ यि य द नि ॥ यि य द रु ॥ यि य द रु ॥ अ यि य द रु ॥ ॥ ॥
 ॥ ग्र ह उ या दान ॥ ग्र ह वि नि च ॥ आ दि उ वा ना अ रु क्त स्य भ र्गो (स्वा ॥ ॥
 ॥ डि य द नि ॥ डि य द रु ॥ डि य द रु ॥ अ डि य द रु ॥ ॥ य ऋ ऋ सा य ॥

॥ ग्रहां द्विनिचतिर्मयसानर्गः ॥ पियदति ॥ पियदगु ॥ पियदगु ॥ अपियद
दगु ॥ ॥ हनदिंसागत्याः ॥ ॥ हनंसागित ॥ हनंसागित ॥ सकावादि
हवनि ॥ निखावद्विः ॥ ॥ हनाद्य ॥ जिघांसेति ॥ जिघांसु ॥ जिघांस
गु ॥ अजिघांसु ॥ ॥ ह्यादि ॥ ॥ इदं कनका ॥ अगन्तु ॥ अकानस्य
॥ रुवनि ॥ द्विनिचयन ॥ असावनि कार्यविधिः ॥ केकिन सनिय
निस्त्रिग ॥ कदाचुवितिवृत्ति ॥ अविहसन्निदीर्घः ॥ विकीर्षति ॥ विकी
र्षु ॥ विकीर्षु ॥ अविदीर्षु ॥ ॥ ह्यादि ॥ ॥ इदं कनका ॥ जिदीर्षः

[illegible]

अकारस्याकारुवनि॥वान्यगुलगनवर्कनन्तियद्वलाय॥सिसमाः
 सिम्ययामिद॥न्तिन्तागम॥यापविना॥यापविना॥यापविनाः
 न॥यापविनास॥न्त्यादि॥॥दादान॥दानियन्तिन्ति॥न्त्यायामा
 स्मन॥स॥न्तिसपुष्ययद्विर्व॥॥न्त्या॥दादीनस्त्रिवस्यसपवन् १२६
 साद॥रुवनि॥पूर्वस्यवलाय॥समानपीनिसकावस्यनकाव॥॥
 ॥दिसनि॥दिसन्॥दिसन्॥अदिसन्॥॥श्रुभाश्रुभावनयायनया॥
 ॥पूर्ववत्साधनिकाश्रुगपिधिसनि॥धिसन्॥धिसन्॥अधिसन्॥॥

॥सादमान॥श्रुमिश्रयद्वपनद्वयावसमानव्ययी॥पपूर्व॥पमित्सन्॥पमि
 त्सन्॥पमित्सन्॥अपमित्सन्॥॥श्रुलरुवययाको॥श्रुकावयकावकार्यीत्ये
 रुकावस्याकालेअस्मानपदार्थ॥लरुसन्तिन्ति॥रवसवयायसानामि
 निरुकावस्ययकाव॥न्त्यासाद॥पूर्वस्यवलाय॥न्तिद्विर्व॥र
 गस्यलकावस्यलाय॥कावाश्रु॥संथागम॥न्तिसकावलाय॥॥
 ॥लियसन्॥लियसन्॥लियसन्॥अलियसन्॥॥वरुवारुस्य॥श्रुधुवियसन्
 ॥लियसन्॥वियसन्॥अवियसन्॥॥पहृयनन॥पनावट॥पनाधना॥सकाव

[illegible]

गमरुवनि॥ अगिगुमिक्कनि अगिगिषनि॥ अगिगिषन॥ अगिगिषनु॥ अ
गिगिषन॥ ॥ गुपगमयनकुत्सनथा॥ गुस्य॥ गुपादिस्य॥ स्वाथसयस्य
यारुवनि॥ नस्मिन्सनिधनदिग्ररुवनि॥ इगुप्सनि॥ इगुप्सन्॥ इगुप्सन्
॥ अगुगुप्सन्॥ उरुय॥ किनवागमयनयनसंगयव॥ विकिस्सनि॥ विकि
स्सन्॥ विकिस्सन्॥ विकिस्सन्॥ ॥ निडनिगमनहमायावा॥ उरु
ययेदी॥ निनिहन्॥ निनिहन्॥ निनिहन्॥ अनिनिहन्॥ ॥ मानविचान
(॥ यडायाय॥ मानादीनायूद्यस्य दीर्घावकथ॥ मीमांसन्॥ मीमांस

[illegible]

॥ धूयायनि ॥ धूयायन् ॥ धूयायतु ॥ अ धूयायन् ॥ उरुययेयदी ॥ ॥ विक्र
मो ॥ विक्रायनि ॥ विक्रायन् ॥ विक्रायतु ॥ अविक्रायन् ॥ ॥ यत्तयवदाव
मुनीयनव ॥ यत्तायनि ॥ यत्तायन् ॥ यत्तायतु ॥ अ यत्तायन् ॥ उरुययः
दी ॥ यत्तायनि ॥ यत्तायन् ॥ यत्तायतु ॥ अ यत्तायन् ॥ ॥ नाम्नोयवीयास्य ॥
॥ नाम्नोच्छायामर्थयप्रेत्यारुवनि ॥ न'स्तन्तिथागयाकावस्यवीका
वाद'रुवनि ॥ अग्राद्यात्मसंविधिनीलया'अ' ॥ आत्मनःपूजमिच्छति
॥ पूगीयनि ॥ पूगीयन् ॥ पूगीयतु ॥ अ पूगीयन् ॥ धनमिच्छनीति ॥ धनी

यति॥ उदकस्यादनादग॥ उदकमात्मनः॥ लूकनि॥ उदन्यति॥ काममय
 कृति॥ ॐ आया मर्थयुक्तकाम्यनि॥ ॥ कवलेवयः॥ कंवादिश्यः
 वलेवययुक्तारुवति॥ ककुक्वागीति ककुयति॥ उरुयपदी॥
 ॥ तपः॥ कवागीतिनयस्यति॥ मनः॥ कवागीतिमनस्यति॥ ॥ उरुयपदी
 थश्च॥ ॥ जिह्वीत्कवले॥ नाम्नाश्चिप्रयथारुवति॥ कवलेवयः॥ सवति
 ॥ ॥ तिलाकिलायः॥ ॥ कामावद्वयः॥ सधारुविनिधारुसंहायः॥ नि
 वादयः॥ चदिनिष्कृतिनिष्ठः॥ अत उपधायान् निवद्विप्रायो॥ ॥

१३१

॥ मिर्गाङ्गस्वः॥ धारुपा० मिर्गन्धर्वपठिगानां धारुनाङ्गस्वारुवति॥ ॥
 ॥ अय कर्तुमि॥ गुल्मयादलेयटं कवागीतिचटयति॥ चटयत॥ चटय
 तु॥ अचटयत॥ चटयान्वकाव॥ चटयिता॥ चटयिष्यति॥ अचटयि
 यत॥ अचटयीत॥ महानं कवागीतिमहयति॥ उरिं कवागीति उरयः
 ति॥ उरिं उरयत॥ उरयतु॥ उरयत॥ ॥ पृथ्वादवः॥ पृथ्वादवः॥ अ
 कावस्यमारुवति॥ प्रथयति॥ उरयति॥ कणकवागीतिकणयति॥ मृद
 कवागीतिमुहयति॥ धाराः प्रवले॥ प्रवलेयथाजकथापावर्थश्चिप्र

त्यथारुवति॥ कूर्चैर्नका वयति॥ यः स प्रथाङ्क कर्त्तुं पावयति॥ गभस
अनुगच्छे॥ गभसिनिष्पूतिमिश्रं॥ अनुप्रकर्त्तुविग्रहः॥ अयादगः॥
॥ अनुगभसयति॥ अनुगभसयन्॥ अनुगभसयतु॥ अनुगभसयन्॥ ७॥
॥ रुद्रदि॥ ॥ रुद्रदिंसागत्याः॥ रुद्रार्धः॥ रुद्राग्यादाद(गभरुवति १३२
॥ क्षीणवर्जितं॥ दानयति॥ दानयन्॥ दानयतु॥ अदानयन्॥ ॥
॥ षड्विसवनगत्यवसादनम्॥ ॥ सदः सन्॥ सदद्वागः सगाद(गभ
रुवति॥ सागयति॥ सागयन्॥ सागयतु॥ असागयन्॥ ॥ गद्गभगतं॥

॥ गदगद॥ गगयति॥ गगयत्॥ गगयतु॥ अगगयत्॥ ॥ वागा (शेष
क॥ अगगोविद्यस्य धना वाका वाकस्य व (शेष व पुनगगमारुवति॥ ७॥
॥ दूदादूदान॥ दाययति॥ दाययत्॥ दाययतु॥ अदददयत्॥ ॥ छागतिः
निदहो॥ स्तानियन्निस्तिन॥ ॥ नोना (शेष क॥ निपुनगगम॥ धनाय
व (नन्निजिपुत्यय॥ गुन॥ अयादग॥ स्तोपयति॥ स्तोपयत्॥ स्तो
पयतु॥ अस्तोपयत्॥ ॥ यायायन॥ याययति॥ याययत्॥ याययतु॥
॥ अयाययत्॥ ॥ अगगो॥ गुन॥ अय्ययति॥ अय्ययत्॥ अय्ययतु॥ अ

र्ययन् ॥ ॐ द् अथयन् ॥ ॐ दाद (अथयन् कथ ॥ ॐ दि कावयुयसर्ग
 नी न वृत्तिवन्तः ॥ अधिपूर्वः ॥ अध्यापयन् ॥ अध्यापयन् ॥ अध्यापय
 नु ॥ अध्यापयन् ॥ ॥ यगन्ता (अव कथ ॥ दीन जाया ॥ कथयन् ॥ क
 थयन् ॥ कथयन् ॥ अकथयन् ॥ ॐ द् ॥ ॥ लीद विलपन ॥ लीद अ
 दो व कथ ॥ विलापयन् ॥ विलापयन् ॥ विलापयन् ॥ विलापयन् ॥ ॥
 ॥ पापान ॥ पादय कथ ॥ पापयेनि ॥ पापयन् ॥ पापयन् ॥ अय
 पयन् ॥ ॥ गीद स्वधो ॥ गगन कथ ॥ संधि कथ ॥ गमययनि ॥

१३३

॥ गमययन् ॥ गमययन् ॥ अगमययन् ॥ ॥ पी गन्तव्य ॥ पी गन्तव्य
 कथ ॥ पीनयनि ॥ ॥ धू गन्तव्य ॥ धूनयेनि ॥ धू वन्त ॥ ॥ जानाग
 दस्व ॥ क्वाव वधन ॥ क्वापयनि ॥ क्वापयनि ॥ वति स्म दीर्घ गो व व कथ ॥
 ॥ ह्रीप्सनि ॥ जिह्वापयिषनि ॥ ॥ वृ बा द र्शि ॥ वृ बा द र्ग ल त्वा (थि जि पय
 थारु वेनि ॥ वृ वस्तय ॥ वृ वयनि ॥ पाल व द (न ॥ पालयनि ॥ विनी र्त्त
 यो ॥ न ॥ वक्तयनि ॥ विनि स्म र्त्त ॥ ॥ ॐ दि गान् ॥ विक्तयनि ॥ ॥ नि दिक्
 त्साया ॥ नि दयनि ॥ अर्च पूजाया ॥ अर्चयनि ॥ जि का वा नू र्व ध त्वा दा र्त्त

[illegible]

नामकावस्थ कावाकवनि॥ लघोपवउपधायकस्वयं॥ अपीपयन्॥ अ
पीय० न॥ अपीपयन्॥ अजीजनन्॥ यदगनी॥ पुत्यपीपयन्॥ अजी
यदन्॥ ॥ चरवक्ष्यो॥ नमः॥ अकावा॥ द्यूकनरुवनि॥ दोदग
नी॥ अरुदोक्रन्॥ ॥ द्यावयाकुया॥ अययाचन्॥ ॥ वहयापन॥
॥ वहकि॥ वहद्वानाकियत्यारुवनि॥ यजांयंजं वनाजंयुनः संपु
सावर्ण॥ हाद॥ नथं॥ दूहि॥ दू॥ दिदालायादीर्घ्य॥ अर्तिल
वा॥ सवर्ति॥ सधारु॥ दिवादावन्॥ स्वमाद॥ अरु॥ दिथ॥ स्व

नाद ४ य ४ ॥ उ ड ॥ ड ड ड ॥ १२४ ॥ वा व मान ॥ अदि यूर्व स्वर स्य ड ॥ अदि य
व यूर्व द का व स्य ड का व रु व ति ॥ ॥ ड ड ड ॥ ॥ छा ग नि नि व लो ॥ दा द वि ॥
॥ ॐ गी का व रु न पृथ वि च च न ॥ प्र त्य नि षे य न ॥ पा पा न ॥ य न व्नि अ का १३५
व ला य ४ ॥ या द यूर्व ॥ अ पी य न ॥ क यू सा म र्थ ॥ क य लो ल ॥ स ल ॥ क य
द्वा ग व द्वा का व था ४ क मा ल का व ल का व रु व न ॥ क ल्य य नि ॥ क ल्य य न ॥
क ल्य य रु ॥ अ क ल्य य न ॥ क ल्य य न ॥ क ल्य य न ॥ क ल्य य न ॥ अ क ल्य य न ॥

॥ वृत्ताद विनिश्चि यत्ययः ॥ ७३ नद्धिश्च ॥ नूति अद्ध्ययया ॥ द्विश्च ॥ कृकयिः
 अन्तु निस्तिन ॥ ७३ विनिनायः ॥ नः ॥ नूति अकानः ॥ अदिल यो कृस्व ॥ उपधा
 याः ॥ नूति नू कानः ॥ लया दीर्घः ॥ नूति दीर्घः ॥ कृदाश्च ॥ जल् ॥ यवी कृप
 न ॥ यवी कृप न ॥ यवी कृप न ॥ यवी कृप न ॥ यवी कृप न ॥ यवी कृप न ॥ य
 वी कृप ॥ यवी कृप ॥ यवी कृप ॥ यवी कृप ॥ यवी कृप ॥ यवी कृप ॥ यवी कृप ॥ य
 नि नूत्यन ॥ ॥ दग्धदः ॥ यश्चदिः ॥ दग्धदद्भिः ॥ यश्चदि वादग्नेरु वल्य वा
 दी विषय ॥ दग्धदद्भिः ॥ अस्व यश्चदिः ॥ यश्चदि ॥ अवि क वल्य वादग्नेरु

वनिवदूयनयं॥यायान॥याळ्यस्यपिवादन॥पिवनि॥॥घ्रागभाया
 दान॥अस्यजिघादन॥जिघनि॥आगदानिसंथागदया॥अस्यधमा
 दन॥गर्वधमनि॥लार्धधमनि॥॥स्वाळ्यस्यनिष्ठादन॥निष्ठनि॥
 ॥दानूदान॥दान्यस्ययच्छादन॥यच्छनि॥॥स्नात्यास्य॥ळ्यस्यम
 नादन॥मननि॥अगतावित्यस्यच्छादन॥अच्छनि॥अगतावित्यस्य
 धावादन॥धावनि॥गङ्गागतन॥अस्यगीयादन॥गीयन॥अहवि
 सवनगस्यवसादन॥अस्यसीदादन॥सीदनि॥॥गमाच्छ॥गमाद

१३३

नाच्छकाभारुवत्यवादाविषय॥गच्छनि॥॥यूळ्छाया॥॥च्छनि॥यमूनिय
 म॥यच्छनि॥जाऊनिहा॥हाअववाधन॥ऊनीपादरुवि॥अनथाऊदन
 रुवनि॥अवाद्योविषय॥दिवादय॥जायन॥नाऊद॥जाववाधन॥जा
 नाति॥जानीन॥॥हनृगस्यय॥हनृङ्गा॥अकानाकाइमध्यस्यय॥
 जागभारुवति॥सविद्यति॥असविद्यत्॥॥सृगता॥हनृसि॥नित्य॥नि
 त्वाहृदि॥किलात्य॥स॥कनस्य॥स॥दिवादावत्॥वावसान॥असायी
 ॥असायी॥असायी॥॥गरुग्नगन॥गग्नद॥गदा॥गत्यनि॥अगः

[illegible]

न। लु। द्या। द। द। नि। मू। र्व। द। षू॥ की। ठ। नू। संप। वि। स्थ। अ॥ अ। नू। संप। वि। स्थ॥ की। ठः॥
 आ। त्म। न। प। दं। रु। व। नि॥ अ। नू। की। ठ। न॥ संपं। की। ठ। न॥ प। वि। की। ठ। न॥ स। म। व। था। प॥
 वि। स्थ॥ ४॥ स्तु॥ ४॥ संपं। ति। ष्ट। न॥ अ। व। नि। ष्ट। न॥ य। नि। ष्ट। न॥ उ। प। नि। ष्ट। न॥ वि। नि। ष्ट। न॥ ॥
 ॥ उ। पा। नू। म। नू। क। न। ल। व। वा। त्म। न। प। दं॥ ग। य। आ। अ। र्ध। मू। प। नि। ष्ट। न॥ अ। न्य। गुरु॥
 गुरु॥ मू। प। नि। ष्ट। नि॥ ॥ उ। दि। स्थ। नं। य॥ न। प। संपं। ग। य॥ उ। रु। प। न॥ वि। रु। प। न॥
 ॥ आ। द। य। म। ह। न॥ आ। य। क्त। न॥ आ। ह। न॥ ला। प। स्तु॥ नू। दा। रु। ता। ना। मि। ति। न। ला। प॥
 ॥ स्वा। न्। क। र्म॥ ॥ व। स्वं। व। द॥ आ। ह। न॥ अ। न्य। गुरु॥ गुरु॥ मा। हं। ति॥ ॥ उ। दं। वं। श्रं। न॥

वस्त्राग ॥ उच्चरन्मलं ॥ समस्तुनीयायूकाच्च ॥ संवत्सरवधेनदवदह ॥
 ॥ अन्यरुसंचलेनिदवदह ॥ व्यवयवित्यः की ॥ विकीलीन ॥ ज्वकी
 लीन ॥ यविकीलीन ॥ गपउयत्तंरु ॥ वितयन ॥ अन्यरुगयनि ॥ ॥ झां
 स्मृदंसांगानामाग ॥ डिह्लासनि ॥ गृष्मयन ॥ सूस्मृयन ॥ दिदृक्त ॥ कर्म
 यतीहान ॥ अन्यरुहिंसादनाग ॥ विवदक्तवादिन ॥ ग्रेडाथरिसवत ॥ क १३६
 मयादविदय ॥ कमःसायसंज्ञस्ययदीयताववकथा ॥ संकासनि ॥ उय
 कामनि ॥ कर्मयन ॥ आदयय्ययथावमः ॥ वृत्तवृक्षस्यद्वयप्रवलेकयू

सामर्थस्ययुल्लयाकसप्रत्ययाकस्यः पवस्मेयदेवारुवति ॥ आत्मन
 यदंठच ॥ विवमनि ॥ आवमनि ॥ यविवमनि ॥ उपवमनि ॥ ॥ वृक्षः
 ॥ स्यसंथावल्गुगमारुवति ॥ ॥ त्याघूझाघू ॥ विवलिषनि ॥ विवत्स
 नि ॥ वलिषनि ॥ वत्स्यनि ॥ वलिष्यन ॥ वत्स्यन ॥ मूवादम्स ॥ मूवाद
 र्जत्तम्सांगमारुवति ॥ मूवादेविषय ॥ मूचुमावत ॥ गुदादवः ॥ मूच
 नि ॥ विदुत्तारु ॥ विदनि ॥ ॥ ॥ दिगान्म ॥ ॥ दिगान्म ॥ ॥ नूमागमारुव
 नि ॥ दूनदिसमृद्धो ॥ त्वादित्वादय ॥ नन्दनि ॥ वदिअरुवादनमुत्था ॥ व

दन॥ गंकि गंकायां॥ गंकि॥ गमां दीर्घः॥ गमा दीनां दीर्घा रुवति॥ अवा
 दो विषयः॥ इ० वं० यं० अं० नं० सं० कनिच कवि॥ कवि० पु० ल्य० य० य० गमा
 दीनां इ० वं० यं० दीर्घा रुवति॥ गमा०॥ कान०॥ दान०॥ दू० य०॥ ॥ इ० वं०
 यं० अं० नं० सं०॥ जि० पु० ल्य० य० न० स्य० इ० वं० यं० दीर्घा रुवति॥ गमा० द० मु० द० मु० उ० य० गमा०
 ॥ गमा० म्य० नि०॥ दा० म्य० नि०॥ गा० म्य० नि०॥ द० मु० व० स० द० न०॥ दा० म्य० नि०॥ क० मु० ल० नो०॥
 क० म्य० नि०॥ म० दी० द० य०॥ मा० य० नि०॥ ॥ दि० वा० द० य०॥ उ० मु० द० ल० न०॥ या० म्य० नि०॥
 ॥ गमा० ल० नो०॥ गा० म्य० नि०॥ द० मु० व० गमा० न०॥ दा० म्य० नि०॥ दू० य० वे० क० ल्य०॥ दू० य० य० नि०॥

१३९

मृदुपात्रत्यागः

॥ यथा॥ य० का० व० य० व० ध० गा० वा० का० व० ल्य० ला० या० रु० व० नि०॥ दा० अ० व० र० व० पु० न०॥ य० नि०॥
 ॥ गमा० न० क० न० ल०॥ ग्य० नि०॥ या० अ० न० क० म्म० नि०॥ ल्य० नि०॥ ॥ या० नू०॥ य० व० न० द्रि० क
 व० ल्य० अ० व० नू० ल्य० रु० व० नि०॥ दि० नि० य० न०॥ व० ना० य० वा० द०॥ मृ० दू०॥ मू० मू० र्म० नि०॥ यृ०
 या० ल० न० पु० न० ल० य०॥ स० पु० ल्य० य०॥ गु० दा० द० व०॥ कि० ल्व०॥ यो० वि० द० स०॥ पू० यू० र्म०
 नि०॥ स० य० नो० दा० दो० मि० य० न०॥ य० व० स० मे० प० द०॥ स० मा० व०॥ आ० दि० ग० द्या० न० ल्य० ल्य० ल्य० यः
 य० न० यि० य० व० स० मे० प० द०॥ स० वि० य० नि०॥ मि० य० न०॥ ॥ वृ० दा० द० य० रु० नू०॥ हं० क० सा० द०॥
 ॥ व० रु० नू०॥ ति० वा० दि० ग० ल० नां० म० धि० रु० का० व० व० सा० द०॥ पु० ल्य० य० ल्य० ग० गमा० रु० व० नि०॥

[illegible]

विदुति॥दविद्विग॥दविद्वंति॥॥गमसञ्जन्निष्ठो॥गमिष्ठः॥गमसति॥
॥गिद्यान॥गिद्यानं॥गिद्युः॥गममु॥गिद्यादा॥गिद्यं॥गममु॥अगमः॥अ
गिद्यं॥अगमसू॥॥सौसविः॥गमसमूयधयाअकावस्थकावारुति
॥द्विगिरुसयव॥॥ॐ॥गी॥गम॥स्थ॥द्वकव्य॥॥ॐ॥उ॥मु॥नी॥ॐ॥उ॥
॥ॐ॥ग॥न॥ॐ॥उ॥न॥ॐ॥वि॥य॥ॐ॥ग॥थ॥॥ॐ॥ग॥ने॥ग्व॥य॥ॐ॥ॐ॥ॐ॥गम
नं॥ॐ॥गमनं॥॥उ॥वो॥उकावस्थोकावारुवति॥विनिस्त्रिमवादी॥यू
नू॥मु॥स्थ॥द्व॥वा॥योति॥यवि॥ति॥वोति॥ववीति॥नोति॥नवीति॥स्मोति॥

॥ सुवीति ॥ सुगंधा ॥ सुधागाविनिवकावः ॥ सुवन्ति ॥ लायस्त्रनूदा रुमानां ॥ अ
नूदा रुमानां नादीनां च ॥ मस्य ना लाया रुवनि किनिदिनि ॥ स पत्र ॥ इति
॥ दमः ॥ द्युनि ॥ गनां स्वम ॥ स्य कावलाय ॥ ॥ नमः ॥ नमयु स्यया स्यवः
स्य अ नूत्वा मस्य लाया रुवनि ॥ ॥ हिं सिं हिं सायां ॥ वृधा द न्नमः ॥ दिनः ॥ १४७
स्ति ॥ ॥ नमसा स्य ॥ निन कावस्या कावलाय ॥ दिनि यत्र ॥ हिं स्तः ॥ हिं
सक्ति ॥ सस्का ॥ नपि ॥ रुं ॥ अम देन ॥ रुनक्ति ॥ रुं कः ॥ रुं ऊं ति ॥ अवि
नं ऊं दं ग सं ऊं य ऊं ना लाय ॥ वज्रवा ॥ वज्रति ॥ दगति ॥ सजति ॥ स्व

ऊनि॥ ॥विदंनवानांलवादर्वा॥विदउरुभंभांल्यादीनानिवानांलवादिर्नः॥
वकावारुवनि॥वदविदरु॥विद॥वत्क॥विदथु॥वत्कि॥विरु॥वि
दन्कि॥विद्यान्॥ ॥वरुभंभावावूद्॥संविदन्॥विदन्॥वरु॥विरुद्वा
॥अवन्॥अवेद॥अवित्॥स्याविद॥त्यनउत्॥अविद॥दस्मनिविक
त्यनसत्त्वं॥अवे॥अवन्॥अवद॥ ॥असुवि॥अस्ति॥ ॥नमसास्य
॥त्यकोनताप॥रु॥सन्कि॥ ॥सिस॥अस्मसकावत्तापारुवनि॥सि
पियन्॥असिस्थ॥स्थ॥स्यान्॥अम्बु॥स्माद्वा॥स्मि॥संरु॥ ॥ऊक्कधिग

[illegible]

हृदय॥ अलङ्कारः॥ ॥ लिङ्ग आस्वादनं॥ हृदय॥ न (आर्द्रः॥ अति॥ यदु॥ उ
यथायालयागुणः॥ तदतिवृत्तिः॥ दिङ्मायादीयश्च॥ दकावस्थः
कावयवः॥ दकावस्थलायावृत्तिः॥ पूर्वस्यवेदीयः॥ लङ्॥ लीङ्॥ लिङ्
नि॥ लिङ्गः॥ लङ्॥ लीङ्गः॥ ॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ कविर्दकावस्थस्य
अवकाशः॥ नन्दः॥ लीङ्॥ लिङ्गः॥ लिङ्गः॥ लिङ्गः॥ लिङ्गः॥ लीङ्गः॥
अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥
अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥ अलङ्कारः॥

साउ॥ डालसिबी॥ लङ्ग॥ याव॥ यावदा॥ यावद॥ यदाक॥
 स॥ कर्त्तव्य॥ यावद॥ यावदा॥ यावद॥ यावदा॥ यावदा॥ यावदा॥
 ॥ यावदा॥ यावदा॥ यावदा॥ यावदा॥ ॥ दिविसस्य॥ सिपि
 वा॥ वकासदी॥ वकासि॥ वकास॥ वकासि॥ वकास्य॥ वका
 मु॥ अ॥ वका॥ अ॥ वका॥ अ॥ वका॥ अ॥ वका॥ ॥ रद्या
 यकथन॥ आदय॥ अ॥ रद्यानि॥ आ॥ रद्याया॥ आ॥ रद्यानु॥ आ॥ रद्यानु॥
 ॥ नृ॥ य॥ यु॥ द्वि॥ पि॥ नि॥ च॥ मा॥ र्द॥ मे॥ र्द॥ म॥ उ॥ नि॥ म॥ अ॥

१४३

॥ मा॥ र्द॥ म॥ र्द॥ म॥ र्द॥ म॥ उ॥ नृ॥ अ॥ र्मा॥ र्मा॥ अ॥ र्मा॥ अ॥ र्मा॥ अ॥ र्मा॥ अ॥ र्मा॥
 ॥ नि॥ जा॥ यु॥ नृ॥ नि॥ जा॥ दी॥ ना॥ पूर्व॥ स्य॥ यु॥ नृ॥ र॥ व॥ नि॥ अ॥ पि॥ ल॥ कि॥ स॥ नि॥ नि॥ डि॥
 व॥ गे॥ च॥ पा॥ य॥ न॥ या॥ ॥ रु॥ हा॥ ला॥ दि॥ ला॥ दि॥ च॥ य॥ न॥ ॥ नि॥ व॥ पूर्व॥ ॥ नि॥ नृ॥ न॥ कि॥ ॥ नि॥
 ॥ नृ॥ नि॥ क॥ ॥ द॥ वि॥ नि॥ र्ग॥ न॥ स्या॥ न॥ ॥ नि॥ नृ॥ नि॥ ज॥ नि॥ ॥ नि॥ नृ॥ न॥ दि॥ ॥ नि॥ नृ॥ नि॥ क॥ ॥
 नि॥ नृ॥ नि॥ क॥ ॥ नि॥ नृ॥ नि॥ य॥ न॥ ॥ नि॥ नृ॥ न॥ कु॥ ॥ नि॥ नृ॥ नि॥ का॥ दा॥ ॥ नि॥ नृ॥ नि॥ का॥ ॥ नि॥
 ॥ नृ॥ नि॥ ज॥ नृ॥ ॥ नि॥ व॥ न॥ न॥ क॥ ॥ नि॥ व॥ न॥ नि॥ का॥ ॥ नि॥ व॥ न॥ नि॥ श॥ ॥ आ॥ र्म॥ न॥ य॥
 द॥ पि॥ ॥ अ॥ व॥ न॥ नि॥ क॥ ॥ अ॥ व॥ न॥ नि॥ जा॥ न॥ ॥ अ॥ व॥ न॥ नि॥ ज॥ न॥ ॥ अ॥ व॥ न॥ नि॥ का॥ ॥ अ॥

वननिजानी॥ अवननिक॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ विजिनयथककन॥ ववकि॥
 विवृथा को॥ ववदि॥ ववेद॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ यपालेनयूननया॥ का
 ददिश्र॥ अयावि॥ पूर्वस्य अथा॥ दिस्यदसा॥ पूर्वस्य ॐ कामा
 वनि॥ आद पूर्व॥ आपिपति॥ आपिपयाना॥ आपिपयु॥ ॥ अथादि॥
 स्याद्विअगमावनि॥ आपिपवन्॥ आपिप॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ अगना॥
 ॥ असव॥ स्ववयव पूर्वस्य कामस्य आदनावकअ॥ ॐ यति॥ ॐ य
 या॥ ॐ य॥ ॥ स्वनादित्वादिनीयागमस॥ नेयवन्॥ नेय॥ नेय॥

१४४

नीनेयव॥ ॐ अगना॥ अति॥ ॐ ग॥ यति॥ ॐ या॥ अ॥ ॐ गादा॥ ॐ गा
 ॥ य॥ अ॥ ॐ हि॥ ॐ हि॥ ने॥ ने॥ अयन॥ ॐ यन॥ ॥ यकचतुषू॥ ॐ या
 य॥ ॐ य॥ ॐ य॥ ॐ यिथ॥ ॐ यथे॥ ॐ यथ॥ ॐ ये॥ ॐ याय॥ ॐ
 यय॥ ॐ व॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥ ॐ यि॥
 ॥ धारुतामयन॥ नाना नार्थत्वाच्च सर्वथा॥ अरिधरुमगकत्वादलमा
 र्यामवर्णने॥ ॥ ॥ ॥ ॐ ह्यास्यागप्रक्रिया॥ ॥ ॥ ॥ अथकद
 नप्रक्रियानिद्रयन॥ ॥ ॥ कर्ककविच॥ वअमा॥ ॥ यत्तया॥ कर्कह

त्य

[illegible][illegible]

वरुणः॥ यथासंस्थितः॥ पचनीति पाचकः॥ पाचयति वा पाचकः॥ लिखादु
 यथासंस्थितः॥ जलद्वयवत्॥ ॥ य० श्रुकायां वाचि॥ य० नीति पा० क
 ॥ पा० यति॥ वा पा० क॥ ॥ लाकलादुदर्शनं॥ लाकयतीति लाककः॥
 ॥ दूयावृथाश्रुयां॥ याचनं॥ याचयति॥ दायावकः॥ लूयादि॥ ॥ श्रुक
 कवले॥ कवाति॥ काचयति॥ वाकावकः॥ ॥ रुसलायां॥ वृत्तयुत्य
 यः॥ नकावावृथार्थः॥ यूवावृत्तको॥ श्रुवादर्शनः॥ रुवनि॥ रावयति॥
 वा॥ रावकः॥ लूश्रुद्वयं॥ लूनानि॥ लावयति॥ वालावकः॥ ॥ पूश्रु

पवनः॥ पुनानि॥ पावयति॥ वा पावकः॥ ॥ द्वियप्रवले॥ नाम्ययः
 धात्कः॥ नाम्ययधाद्वागो॥ कयुत्यथारुवनि॥ ककावागुत्तयुतिधधार्थ
 ॥ द्वियप्रवले॥ द्वियगानिद्वियः॥ ॥ रिदिवविदावले॥ रिदनीति
 रिदः॥ ॥ छिदिवदधीकवले॥ छिदनीति छिदः॥ ॥ लावधोधनः॥ ॥
 ॥ अमानपीत्यकावलायः॥ ॥ जानाग्वहकः॥ जानाग्वपिधानाकष्य
 रथारुवनि॥ जानागीतिरूः॥ सूक्ष्मजानागीतिरूः॥ ॥ पीकृगृत्य
 ग्वकः॥ अग्वं॥ किं॥ पियः॥ गिवः॥ ॥ पचिनं॥ दियदादवयुनिः

ति॥ यवादर्नघादग्निदादयश्चमूयुनितित्त्वं त्वत्प्रत्ययारुवन्ति॥ यव॥ व॥
 य॥ वदा॥ यत॥ नद॥ रुघ॥ घृव॥ वगा॥ ववा॥ यदा॥ ऊव॥ मव॥ दव॥ सुद॥
 दव॥ वसय॥ काय॥ मघा॥ नरु॥ वृ॥ सप॥ जा॥ व॥ रुव॥ स्वप॥ यव॥ वृ॥
 त्यादियवा दय॥ यथसंस्थेन रुवन्त॥ लकाया कृद्वाथ॥ ॥ यूपये १४०
 यपाक॥ यवनीति यव॥ विदहान॥ वरुति वद॥ वदद्यकाया विवि
 ॥ वदनीति वद॥ दिवुकीयाया॥ दिवुनीति दव॥ सव सवाया॥ सवनी
 निभव॥ दृ॥ दि॥ समुद्रो नीदि वासि सादि यूपिसाधि वधि गहि गोवाः

वीत्या दयानंघा दय॥ ॥ वृदिना नू॥ वृदिना धानान्मागमारुवन्ति॥ नन्व
 यनीति नन्दन॥ वसुकीयाया॥ वसन्तं निवसन्त॥ ॥ वामयुमसं दर्थ॥
 वामनीति वामन॥ कुमनीति कुमने॥ अर्द्धमर्द्धमर्द्धन॥ ऊर्णमर्द्धयनीति
 ऊर्णाद्वन॥ मर्द्धयनीति मर्द्धन॥ ॥ वृ॥ द॥ वायु॥ वृ॥ धा॥ वायु॥ प्रत्य
 यारुवन्ति॥ युवावन्तको॥ वेति॥ वावयति॥ वावावन्त॥ ग्रहादन्ति निप्रत्य
 यारुवन्ति॥ गृह्णातीति ग्रही॥ ॥ अगमयूक॥ निवृत्तीति स्थायी॥ यजनीति
 याजी॥ वृ॥ द॥ विप्र॥ विवावी॥ यायु॥ याय॥ यवगतिरुद्धन्तया

॥ विचरतीति विचारी ॥ दग्धदृग् ॥ दग्धदृग् ॥ गयत्यथारुवति ॥ गकान
 ॥ गित्कार्थ ॥ गित्तिवदुर्ध्व ॥ गित्तिपुत्यययवदुर्ध्वतिवादिष्यत्यय
 मूर्कं न इवति ॥ ययतीति यय ॥ उत्तयतीति उत्तय ॥ धट्टयानं ॥ धयतीति
 धय ॥ ॥ ध्मागदानिसंयोगथा ॥ उद्धमतीति उद्धम ॥ यापानं ॥ उत्थिव
 तीति उत्थिव ॥ द्यागश्वादा न ॥ उद्धिद्यतीति उद्धिद्य ॥ गमास्त्ववल्तूप
 मया लाप ॥ ॥ हन्ताद्य ॥ गमं हन्तीति गमद्य ॥ मूवा दन्तम ॥ विहृ लोहं ॥
 ॥ गमं विदतीति गमविद ॥ ॥ कलादन्त ॥ कलादन्तं गमं पुत्यथारुवति ॥

१४६

॥ गकानादृष्टार्थ ॥ कलदीको ॥ कलतीति कल ॥ गयसंताप ॥ गयतीति ताप
 ॥ यथिगतो ॥ यथ्नातीति यथ ॥ यथतीति वा ॥ अरुवद्वाननकदन्तमाग
 म ॥ ॥ अरुवद्वाननकदन्तमाग ॥ काथिन् ॥ धागा ॥ कस्मत्तिययुष्माने इत्युत्प
 थारुवति ॥ धागान्तमिनन्ति वृद्धि ॥ कूरु कर्मातीति कूरुकाव ॥ यथं
 कर्मातीति यथकाव ॥ ॥ अदा अदानं ॥ अगा ॥ अकावाका दाना ॥ क
 स्मत्तिययदसतिरुपत्यथारुवति ॥ ॥ नाम्निवा ॥ नाम्नि ययुष्माने यि उ
 पत्यथारुवति ॥ गमं ददातीति गमद ॥ धनद ॥ कमलं ददातीति कमलः

द॥ द्राह्यापिवनीनिद्विय॥ ॥ जनीयादुहवि॥ द्राह्यडिभायनयनाह्याडाय
 नद्विज॥ गृहतिष्ठनीनिगृहहृक्॥ दृगनी॥ गुर्वद्वनीनिगृह॥ गृह॥ गृह॥
 द॥ गुचम्भूआद(ग)रुवतिद्वय॥ ॥ उवस॥ सलाथासुसवा॥ उवस॥
 सकावस्यलाथारुवतिवामुमागम॥ गम्भूगनी॥ उवसागच्छनीनिउवग॥ १४२
 ॥ उवग॥ ॥ विहायसाविहगय॥ विहायसगदस्यविहआद(ग)रुवति॥
 यकावादासुमागम॥ विहायसिगच्छनीनिविहग॥ विहग॥ ॥ नवसमु
 वव॥ नवसाव(ग)नगच्छनीनिसुवग॥ सुवग॥ रुजग॥ रुजग॥ सुनत्य

गव(ग)नगच्छनीनिसुवग॥ सुवग॥ नननियाना॥ ॥ अ॥ धातान्त्रिमिका
 यचसत्यकाव॥ टकावोपत्यथोरुवत॥ टकाव॥ वर्थ॥ अ॥ अ॥ अ॥
 कवच॥ हवनीनिकवचहव॥ कुमाव॥ रुवहवनीनिरुवहव॥ ॥ धृ॥
 धाव(ग)॥ धनूद्वनीनिधनूद्व॥ द्रुयि॥ ॥ चवगतिरुदनथा॥ कुने
 सुववनीनिकुनूवव॥ कुनूवनी॥ ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
 टपत्ययसुववादवव॥ (ग)क॥ क॥ क॥ क॥ क॥ क॥ क॥ क॥ क॥ क॥ क॥
 नियगस्कनीविद्या॥ यूनदावयनीनियूनदव॥ यमनियम॥ वाचय

मयतीति वाच्यं म॥ सर्वं स हनं नृनि सर्वं स ह॥ दिव्यं तयतीति दिव्यं तय॥
॥ गणं तयतीति गणं तय॥ ॥ दविदाव॥ रुगं दावयतीति रुगं दव॥
॥ रास्कव॥ ॥ ॐ खरिवि॥ धा नान्नामि कार्यं च सगि ॐ खरिवि ॐ खगपुख्य
यारुवन्ति॥ सुर्वं कवातीति सुर्वं कवि॥ वीहि॥ गिवि॥ हवि॥ ॥ आ ७५०
पुत्राको॥ दवानाध्वातीति दवायि॥ दवायि॥ ॥ त्विनियदस्य॥ त्विति
पुत्रययव पूर्वयदस्य मूमागमा रुवन्ति॥ दमं कवातीति दमं कव॥
प्रियं वदतीति प्रियं वद॥ आत्मानं विरुहतीति आत्मं रुवि॥ उदवर्हवि॥

॥ कूर्दिरुवि॥ ॥ अजांखण॥ अक कयनल्ल्यादीनांखणप्रत्ययारुवति ॥
 खकावामूमामार्थ॥ गकावयुर्वत्कार्यार्थ॥ ॥ चूनादरु॥ गुणय
 द (जे) ॥ ऊनं अजयनीनिजनमजय॥ विजय॥ धनं जयनीनिधनं जय॥
 ॥ यतिनमात्मानं मन्यते यतिर्न मन्य॥ दिवादन्य॥ ॥ खट्कन॥
 धाता॥ कन (जे) खट्कप्रत्ययारुवति ॥ खकावामूमामार्थ॥ अनेननन
 ॥ क्रियते अनेननिनेनकनयुर्न ॥ अस्तुलःस्तुलः क्रियते अनेननिस्तु
 लंकनयुर्नदधि॥ ॥ राजाविदुः ॥ राजाद्विदुः कर्तुर्विविदुप्रत्ययारुवति ॥

॥ व४ ॥ वलया रुवति ॥ न का वा द द्यर्थ ॥ ॥ रुजस वाया ॥ अर्थ रुजतीति
 अर्थ रुक् ॥ कषूरा क ॥ कषूरा ग ॥ पविषाट् ॥ वद पाय (न) ॥ राव वाट् ॥
 ॥ वहा वोग सादो ॥ अवधूत्य न स्य वहा वा का वस्ये का वा द (ग) रुवति ॥ ग
 सादो स्वयं यव ॥ रावो रु ॥ रावो रु ॥ अवयजतीति अवयाट् ॥ सदस्ये (न) १५१
 ॥ सद ४ य ४ सादि ४ ॥ सादि वृषसति सद ४ कों सका वस्य स का वा द (ग) रुव
 ति ॥ वस्ये दान क वा ॥ गु वा सद नं ॥ निगु वा वाट् ॥ गु वा वाट् ॥ ॥ माना धा ना ४
 ॥ धा ना म्मे का वस्य न का वा द (ग) रुवति ॥ वस्ये दान क वा ॥ गमद मडय ग म ॥

॥ पुष्प म्यतीति पुष्पान् ॥ अरु गत रु व क रुति या (ग) त्रि ॥ ॥ यो दी र्घं ॥ वा
 स्य यो यन अवधूत्य ॥ का वा रुवति ॥ द्रुत्व स्य व दी र्घ ॥ व का व ॥ यो दी र्घं
 निवि (ग) सज्ज ४ ॥ वनिनि वलया ४ ॥ अमिथूनं मिथूनं क्रिय नं ॥ निमिथूनी
 कवर्ण ॥ यानिय रुर्ण ॥ अगु क ४ गु क ४ रुय नं ॥ निगु क्री रा व ४ ॥ रा व घ ४ ॥
 ॥ अस हाय ४ स हाया रुवतीति स हायी स्यात् ॥ अरु रु ४ रु रु ४ रु रु ४ ॥ रु रु रु रु ४ ॥
 ॥ चो सला यथे ॥ अमना मना ४ रुवतीति मनी रा व ४ ॥ अनू मना उ मना रुवती
 ति उ मनी रा व ४ ॥ गव क वि द क व ४ ॥ अद ४ र्वं द र्वं क मा गति द र्वं क मा गति ॥

गकस्यलाय॥ अविदुसंतिदीर्घ॥ ॥ अवितायां॥ अयतं॥ क्विपि॥ स
 पसानं॥ सुदूच्यायतीति सुधी॥ ॥ दण्डकसको वापमान काथ्य॥ द
 (गङ्गाता॥ टकसको प्रत्ययोरुवत॥ उपमानको अचकामाक्षिय॥ ७ ॥
 ॥ असर्वद॥ एतं मूयत्यथ मूयव मूयसर्वद॥ पूर्वस्यात्वरुवति॥ अन्य
 वददृश्यतं॥ ॥ अन्यादग॥ अन्यादद॥ अन्यादक॥ तददृश्यतं॥
 तितादग॥ तादद॥ तादक॥ अरुमिव दृश्यतं॥ तिमादग॥ मादद
 ॥ मादक॥ वानुवत्कदीप॥ मादगी॥ अन्यादगी॥ ॥ किमिदम॥ कीर्ण॥

१७३

॥ किमिदमस्य दमस्य कीर्णं॥ त्वगा वादलो रुवत॥ कवदृश्य
 तं॥ ति कीदग॥ कीदद॥ कीदक॥ अयमिव दृश्यतं॥ ॥ कीदग॥ की
 दद॥ कीदक॥ कीदगीवार्ता॥ ० ॥ रुवदादिषु दण्डिभानोर्थक काम
 दं॥ अदया दीर्घगावकया॥ रुवानिव दृश्यतं॥ रुवादग॥ रुवादद॥ रु
 वादक॥ ॥ तानिवतीत॥ धमावतीत कालगीत च निनिप्रत्ययारुवति॥
 ॥ नोर्णोसो॥ अग्निश्चमयाजी॥ उषुरुजी॥ ॥ क्विपुवनिपु॥ धागा
 वतीत कालगीत यक्विपुवनिपु॥ त्वन प्रत्ययारुवति॥ रजसवधानि

॥ वरुह ॥ यऊनीनियका ॥ सूत्र प्रानिप्रसव ॥ वनियः पितृकृत् ॥ किः
 त्वाङ्गकावः ॥ सूनवानिकिसूत्रा ॥ सनसिजार्गसवसिर्ग ॥ सर्वमगेदिनि
 सर्वगः ॥ सामगयदिति सामगः ॥ ॥ कृकवरुह ॥ धामावनीवः कालकक
 वरुपत्यथोरुवतः ॥ रावकार्यथाः कः ॥ रुगः ॥ यटः ॥ कटिकमवान् ॥ ॥ १५४
 ॥ कर्तृविकवरुह ॥ उकावानुविधानार्थः ॥ आगनीलिर्गदवदरुन ॥ राव
 नर्पसकाकः ॥ गत्यथदकर्मकात्कर्तृविकः ॥ गत्यथदकर्मकाच्च
 गः ॥ कर्तृविकप्रत्ययरुवति ॥ आटनिर्वृत्तिमूढिगः ॥ अटनंप्रायः ॥ क

गन्गीदः ॥ स्तिगः ॥ गन्गः ॥ दान्गः ॥ कान्गः ॥ ॥ कावासटः ॥ कप्रत्ययावाकि
 रुवति ॥ यथागिगः ॥ यथूगिगः ॥ उदिगः ॥ वदिगः ॥ वादिगः ॥ नूदिगः ॥ मा
 यिगः ॥ मूयिगः ॥ ॥ ग्टयप्रहामितिदीर्घः ॥ ग्टहीगः ॥ नादिगः ॥ नूदिगः ॥
 वदिगः ॥ विदिगः ॥ ॥ ॥ दृग्निः ॥ किगः ॥ उवर्लका दवर्लकाच्चप्रियप्रः
 धामाः यवस्यकिगप्रत्ययस्यरुद्रनरुवति ॥ वृगः ॥ रुगः ॥ ग्निगः ॥ ॥
 ॥ आदीदिगः ॥ आदिगन्दिगप्रधामाः यवस्यवसादविशगमानरुवति ॥ श्री
 नाग्वरुमानयि ॥ शिनाधिहर्तानकप्रत्ययरुवति ॥ वरुमानकालयि ॥ ॥

॥ दसु स्य ना दश ॥ दका वा ना दसु वस्य कि न सग दस्य न त्वरु वनि ॥ दका वस्य व
नका व ४ ॥ ॥ जिमिदा स्तद न ॥ मिन्नम न्तं तेलनं वर्तत ॥ ॥ जिधिदा गगु प
दव ॥ ॥ आयासन पस्तिन्न ॥ जिधिदा सयू धूम ॥ द्विपू ४ ॥ ॥ अदा ज
४ ॥ अदा धागा उधू वा द ॥ रुवनि कि नियव ॥ न ॥ अद ४ ॥ अरु उवा ॥ उद ॥ ॥
॥ न ४ ॥ नहा दसु वस्य कि न सस्य न त्वरु वनि ॥ ॥ अद ४ ॥ अद ४ ॥ अद ४ ॥ अद ४ ॥
॥ अका वस्य ० ० वरु वति ॥ अविह स ० ० निदी द ४ ॥ विदीधु ० ॥ द व ० ०
वया हा नो ॥ उी ० ॥ अी ० ॥ वागवी ० ॥ त्वाधा दि ० ॥ त्वाद नो दि ० ॥ अ ० ॥

स्तानां रुवनि ॥ लूञ्छदने ॥ लून ४ ॥ द्विदय ॥ दीन ४ ॥ द्वादीयानिष्टाय
 वा ॥ द्विद ४ ॥ स्तान ४ ॥ स्तन ४ ॥ ॥ उदाकृत्याग ॥ हीन ४ ॥ दीन ४ ॥ स्तमीति ०
 काव ४ ॥ ॥ याय ४ यी ॥ याया धाता ४ यी ० ॥ ययमाद ० रुदति ॥ यीन ४ ॥
 ॥ उयायीवृद्धी ॥ ॥ दादति ४ ॥ दा ० ॥ त्यस्य द इवति ॥ नका मादो किति यन
 ॥ अदायि ० तिदत् ॥ अदा ० ॥ तिदत्तवान् ॥ दूञ्छयताय ॥ अदावि ० ति
 दून् ॥ स्वनाकावा ॥ स्वनादत्तवस्य दा ० ॥ त्यता वारुवति ॥ नका मादो किति
 यन ॥ यत् ४ ॥ यदत् ४ ॥ अदत् ० ॥ अदत्तवान् ॥ यजदवयूजायां ॥ यजायवः

नि॥ म्हीन॥ ॥ कसकानोनवजग॥ धागा॥ कसकानोयत्यथोरुवग॥ अ
 गीनकाल॥ गोचलयवृत्तिवद्रुवग॥ लवादिवद्रुवादिवृत्तिवृत्ति॥ नहुवृ
 द्वादि॥ यथात्मययवस्मैपदगथाकस॥ यथाआत्मनयदपुगथाका
 न॥ ककावागुनयुतिषधार्थ॥ उकावागुनयुतिषधार्थ॥ ॥ रिदिन
 विदवत्त॥ विरुदन्तिविदिद्वान्॥ विवदन्तिविविद्वान्॥ चकावन्ति
 निवद्वान्॥ चकावन्ति॥ उद्यानन्तिउच्चिद्वान्॥ ॥ गृहगमनोतिगव
 न्कियायन्ति॥ कियायदगम्यमानो गृहगमनोयत्यथोरुवग॥ गोचनिय

गवन्ति॥ यवस्मैपदात्मनयदयार्कवग॥ यवन्ति॥ य० स्तिष्ठति॥ गमय
 नगच्छेति॥ ॥ मृगमनग॥ मृकावस्थानयनमृगमगमारुवति॥ यवन्ति
 येवमान॥ य० ति॥ यजमान॥ स्तोति॥ ॥ गनादभ्यु॥ मन्वान॥ वदति॥ ॥
 ॥ आसनीनन्ति॥ आसनीन॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥
 स्तुति॥ आसीन॥ वादीया॥ सहु॥ अवन्ति॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥ यवन्ति॥
 वति॥ व्हीकावन्ति॥ विचयय॥ रुदयधन॥ रुदत॥ रुदती॥ रुदन्ति॥ कूल॥
 ॥ रुदती॥ रुदन्तीवर्तन॥ ॥ अयथावन्ति॥ अयथावन्ति॥ अयथावन्ति॥ अयथावन्ति॥

वसन्ध्रिः अकावात्यवस्यगुर्निर्त्यनमागमारुवति ॥ रुचतीतिरुच
 की ॥ य० नीति य० नी ॥ रुस रुसम ॥ रुसनी ॥ दिवूकी जया ॥ दीयनीति
 दीयनी ॥ वामादृशर्क ॥ सिष्टतीतिस्तिष्टनी ॥ ॥ दिवूकानां अक्षादी
 नां च गनुर्निर्त्यनम् प्रनिष्ठ (भावकव्य ४) ॥ (गोवा ॥ ददातीति ददन् ॥ द १५८
 दतीति ददति ॥ ददति ॥ यद्वतीति यद्वत् ॥ जाग्रतीति जाग्रत् ॥ जाग्रती ॥ जा
 ग्रति ॥ ॥ दविडादृग्नी ॥ दविडादवात्मा यावकव्य ४ ॥ दविडातीति दवि
 दत् ॥ चकासीति चकासु ॥ अनूष्मसु ॥ ॥ विदवावम् ४ ॥ विदवाती ४

गतविषयवावसूयत्यथारुवति ॥ वलीति विद्वान् ॥ विदत् ॥ अरुवन्
 गुरुवक्त्रो यथा (थेनियार्थम्) ॥ अरुवन्कारुदसिम् ४ ॥ गुरुवद्वि
 रुवत्याद्यैरुनिर्ग ॥ ॥ गीतृत् ॥ धातास्त्वयत्यथारुवति ॥ गीतृत्स्वराव
 (थे) ॥ नकावः ४ यत्यथलायनाथ ४ ॥ कवन्गीत ४ कर्त्तु ॥ रुत् ॥ नयनगीता
 नता ॥ रुवन्गीतारुत् ॥ विवदन्गीत ४ ॥ विवदिता ॥ ॥ ॐ सूस्त्रुक् ॥
 ॥ धाता ४ गीतृत्स्वराव (थे) ॐ सूस्त्रुक् ॐ त्यनं यत्यथारुवति ॥ अलंयुव
 ४ ॥ अलंकवन्गीत ४ ॥ अलंकविष्णु ४ ॥ निवाकर्त्तुं गीतृत्स्वराव निवाकवि

मू॥ आहदीको॥ आउनगील॥ आडिपू॥ ग्रसअदन॥ ग्रसनगीला॥ ग्र
 सिपू॥ ग्ररवनगील॥ ग्ररविपू॥ सदमर्थ॥ सदिपू॥ इहुंगी
 लसस्यडिपू॥ रुवनगील॥ रुपू॥ स्वापू॥ विपूयाको॥ विपू॥
 ॥ गृ॥ गृधूपूरिदाया॥ ॥ याकोक॥ धना॥ गील॥ थयाकड
 उकन॥ रथगपुथयारुवनि॥ वननिदाया॥ वननगीलावमाक॥
 ॥ यकाव॥ वथ॥ वमाकी॥ ॥ रिहया॥ र्या॥ रिदिहुंगीलसस्य
 रिदाक॥ रिह॥ ॥ साकासंगया॥ सपुथयादादपूर्वोर्गस

१५९

मुगविथ्यसमाच्चगीलार्थविनापिउपुथयारुवनि॥ ॥ वचयविकाय॥
 ॥ विवदगीतिविवद॥ ॥ ॥ कायासासन॥ ॥ यियासगीतिपियास
 ॥ दिलेयूचस्यदसादि॥ गय॥ मग॥ ॥ थाविहस॥ तिदीध॥
 ॥ कदायविनिचूर्त॥ विकीर्यति॥ विकीर्य॥ गिसुमुगो॥ आगिसगीतिआ
 गिसु॥ ययसद॥ डिपूदगीतिडिपू॥ ॥ कमूकाको॥ उकनय
 त्यय॥ नका॥ रुध॥ कामयगीति कामूक॥ रिहयावश्या॥
 ॥ रिह॥ गील॥ रिह॥ रुविहुंगीलसस्यतिरावूक॥ ॥ नमप्रका

त्वेगद॥ ॥ नमो दक्ष॥ नमो दक्षिण॥ गीतार्थवयस्यारुवति॥ दी
 यिकैविकसिउसमादक्षिणसकमिस्मिदनमोद॥ नमो नमो नमो नमो
 य॥ नमो नमो गीतानु॥ हिंसिदिंसाया॥ हिंसनगीतादिमु॥ अ
 उसनगीत॥ अउसु॥ कमनगीत॥ कमसु॥ ॥ यस्तुअदना॥ ० ॥ १५०
 ॥ यसाद॥ यव॥ यसाद॥ यव॥ यवयस्यारुवति॥ ककावागुद
 प्रतिषेधार्थ॥ यसनगीता यस्तुव॥ अदनगीतअदव॥ सुस

वना॥ सवनगीत॥ सुमव॥ किदिनिदिविदां व॥ किद्व॥ हिद्व॥ ० ॥
 ॥ रासाद॥ रासाद॥ रासाद॥ यवयस्यारुवति॥ यकावाचित्कायाथ॥
 ॥ रासनगीत॥ रासुव॥ ॥ रंरुअमदन॥ चडा॥ कगेचिनि॥ रुजन
 गीत॥ रुगुव॥ ॥ यउदवयुजासंगतिकवनदानय॥ ॥ यदुदक
 ॥ यदधना॥ यकनयस्यारुवति॥ गीतार्थ॥ ॥ अनिगयनदमाद॥
 यद्विद्य॥ ॥ यदालक॥ गस्तनियागयदालरुवति॥ यवस्यरुसा
 दि॥ गाय॥ ययइकवतिहि॥ ययइक॥ दगनगीताददयक॥

॥ ऊ य न गी ला ऊं ऊ यू क ॥ व द न गी ला वा व दू क ॥ च का ना द य ग ना ऊः
ग रू न यू क ॥ जा ग न गी ला ॥ जा ग नू क ॥ ॥ आ द न ॥ किं दि श्य रू न ॥
॥ आ का ना ना द का ना ना द्वा ना ॥ गी ला (थ रू न काल (थ कि ॥ प्र त्य या रु व
ति ॥ धा ना थ दि र्व च नं ॥ ॥ ना म ॥ सा म य पि र्य रू द दि ग्ने थ कि नू
न ॥ या ऊ का न व वि ना ऊ दि ॥ यो गु बी क म हा दि जा न ॥ ॥ स दा ना द
य ॥ स र्व मि न् काल उ न द य ॥ प्र त्य या रु व ति ॥ ॥ यू क ॥ क न (न ॥

॥ लकारादर्थः ॥ कवागिनि कावू ॥ वागनिगधिया ॥ वागनिवायू ॥ आग
यूक् ॥ कुगआकानगुन ॥ खगयवाजादविनिमर्त्त ॥ धृक् ॥ धृ ॥ को
गनिनि कावू ॥ गुपत्यय ॥ अवनदयालन ॥ मूकयत्यय ॥ केकाव
॥ किंकायार्थः ॥ किंकात्संप्रसारण ॥ अवनिति ३१ ॥ मालिपुपत्ययः
॥ लकारादर्थः ॥ मन्त्रयध्याय ॥ मालिपुपत्ययायध्याय ॥ मन्त्रय
अकारस्यनकारादणरुवनि ॥ ॥ रुदि वृदि वृदि वृद्धि ॥ वृत्ताद्वृत्
नत्वादावुक् ॥ ॥ अगसागमनमन ॥ आत्मा ॥ ॥ धृग्ध्यावदध्यामदी

या॥८॥मयत्यय॥धवत्तद्वर्मा॥॥धूक्तंयन॥धादबुलि॥धाद
 द्वागिबुलिप्रत्यययति॥धूनातीनिधूलि॥॥अगिबगिलगिगत्य
 थ॥॥०॥दिन॥निनूमागस॥अगनीनिअहुलि॥॥०॥॥
 ॥गसादित्य॥कवलेउ॥अमृ॥॥असूदिंसाया॥अमृ॥असूदय
 ने॥अमृ॥यार्जु॥नर्जु॥॥दायलवत्त॥दार्जु॥॥०॥॥०॥॥
 ॥आहपूर्व॥निनियत्यय॥नकावद्वर्थ॥अगर्जुगीतमस्यनि॥
 ॥अगमी॥रुसलाया॥रुविर्जुगीतमस्यतिरावी॥॥०॥॥०॥॥०॥॥

[illegible]

क्रि०॥ अ० न० नि० अ० नि० ॥ ॐ दि० य० मे० अ० य० ॥ च० दि० अ० द्रा० द० न० ॥ ॐ दि० व० दि०
 ग० कि० न० दि० र० धा० व० ॥ ॐ द० न० नि० ॐ न्द्र० ॥ च० न्द्र० न० ति० च० न्द्र० ॥ ग० अ० न० ॐ ति० ग० कें
 क० ॥ न० द० न० नि० न्द्र० ॥ य० य० न० ति० य० य० ॥ ह० ल० न० ति० ह० ल० ॥ म० ल० न० ति० म० ल० ॥
 ॥ उ० अ० द० य० य० नि० मि० ना० ॥ य० य० ग० म० न० स० त० य० य० क० द्या० ॥ ॥ तु० म० त० द० ॥ ७३३
 अ० य० र० वि० द्या० नि० ॥ धा० न० र० वि० द्या० कि० काल० तु० म० य० य० अ० र० व० नि० ॥ त० द० अ०
 य० क्रि० य० य० य० य० य० म० ना० य० ॥ नु० ज० पाल० ना० अ० वे० द्या० ॥ का० कु० वि० ज० नि० ॥
 ॥ प० ठि० तु० मी० ॥ सा० तु० मी० रु० न० ॥ ॥ द० य० अ० रा० व० ॥ धा० न० रा० वा० र्ध० य० अ० य० य०

य० अ० र० व० नि० ॥ च० ऊ० ॥ क० (मे० दि० नि० ॥ च० ऊ० ॥ क० का० व० ग० का० नो० रु० व० न० ॥ यि० नि० य० न० ॥
 ॥ य० य० अ० न० ॐ ति० पा० क० ॥ य० य० अ० न० ॐ ति० त्या० ग० ॥ ॐ अ० न० ॐ ति० या० ग० ॥ वि० रु० अ० न० ॐ
 ति० वि० रु० ग० ॥ ॥ य० ज० रु० नो० ॥ ज० रु० (ग० य० या० ग० ॥ अ० न० ॐ अ० न० ॐ ति० अ० न० या०
 ग० ॥ ॥ अ० नो० य० क० ॥ स० ह्ना० या० म० क० र्त्त० वि० च० ॥ क० र्त्त० वा० ज्जि० न० का० न० क० रा० व० क० म०
 नि० च० य० अ० य० य० य० अ० र० व० नि० ॥ स० ह्ना० या० वि० अ० य० ॥ य० नि० का० य० मा० दि० य० न० ॐ ति०
 य० त्या० दा० व० ॥ दी० य० न० ॐ ति० दा० य० ॥ वि० क्रि० य० न० अ० न० न० ति० वि० का० व० ॥ ॥ सा० ध० न०
 धा० व० य० अ० ज्जि० ना० का० ना० स्व० ना० ना० ना० य० य० अ० य० क० य० ॥ अ० य० म० अ० न० अ० न० न० य०

यामार्गः॥ लिखतं० तिष्ठस्मिन्निति लिख॥ अथ वत्सस्मिन्नित्यावाव॥ अथी
 यत्तु अस्मिन्नित्याधन॥ ॥ स्वनाद॥ स्वनादाद्वागवत्प्रत्ययोरुवति॥ रा
 वादो॥ वयनचय॥ सञ्जीयतं० तिस्रिचय॥ रुका॥ नीज्यायन॥ उन्न
 य॥ नृविदय॥ नृयत्तु विदियत्तु कामादिक्रितिनव॥ ॥ मदी॥ मदी
 दीनामप्रत्ययोरुवति॥ रावादो॥ मदीदृष्ट॥ मदी॥ यमयत्तु अनन्यय
 मदी॥ यत्तु॥ ॥ गमूदमूउयत्तु॥ गमू॥ दम॥ नियम॥ यिष्टव
 धन॥ विनयत्तु सीयतं० तिविषय॥ ॥ मूर्च्छयन॥ मूर्च्छकाविनययेति

१५४

अथवाहिधयत्तु वत्तु प्रत्ययोरुवति॥ चनादग्य॥ दधिचन॥ सन्धव
 चन॥ ॥ वत्तु विषययत्तु॥ दिनरुति सिद्ध॥ ॥ दिन॥ धि॥ दिन॥ धि
 तावत्प्रत्ययोरुवति॥ रावादो॥ ॥ दृष्टवत्तु यत्तु॥ वयन॥ वयत्तु॥
 ॥ दृष्टवत्तु यत्तु॥ दयत्तु॥ दिनस्मिन्मकत्तु॥ दिन॥ धि॥ दिन॥ धि
 कप्रत्ययोरुवति॥ ननधात्वर्थनकत्तु॥ वाच्यसेति क्रियायानिवृत्तु॥ क
 रिमाद्यत्तु॥ मरुत्तु॥ नननिदृत्तु॥ मरुत्तु॥ मरुत्तु॥ याचिस्मिन्विषयन॥
 ॥ नदृकी॥ धागान्दृक्त्तु॥ यत्तु प्रत्ययोरुवत्तु॥ रावादो॥ यत्तु यत्तु॥

दि २

[illegible]

(पुनः) नानक॥ कियतं निति कनक॥ दीयतं निति हवन॥ कृत्यतं निति हवन॥
 ॥ कृत्यतं निति हवन॥ उद्यतं निति हवन॥ दीयतं निति दान॥ दूयतं
 निति दूषण॥ गमादी च॥ दूषवे कथ॥ उद॥ स्काद॥ सलाय॥ उद॥
 न॥ स्तुतिना धन॥ उद॥ निति उद॥ न॥ साधना धनयाग्र॥ साधनः
 धन॥ (थवा) धनयुद॥ प्रत्ययोरुवति॥ पद्यतं निति पचनानि॥
 ॥ पद्यतं निति पचनानि॥ ० ॥ वीरुद॥ सुखलयू॥ वीरुददि
 ययुधमान सुखलयू॥ प्रत्ययोरुवति॥ सावादी॥ लकाव

यत्थय रुद ह्ययनार्थः॥ त्वका नू विधानार्थः॥ वीचन रुवः॥ सुरुवः॥ वी
षत्कवः॥ सूकनः॥ लरुलारुद्वरुः॥ दूरुवनयूधने॥ दूरुधिनः॥ सय
धनः॥ ॥यूधसंयुदाय॥ वीचन रुयनं॥ नि॥ वीचन रुवः॥ वीचन रुवः॥
॥गद्यानीयो॥ धागा सुद्यानीयो॥ यत्थयोरुवगः॥ रावा दो॥ रुविगद्यो॥ स
सनीयं॥ कर्तव्यं॥ कवनीयं॥ ॥ वीचन रुवः॥ यदा दीना मिद वीकाः
वा वकं वं॥ रुवनि॥ यदीगद्यं॥ वनं॥ वरुको॥ वनीगद्यं॥ ॥ स्ववाद्यः॥
॥ स्ववाका द्वागार्ययत्थयारुवनि॥ वरुं॥ नयं॥ ॥ दय्यज्यो गद्यार्थः॥

नियत्यन॥ दृश्यं॥ उच्यते॥ ॥ यूगकां॥ यवन्मद्भाग्यं प्रसंयोगा कावा
दश्रयप्रत्ययारुवति॥ गम्यं॥ उच्यते॥ लक्ष्यं॥ गम्यं॥ सद्यं॥ ॥ वीवाग
४॥ अकावाकाद्भाग्यप्रत्ययारुवत्या कावस्य च वी काव॥ दृश्यं॥ (ध
यं॥ लक्ष्यं॥ दृश्यं॥ गम्यं॥ ॥ अहसाकावाय॥ अवन्मद्भाग्यप्रत्यय
धारा॥ अल्पप्रत्ययारुवति॥ काव्यं॥ वाच्यं॥ योच्यं॥ ॥ वधयोच्यं॥
॥ वाच्यं॥ दृश्यं॥ सन॥ दृश्यं॥ ॥ चित्वाक कावापि॥ वाच्यं॥ याच्यं॥ य
प्रगं काव कर्म (न विदिनात्तया दयस्तु इदं विधेयवक्या॥ ॥ वा

मायसदृशं ॥ दर्शनार्थं दृष्टव्यं ॥ दर्शनीयं दृश्यं ॥ स्वाध्यायान्न
 ॥ ॥ अन्नं दृष्टं ॥ मन्त्रं दृष्टं ॥ स प्रत्ययान्तादपि ॥ निरुक्तं धर्मं स दृष्टव्यं नि
 दिध्यासितं दृष्टं ॥ सन्ति स्तुतं लब्धं उगमं ॥ विजिज्ञासितं दृष्टं ॥ ७ ॥
 ॥ उववग्यमि ॥ उवन्नं कादवग्यकथं दृष्टं प्रत्ययान्तरवति ॥ ॥ उवदो
 गार्थं ॥ स्वववन् ॥ उवकादोकावचयमायकाव ॥ स्वववन् वति ॥ ० ॥
 ॥ अ्वग्यराव्यं ॥ अ्वग्यलाव्यं ॥ समासं ॥ वग्यदीनामलापमिच्छति
 ॥ ७ ॥ लूयदवग्यमं ॥ कथं रुकाममनसावपि समावाहितगतं

१५१

आर्म्मास्ययचियूट् दृष्टं ॥ नवग्ननीय य दृष्टं कयूट् दृष्टं नवग्ननीय
 दीनां कस्मै पातिनीयाजा ॥ ॥ अ्वग्यलाव्यं ॥ रुकु कामं ॥ अ्वग्न
 मना ॥ संहिर्गं ॥ संहिर्गं ॥ सग्नं ॥ सग्नं ॥ मासि यवने ॥ मास्य यवने
 ॥ मासि पाकं ॥ मास्याकं ॥ ॥ अ्वग्न यथा त्वय ॥ अ्वग्न यथा द्वागा ॥ क
 प्रप्रत्ययान्तरवति ॥ राव कार्यया ॥ कनीकं देनैकैक्यं ॥ कस्वावः
 क्य ॥ पित्वानि त्यं रुकु ॥ मुख्यं ॥ कथं ॥ ॥ म्रियां यजां राव ॥ यजा
 दद्वेना ॥ म्रियां राव क्य प्रप्रत्ययान्तरवति ॥ कित्वात्संयसावली ॥ ० ॥

॥ अङ्गगोक्षयनव ॥ समझ ॥ ॥ दनहिंसागरथा ॥ अयन्तायस्व नूदाक
 गानामितिनलाय ॥ दुस्वस्ययितिकिगु कर्त्तुगुगमस ॥ पुक्कहत्या
 दि ॥ ॥ कि ॥ धागा ॥ कियुयथा रुवनि ॥ स्त्रियां राय ॥ अक कविच का
 वक ॥ अनूरुनि ॥ यचिविस्माव ॥ ॥ दिगानुस ॥ त्वान्मुसागस ॥ क
 त्व ॥ यं कि ॥ उदि ॥ संविनि ॥ ग्मनि ॥ ॥ गमेदीय ॥ दानि ॥ ग्ल
 नि ॥ ग्लनि ॥ ॥ हवत्यान्नुल ॥ गीद स्वप्न ॥ ॥ गीगनीदाचव किय
 यथान्नुल ॥ ॥ गीवव ॥ संगीति ॥ ॥ गीदायहामिनिदीय ॥ निगृ

१५६

हानि ॥ कर्त्तुविक्रियसंज्ञायां ॥ पुक्कनूकतिप्ररुति ॥ निधृति ॥ ॥ ॥
 कस्ति योधागुदिद ॥ यचि ॥ यचनि ॥ ॥ विदिदामद ॥ विनादीना
 रिदादगयुक्त्यामद प्रत्यथारुवनि ॥ यथा ॥ मृहयगुद्धो ॥ मृडा ॥
 ॥ हिदा ॥ किदा ॥ ॥ हयूअयवथाहानो ॥ उवादीनामदिगु ॥ अवकय
 ॥ उवा ॥ वया ॥ लिखलखन ॥ लखा ॥ गुरु ॥ ग्लरुन ॥ ग्लरा ॥ ॥ ॥ ह्यादि
 ॥ गुवाहसान् ॥ गुन्मगाहसान्कादद् प्रत्यथारुवनि स्त्रियां ॥ यथा ॥ ॥
 हवस्यां ॥ ॥ ह्या ॥ उहविनक ॥ उहा ॥ ॥ ह्यादगनाहानया ॥ ॥ ह्या

[illegible][illegible]

निम्न

विद्य

सहस्राविदधीमन्त्रियमविव क प्रमालिय दायन वृषागिन्तुलुवेमानि । तुलुवेमानि । तुलुवेमानि ।
स्वयमेवमविवदः॥

सामन्त

श्रीनरपक्षनालिविर्ग

707

आत्मभक्तकवि

ASHA ARCHIVES

3146

श्रीसुदलस्य



